

अथभीमनामधेयमहादेवीसुदाहरणसाम्

पंडित गंगाधर मुकरलाल ठिकारा काठका देवीमन्त्रा तमाशुभकाल-

# दधीचबंश पंडित गंगाधर पुष्कर लाल कृत पुस्तकोंका

## सूचीपत्र.

| क्रि०                                      | डाक | क्रि०                                    | डाक | क्रि०                                   | डाक |
|--|-----|--|-----|---|-----|
| १ महादेवीसारणीभाषाउदाहरण                   | २७  | १२ कर्मविपाक                             | १)  | २० नाडीलक्षणसप्तधातुअनुष्ठान            | ११३ |
| २ अध्यात्मरामायणभाषाटीका                   | ४॥  | भूगोलज्ञानभाषाहिंदुस्थानका               | ॥   | २१ शिल्पशास्त्रधरकाप्रमाण               | १॥  |
| ३ भारतसारसंस्कृतअध्याय१०५                  | ३॥  | १३ इतिहास                                | १)  | २२ विवाहपद्धतिभाषाशिवपार्वती-<br>विवाह  | १॥  |
| ४ भारतसारभाषाटीकाअ०१०५                     | ४॥  | १४ विद्याबुद्धिमकाशवालकाकीप              | ॥   | २३ साहाय्योत्तरघोडाकीपरीक्षा            | १॥  |
| ५ भारतसारवचनीकाअ०१०५                       | १॥  | १५ गर्गसंहिताआर्यमास ६ में<br>तयार होसी. | १)  | २४ वैद्यकसारभाषा                        | १॥  |
| ६ मनुस्मृतिभाषाटीका                        | २॥  | १६ दधीचवंशवलि                            | ॥   | अंग्रेजीपुस्तककाभाषाअर्थ                | १॥  |
| ७ सारंगधरभान्डी सप्तधातुअनुष्ठान           | ३॥  | फिरनवीन छपता है.                         | १)  | २५ पहलेपुस्तकरीभाषाअर्थ                 | १)  |
| ८ एकादशीभाषाटीका                           | १)  | १७ सिद्धांतकेसर्वीभाषाउदाहरणसह.          | ३)  | २६ दुसरापुस्तकभाषाअर्थ                  | १)  |
| ९ गरुडपुराणभाषाटीका                        | १)  | १८ तारावृष्टीगर्भग्रहणसंभान्डी.          | ३)  | २७ तीसरापुस्तकभाषाअर्थ                  | १)  |
| १० कार्तिकमाहात्म्य पद्मपुराण-<br>भाषाटीका | १३) | १९ बृहज्जातकभाषाटीकानेष्टक<br>मंसहित     | ४)  | २८ डिक्शनरी कोशहिंदुस्थानी<br>भाषाअर्थ. | १३) |
| ११ चतुर्थीकथाभाषाटीका                      | १३) |  |     | २९ न्यायकाकायदादियानीफोजवारी            | १३) |

पुस्तक मिलनेका ठिकाना- पं० पुष्करलाल गंगाधर कालकादेवीरस्ता तमारबुदुकान. मुंबई

अथ अनुक्रमणिकाप्रारम्भः

| विषयानुक्रमणिका   | पत्र | विषयानुक्रमणिका                 | पत्र | विषयानुक्रमणिका          | पत्र | पत्र |
|-------------------|------|---------------------------------|------|--------------------------|------|------|
| गणकशीमूलम्भोक्त   | १    | अंतर्दशाप्रमाण                  | २    | अथनांदाउदाहरणं           | ४    | १३   |
| गव्यादिचालक       | १    | योगिनिदिशांतर                   | २    | चरकरणेकाउदाहरणं          | ५    | १३   |
| नतप्रमाण          | १    | इतिनतविचारः                     | २    | लक्षस्मृदउदाहरण          | ५    | १५   |
| भुजकरणं           | १    | उच्चरश्मिप्रमाण                 | २    | ननकरणेकाउदाहरण           | ५    | १७   |
| भौमादिचालकं       | १    | नीचउच्चग्रहाः                   | २    | भावकरणेकाउदाहरणम्        | ५    | १७   |
| अथनांदाः          | १    | विद्यार्थिगणितम्                | २    | युनः नतकरणेकाउदाहरणम्    | ६    | १८   |
| दिनान्द्विविधिः   | १    | जन्मचक्रचलितचक्रं               | ३    | प्रशान्तीप्रमाणजन्मकालका | ६    | १८   |
| लक्षकरवाकी विधि   | १    | वृत्तद्विद्याकांतरकोष्टक.       | ३    | मृतकचिंजीविजन्मप्रमाण    | ७    | १९   |
| त्यदेदीचरवृंदा    | १    | ग्रहस्पष्टनय.                   | ३    | जन्मपञ्चीदरवर्षकांश्लोक  | ७    | १९   |
| काश्चाचरवृंदा     | १    | दादशाभाषस्पष्टा                 | ३    | ग्रहाणाफलानि             | ८    | १९   |
| त्यदेदीयलक्ष      | १    | अथमहादेवीलघुउदाहरण              | ३    | प्रथमंरविफलं             | ९    | २०   |
| लंकोदयलक्ष        | १    | मुद्दिशाकांतर                   | ३    | चंद्रफलम्                | ९    | २०   |
| लक्षस्मृद्विविधि  | १    | यारदशद्विशाकांतर                | ३    | श्रीमफलं                 | १०   | २०   |
| भावचतुर्धनदि      | १    | नयग्रहाः मुद्दिशाकांतरउदाहरणं   | ३    | बुधफलं                   | १०   | २०   |
| चंद्रस्पष्टकरणं   | १    | सूर्यस्पष्टउदाहरणं              | ४    | गुरुफलं                  | ११   | २०   |
| योगिनिदिशाप्रमाणं | २    | चंद्रस्पष्टउदाहरण               | ४    | शुक्रफलं                 | १२   | २०   |
| अथअष्टोत्तरीदिशा  | २    | श्रीमादिपंचग्रहाः स्पष्टउदाहरणं | ४    | शनिफलं                   | १२   | २१   |

| विषयानुक्रमणिका           | पत्र | विषयानुक्रमणिका           | पत्र | विषयानुक्रमणिका            | पत्र |
|---------------------------|------|---------------------------|------|----------------------------|------|
| शुद्धिकरादिफल             | २१   | अष्टौ अंतरचक्रं           | २४   | वर्षकी दृष्टि मूलश्लोक     | २७   |
| धनराशिफलम्                | २१   | अथ तात्कालिक भौतचक्रम्    | २४   | वर्षगता दृष्टि श्लोक सारणी | २८   |
| मकराशिफलम्                | २१   | अथ दृष्टि मूलश्लोक        | २४   | ग्रहपक्षे मास मयेदा        | २८   |
| कुम्भराशिफल               | २१   | जन्मचक्रे दृष्टिचक्रम्    | २४   | उच्चनीचग्रहचक्रं           | २९   |
| मीनराशिफलम्               | २१   | अथ विंशोत्तरी दशाचक्रम्   | २५   | भौतचक्रं वर्षको            | २९   |
| अथ षड्वर्गचक्रम्          | २२   | नक्षत्रचरमास संख्या       | २५   | द्रव्याणचक्रं              | २९   |
| होरा द्रव्याणसंज्ञा नवांश | २२   | अथ विंशोत्तरी दशावाहन     | २५   | अयनवांशचक्रं               | ३०   |
| द्वादशांश अयंवांश         | २२   | विंशोत्तरी दशाफलं         | २५   | हरापंचचक्रम्               | ३०   |
| अथ विंशोत्तरी दशाचक्र     | २३   | अष्टोत्तरी दशाफलम्        | २५   | बृहस्पंचीवर्गविल           | ३०   |
| अष्टौ अंतर दशाचक्रम्      | २३   | योगी दशाफलं               | २६   | हीनांशा पात्यांशा उदाहरण   | ३१   |
| अथ अष्टोत्तरी दशाचक्रं    | २३   | जन्मकाल वर्षगणित संख्या   | २६   | अथ मूक प्रभचक्रम्          | ३१   |
| अष्टौ अंतर दशाचक्रम्      | २३   | उदाहरण वर्षको गणित संख्या | २७   | प्रश्नधातु मूलजीव संख्या   | ३१   |
| अथ योगी दशाचक्रम्         | २४   | दिवापतिसात्रिपति संख्या   | २७   | अवधि मुरवारो हाराणी        | ३२   |

इति महादेवी सां अनुक्रमणिका स्त

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ मधोर्गतास्ते रव्युणोर्विनिम्ना युक्तातिथिभिर्गति संख्यकाभिः । शुद्धोन्वितां षष्टिविभागही-  
नागणो भवेद्द्वर्षपतेः सकाशात् १ गणादधष्टघटी निवेश्य वर्षदानाडीरहिता विधेया एवं गणसावये च प्रसाध्य शक्रे स्व-  
तस्यादवधि प्रमाणं २ पृथग्गणो वर्षपवारयुक्ता सप्तावशेषं विपूर्वकस्या न्यूनाधिकं चेद्विंशोर्द्विकं च सैको निरेक-  
स्तुधिया विधेयाः ३ यदा गणाः सावयव प्रसाध्य गणादधस्वष्टघटी निवेश्य युतोन्वितास्वेक्य धनं एनाड्या वर्षे शना-  
डीरहिता विधेया ४ एवं भवेत्सावयव गणोस्मिन् शक्रे हतं स्यादवधेः प्रमाणं नगाल्पदोषे धनचालकस्यान्तर्गाधिको-  
सीमनुतो विशोध्यः ५ तदा विधिदं त्रयुतो विधेय नगाल्पदोषे कुयुतो त्रयमानं ६ तत्रेष्टघटिका वृद्धो चालको धनसं-  
ज्ञकः अष्टपस्य घटी वृद्धो अणारव्यो चालक क्रमात् ७ दिनार्धेद्युगनस्योन्नं रात्रिदोषं गतं युतं द्विदले प्राक् परंत-  
त्र नतं त्रींसो नमुन्नतं = इति नत न्यूनं भजस्या अधिके नहीनं भाद्वं च भाद्वं दधिकं विभादं नवाधिके नो न्युत्पत्य म-  
कं मंच भवेच्च कोटि त्रिग्रहं भुजोन्नं ९ इति भुजकरणं गणं शक्रे भक्तं फलं चैकयुक्तं यदा दोषकं सप्ततो हीनकं च-  
त्यजेदष्टपात्रेष्टवारादिकं च भवेच्चालको वारपूर्वो धनारव्यं १० गणं शक्रे भक्तं फलं चैकयुक्तं यदा दोषकं सप्ततो वद्धमा-  
नं त्यजेदष्टपात्रेष्टवारादिकं च भवेच्चालको वारपूर्वो अणारव्यं ११ इति भीमादि चालकं अथ दारा विद्युगो रहितः  
शको व्यपहृतः रवरसै रयनां शका मधुसितादिकमारयुतं हतं दारपलै रस्महितं कुरु सवदा रवरयविद्यद्भुजवेद -  
४८००० मितकलादिन गतिरवलुसर्वघटी हता १२ इत्ययनां शाः अथ नयुतलयाको दहुराशो स्तक संख्या चर

सकलयुतिश्चात्पुक्तखंडांघातात् गगनगुराविभागोयुक्तरस्याञ्गुणास्व्यं भवतिहचरसूर्याद्गोलयोस्तत्पला-  
 द्यं १३ इतिचरपलयुक्ताविहीनाश्चरनाडिकाभिः पंचेवु३५ नाड्याक्रमशोभवेतां द्युरात्रिरवडेखलुसौम्यगेर्केया  
 म्येनघातेपरिकल्पतःस्तुः १४ इतिर्दिनार्धविधिः तात्कालिकोर्क्येनभागयुक्तस्तद्गोचभागेरुदयोहतश्च रवा  
 ३००युतश्चरभिग्न्यकालंविशोध्येदिष्टघटीपलभ्यः १५ तदग्रतोराशुदयांश्चशोधमन्नुद्धत्तुस्वान्नि ३०गुणं  
 लवाद्यं अन्नुद्धत्तुवैभुवनैरजाद्यैर्युक्तं तनुस्यादचनांदाहीनं १६ स्वदेशीचरखंडा ५३ ४३ १८ कादयांचरखं  
 डा ५७ ४६ १९ स्वदेशीलम्न मे२२५ वृ२५६ मि३०५ क३४१ सिं३४२ क३३१ तु३३१ वृ३४२ ध३४१ म३५  
 कुं२५६ मी२२५ लंकोदयः मे२७८ वृ२१९ मि३२३ क३२३ सि२९९ क२७८ तु२७८ वृ२९१ ध३२३ म३३३ कु२९९  
 मीन२७८ मेषादिउत्तरेगोलंतुलादींदक्षिणे स्मृतः अग्रनंमृगकर्कादिषड्राशिर्हिरवोचदेत् इतिलम्नस्यष्टविधिः  
 लभंतुर्यात्तुर्यमस्तात्विशोध्यंतत्पष्टांशंपंचवारंप्रदधात् ॥ लभंतुर्येसंधियुक्ताषडेतेषडभिर्युक्ताः संधिभावाभावं  
 ति ॥ ३७ ॥ लभंतुर्यत्तिहिवककलत्रात् इतिभावचतुर्थशुद्धिः ॥ आश्विन्याद्दुधुक्ताभिर्भाषिष्टिहतानिच ॥ स्वशुक्त  
 नाडीसंयोज्यं द्विधनंदहृतत्रिधा ॥ १८ ॥ इतिचंद्रमष्ट ॥ गतषष्ट्याचंद्रकीगतिकरणविधिः ८०० यामै ६०गुणा भाग  
 २७ शेष६० भाग२७ फल२ गति होय ॥ स्फुटतरोहिमगुःकलिकारमकः खरवर्गजै ८००विभजेद्रुतत्रक्षकं ॥ तदु  
 दुमासगुणाचदिनादिकंखरवर्गजै ८००विभजेत्फलवद्दशा ॥ १९ ॥ इतिगजदशांतरज्ञेयं ॥ चंद्रकेद्रध्रुवोकार्योभिजघ-  
 रव्यादि

द्योदयेरधि तौयुक्तोनिजकोष्ठेषुयावत्कोष्ठमिति भवेत् ॥२०॥ इतिचंद्रस्यस्पष्टकरणं ॥ स्वभ्रमक्षेपिनाकनयनंरस-  
 योज्यंयसुभिहरेत् शेषंचयोगिनीक्षेत्राभूयपातेअसंकटा १ मंगलापिंगलाध्वान्याफ्रामरीभद्रिकातथा उत्क्रान्ते  
 यतथासिद्धासंकटात्त्वतथाक्रमान् २ पिंगलेद्रोभवेत्सूर्योमंगलायानिद्राकूरः भ्रामरीद्रोभवेद्भौमोभद्रिकायाः  
 पतिर्बुधः १ धान्यापतिः सुर्युरुःसिन्ध्यायामार्गविपतिः उत्क्रायाभानुतनयः संकटायास्तमस्मृतः २  
 नृप्रक्षेप्योराशिमिकादशांदाकाः ततः कलाः प्रकर्तव्याअफ्रांवरगजैर्मजेत् १ लब्धंनक्षत्रराशिस्तुयसुभिर्भागमा-  
 हरेत् शेषादयंकमानेनभुक्तंयोगिनकादशा २ शेषंकलादिचक्रेणगुणिताष्टशैर्मजेत् भुक्तवर्षादिकंक्षेयंशो-  
 बभोग्यंप्रकीर्तिनं ३ शेषमष्टशताताज्यंनिजचैप्रताडितं भुक्तस्पष्टशैर्भोग्यंएवंक्षेयंविचक्षणीः ४ अथअ-  
 ष्टोत्तरीदशाराभुक्तभोग्यविधिः आर्द्राधारविचत्वारिमघादौत्रीणि सोमयोः हस्तचत्वारिभौमस्यअनुराधातृती-  
 यंबुधः पूर्वाचशानिचत्वारिधनिष्टातृतीयंगुरुः उत्तराचत्वारिराहोः कृतिकातृतीयंभृगुः १ आदित्येषड्वयवर्षाणि सोमेपं  
 चैवदास्तथा भौमेचैवाष्टवर्षाणि बुधेसप्तदशस्तथा शनैश्चरदशाब्दानिगुरोर्एकोनविंशतिः राहोर्द्वादशवर्षाणिशुक्रेच  
 एकविंशतिः २ इतिप्रमाणंअथभुक्तभोग्य स्पष्टतरोहिमंगुःकलिकात्मकः स्वस्वंगजैर्विभजेद्भूतभ्रमक्षकः तदुडुमासगुणं  
 चदिनादिकंरवरशसंनिहतंफलचदशा १ इतिभुक्तभोग्य अथांतर दशादशाहताकार्यानिर्दिभगिसमाहरेत् सांध्य-  
 तरदशाक्षेयालब्धमासदिनक्रमान् १ अथयोगिन्यंतरमाह दशादशाहताकार्याविहृद्भिर्भागसमाहरेत् सांध्यंतरद-

शाश्वतलब्धसासदिनक्रमात् २ रात्रिशेषे गते वापि दिनाद्धनयुतं नतं दिनाद्धे दिनजातोन्ननतपूर्वततः परं १ अर्धरात्रिपरं यावत् दिनमध्याह्नतं भवेत् रवेः पूर्वकपालंच तदुद्धृष्टं पश्चिमोन्नतं २ इति नतविचारः नीतो न्निता स्पष्टतरे ग्रहेऽप्यङ्गमाधिको मंडलतो विज्ञोऽप्य रात्री पुररूपद्विगुणालयाद्या भवेन्मयूषा फिल उच्चरदिमः १ रात्रिमेतुनीचननिक श्रुतो रात्रीमे १२ मेलकरकाडजे ॥ अजवृषमृगांगनाकुलराझवयिजीचदिवाकरादितुंगा दश १० शिस्वि ३ मनुयुक् ३८ तिथीद्रियादौ ५ स्त्रिनववक २७ विंशतिभिश्च तेश्वनीचा २ ग्रहनीच सू ६ १० चं ७ ३ मं ३ २८ बु ११ १५ गु ९ ५ वे ५ २७ शा ० २० ग्रहउच्च सू ० चं १ मं ९ बु ५ गु ३ शु ११ डा ६

| जन्मचक्रम् |      | चलितचक्रं |        |
|------------|------|-----------|--------|
| ४          | के २ | ५         | २३     |
| ३          | १    | ५         | के     |
| ६ मं       | १२   | गुं ६ मं  | १२     |
| ७          | ११   | ७         | रा ९   |
| ८ रा बु    | १०   | ८         | सू. बु |
|            |      |           | चं १०  |

संवत् १८८२ शके १७४७ कार्तिक वक्रके ६ सोमेष ३३२० पूर्वाषाढा ४०/७ शुद्धि कार्कगतांशा १ लग्नस्पष्ट २४/१३२ गण २१ ५ सायवगण २१५ रव्यादिवालचा धनं १४/३५ सौमादि ५१४/३५ अवाधि १६ अयनांशा २१४२४० चर ८५ सूर्यस्पष्ट ० ३७/३६ सायनार्क ७/२२/२०/१६ दिनार्थ १३३५ दिनमान २७/१० रात्र्यर्थ १६ २५ रात्रिमान ३२/५० रविभोग्यकालः ८७ २० ५ २८ ४८ लग्नस्पष्ट २ ८ १५ १६ दशमो रविभोग्यकालः ७६ २२ ० ३२ दशमभाव १० २५ ५६ ४८ नत १९ ४५ पञ्चम पक्षांश ० १२ ५६ ५५ ३०



| अथ गृहीजाकांतर २५ युक्तं |       |       |         |    |    |    |    |    |     |
|--------------------------|-------|-------|---------|----|----|----|----|----|-----|
| ग्राह                    | आद्यप | नेत्र | केन्द्र | म  | कु | गु | शर | ग  | रा. |
| २५                       | ५     | १०    | ११      | ३५ | १५ | १० | २६ | १० | १   |
| १९                       | १०    | ३     | ३५      | ३५ | ३५ | १३ | ४९ | ५० | ५०  |
| ३३                       | ४५    | ४०    | ५०      | ४४ | १९ | २  | २१ | २१ | ३०  |
| २०                       | २०    | ३२    | ३५      | २० | ०  | ३१ | ३  | १३ | ५०  |
| ४०                       | ५५    | ०     | ३६      | ३७ | ३६ | ४९ | ४२ | २४ | ५०  |

| अथ नवग्रह स्वस्व |    |    |      |    |    |    |    |    |  |
|------------------|----|----|------|----|----|----|----|----|--|
| सू               | नं | मं | वृ   | शु | भु | वा | रा | के |  |
| ०                | ०  | ५  | ७    | ४  | ५  | १  | ७  | १  |  |
| ३७               | २५ | २७ | ३२   | १५ | २  | १५ | २९ | २९ |  |
| ३६               | ३० | ३३ | ३४   | ५३ | ५३ | ४८ | १५ | ५५ |  |
| ६०               | ५६ | ३५ | १०१  | ८  | ७३ | ४  | ३  | ३  |  |
| ४१               | ३० | २३ | (४६) | ४८ | २६ | १८ | ११ | ११ |  |

| अथहादवभावाः |    |    |    |    |     |     |     |     |     |
|-------------|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|
| १           | २  | ३  | ४  | ५  | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  |
| १           | २  | ३  | ४  | ५  | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  |
| १५          | १६ | १७ | १८ | १९ | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  |
| २५          | २६ | २७ | २८ | २९ | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  |
| ३५          | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४०  | ४१  | ४२  | ४३  | ४४  |
| ४५          | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  |
| ५५          | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  |
| ६५          | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  |
| ७५          | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  |
| ८५          | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९०  | ९१  | ९२  | ९३  | ९४  |
| ९५          | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ |

श्रीगणेशायनमः ॥ अथमहादेवीकोउदाहरणालिरव्यने गत  
वर्षकाअब्दपमध्ये १ १५ ३१ युक्तं तदाआगलोअब्दपआ  
आगलीअवधी आर्वेपेलीतोशुद्धिकाडजे पीछाअब्दप  
माददेरपांचभहताई घटीकाडजे शुद्धीकाडवाकी विधिजो  
रला आंक माडजे, पीछाअंतरचीसकोसदाइहें अंतरजो

॥ गतवर्षिकी व्यवधिमध्ये ११ ३ ५३ २२ ६० युक्तं तदा आगली अवधी आर्ये पेलीतो शुद्धिकाडजे पीछा अच्यप्य काडजे पीछा चंद्रकाडजे पीछा केंद्रकाडजे पीछा मंगलने आदर पांचमहताई घटीकाडजे शुद्धीकाडवाकी विधिजो शाकाको जन्म होय जो साको पानामे देवजे पीछा आकातरला आंक माडजे पीछा अंतराची स्मको सदाइहें अंतर जो

डेजरसो जोडजे, ६० को भाग ४० जाको दीजे माथे भाग ३० को दीजे, तो शुद्धी आवे चाके १७४७ होय तो १७४० का नीचला अंक ६ ४० ३२ १६ जीमें सातको अंतर जोडया १७४७ को होय जदी सातका अंतर नीचला आक माडजे १ ४८ ३९ २९ याने साकानीचला आकने भेला जोडजे पीछा भा ६० को दीज्ये माथे भाग सातको लीजे शेष रहजीमे अब्द पूकहीजे असीतिरे सुचंद्रकेंद्र के रजे रात्रिके भाग १२ को दीजे अंशके भाग ३० को लीजे कलावि कलाके भाग ६० को लीजे चंद्रकेंद्रमें तो राशि अंश कलाविकला होय छ असीतिरह सुग्रहकी दृष्टया काडजे. नीचे ६० सातको भाग दीजे माथे भाग सातको दीजे तो घटी आवे पछगणकीजे कि विधि छुनै अरु १ सुदी पड याथी काती ताई मीनागयाहे जो ८ ने ३० गुणाकी सुद पडवार्थति थिगइ ३ जो जोडजे पछ शुद्धी परी काडजे पीछा दीयजगा माडजे पीछा येकजगा सातको भाग दीजे भाग आवे जो दुजिगगा मांडया ज्यामे सुपरो काडजे तो गरा होय पीछा दीयजगा मांडजे एकजगा अब्द पजोडया पीछा सात ७ को भाग दीजे शेष रहसो चार कहिये या विधि गरा होय पीछा सारये वगण करणी गरा निछइ छ घटी ३३ २० जो होवे जो मांडजे अब्द कनिनाडी कहता घटी पलइष्टम सुकाडएो इष्टम सु नहीं निकल तो गरा ने गठावजे घटेजीको स्यात करजे जीमसू अब्द पकी घटी काडजे शेष रहजीने इष्टम जोडजे तो रव्यादि चालक होय पीछे भीमादि चालक करणी गएके १४ चवदाको भाग वेणो भाग आवे जीने अवधी कहणी शेष आक १४ को भाग वेता सात सुअो छारहतो अवधीमें एक जोडज्ये चाल-

कनेधनकहजे सातसुवदता आकरहतो चवदामेसु सोधजे सगलानेअवधीमे २ दोयजोडजेचालकरण  
 कहजे ॥ अथसूर्यस्पष्टकरवाकीविधीछे जतराकासावयवगएहोय जतराआकसूर्यसारणीमेदेवजे जीतेला  
 आक माडजे आकानिचलीगतिमाडजे गतीनेरव्यादिचालकसुगोसुभीकापरगुणजेफलदोय २ सदाधनकी-  
 जेतोस्पष्टहोयः ॥ अथचंद्रविधिः ॥ साचेवगणनीचलाआकपाटेमाडजे झाकादिचंद्रमेचंद्रकाजोडजे केंद्रमें  
 केंद्रकाजोडजे पीछा रव्यादिघटीहोय जतराघटीनीचलाआकचंद्रमें जोडजे केंद्रका केंद्रमें जोडजे पीछाकें  
 द्रकीरावी अंशसारणीमेदेखजेजीनीचलोमंदफलमाडजे मंदफलनीछे अंतर रहजो अंतरनेकेंद्रकीकलाविकाला  
 सुगोमूत्रिकासुगुएजेफलएकलीजैमंधफलधनहोवेतो अंतरतोफलरएकीजें मंदफलअए होवेतो अंतरफ-  
 ल मंदफलमेंधनकीजे मंदफलनेचंद्रमेंधनहोयतोधनकीजेअएहोयतोअणकीजे तोस्पष्टचंद्रहोयः ॥ अथ-  
 भौमादि स्पष्टकरवाकीविधिः ॥ प्रथमतोघटीजितरीआवेजतराघटिकोपानेदेवजे पीछापानामें अवधिसताइस २७  
 होय ज्यामाहेलीजोअवधिआवेजणीअवधीनिचला आक तीनमाडजे चौथीपूरणसदाईलीयजे एग्रहनिग्र-  
 हांतरहैजीनेगा मूत्रिकामेगुएजेसाठसुवदता होवेतो साठकोभागदीजैपीछाघटियादिचालकसगुणजे फल २  
 लीजै सदैव अहांतरधनहोयतोअवधिनिचलाआकामेंधनकीजे अएहोयतोअणकीजे जेपीछागतिनद्वन्धा-  
 दिचालकसगत्यांतरनगोमूत्रिकासुगुणजे फल ९ येक लीजेगत्यांतर धनहोवेतोगतिमेंधनकीजे अणहोय

तोगतिमें अराकीजे तोगति स्पष्ट होय पीछा स्पष्ट गतिने भी मादि चालक सुगो मूर्त्रिकाये गुण जं फलतीन ३ लीजे  
 चालक धन होय तो ग्रहमे धन की ज्ये अरा होय तो अरा की जे तो भी मस्पष्ट होय अरा तीतर हसू बुध वृहस्पति शुक्र श  
 नि ए च्यार ग्रह मंगल की नइकी जे अथायनां द्राविधिः जो साका मे जनम्यो होय जो साकामें सु ४४४ च्यारसे चुमा-  
 ली सकाडजे वाकी रह ज्याके ६० को भाग दी ज्ये लब्ध आवे जनि उचा माडजे वाकी रह जीने लब्ध आवे ज्यो नीछा  
 माडजे पीछा चेत सुद पडवा थी कया होय तो भी नामी नाकी पांच पांच पल जोडजे वाकी दिन वदतो छ दिन की ये कप  
 ल जोडजे तो अयनां श होय पीछे अयनां शने सूर्य स्पष्ट मे जोडजे सो सायनां की होय. अथ चरकरवा की विधि छे  
 सायनां की सूर्यको भूजकरजे तीन ३ राशी सूँ अओ छाहुवे तो योही ज भुजरावजे तीन ३ सुं वधता होय तो छ ६ सूं  
 सो धजे छसूँ अधिक होय तो छेती सो धर्णां नो सु अधिक होय तो वाराम सु सो धर्णां पीछा शेष रह जी की आ  
 दिराव जे पूर्ण रह तो ५३ सु दोष आकाना गुण जौ १ वधतो ४३ सु गुण जे २ वधतो १८ सु गुण जे नीछे भाग साठ ६०  
 को दीजे उपर ३० को तीस को दीजे भाग आव जी निरोगी ग्यमें जोडजे जो चर होवे पूर्ण राशि छोडकर अंशादि क्षोग्य चर  
 रंवा थी गुण जे भाग ६० उपर ३० आवे सो भुक्त चर रंवा मध्य युक्त सो इ चर पल ६० उपर होय तो ६० भाग छे घ  
 डी की जे दोष पला भूको भुज हुवे तो ५३ सु गुण जे भाग आवे जिन चर कहणी साठ सु वदति होय तो साठको ६० भा-  
 ग दीजे लब्धने तो १५ मे जोडजे दोष रह जी नि पूर्ण मे जोडजे मे वादि उत्तर गोल हुव तो जोडजे दीनार्द्ध होय तुलादि

गोलहोवेतो जोडजे रात्राई होय. दिनाईको दुष्टाकी जो दिनमान होय रात्राईको दुष्टाकीजे रात्रिमान होय. स्पष्ट  
सूर्य अथनयुक्त करणो पाछे तीस ३० मेथी पाडजे रया ज्यान उदय लग्न की स्वदेशी पलासूं गुष्टाकीजे तले दोय २  
के भाग ६० लीजे उपरभाग ३० लीजे आवे सो रविभोग्य काल कहीजे तेला दुष्टाकीजे पाछा जन्म इष्ट घटी की  
पलांकीजे पलां जोडजे जरी मांथी रविभोग्य परोकाडजे तेला वीकाडजे दोष रहा ज्या मेथी अगडी काल ग्ना  
की पलासो ध्या जावजे नहीं सुदेजीने अशुद्ध राखजे सो धत्ता आकर स्थाजाने ३० गुष्टाकीजे तेला जोडजे अशुद्ध  
मकी पलांकी भागलीजे दोष रहते ६० गुष्टाकीजे अशुद्ध को भागलीजे फल तीन लीजे तीन फल आया जरी मांथी  
अथनांदा पराकाडजे नहीं निकलतो राशी छटाकर काडजे लभ्य स्पष्ट होय दशम भावकीजे जदी रविभोग्य तो पेलीकी  
सीनाई करणो उदय लग्न सूं गुष्टा करणो सो लग्न मे तो स्वदेशी पलासूं करणो दशम करणो जदी लंको दथ पलां सूं गु-  
ष्टा करणो उपरभाग ३० को लीजे सो रविभोग होय तेला दुष्टाकीजे पाछे नत पछिम होय तो नत की घडी की पलां क-  
री रविभोग्य सो धजे नत पूर्व होय तो नत में ३० मेथी पाडजे सो उन्नत होय उन्नत की घडी की पलां करी रविभोग्य सो  
धष्टो दोष मेथी लंको दथ लभ्य की पलां सो ध्या जाजे नहीं सुद्ध सोही अशुद्ध राखजे दोष ३० गुष्टाकीजे अशुद्ध  
ग्ना पलांकी भागलीजे लग्न की धो जरी प्रमाणाकीजे सो नत पछिम होय तो आथो सो दशम भाव जाएजे नत पूर्व हो  
यतो आथो सो चोथो भाव जाएजे ॥ अथ ननकरने की विधि ॥ मध्यान्ह पेली जन्म होय तो इष्ट घटी दिनार्ध मेथी

हीनकीजे शेष पूर्व न होय मध्यान्ह पीछे जन्म होय तो इष्ट घटी माहेथी दिनाह्दीनकीजे शेष रहसो पश्चिम न होय  
 अर्द्धरात्रिपेळी जन्म होय तो रात्रिगत घटी दीनाह्दी माहे जोडजे सो पश्चिम नत जाणजे अर्द्धरात्रिउप्रांत जन्म होय तो शेष  
 रात्रिघटि दीनाह्दी माहे जोडजे सो पूर्व न होय पूर्व नत होय तो अणपश्चिम नत होय तो नतधन मध्यान्ह समये नत पू-  
 र्ण ० ते सूर्य स्वष्ट ते ही दशम भाव जाणजे अर्द्धरात्रि समये नत ३० तदा स्पष्ट सूर्य मध्ये ६ राशि युक्त कीजे ते दशम  
 भाव जाणजे पूर्व नत के तो उन्नत उपर भाव कीजे ते चतुर्थ भाव होय पश्चिम नत वहे तो नत उपर भाव कीजे तो दशम भा-  
 व होय नत नै ३० मांथी पाडजे तदी उन्नत होय लग्न कीजे तो स्वदेशी थी कीजेः भाव कीजे तो लग्न को दय पलांथी की-  
 जे गुणु जी इति भावः चोथा भाव मेथी स्पष्ट लग्न पाडिजे शेष रहस्यार्क भाग ६ को प्रथमतो पूर्ण आवे पीछे  
 ३० गुणा ते लग्नोड भाग ६ फेर ६० गुणा भाग ६ फल ५ लीजे जीने पडांश कीजेः योषडांश आवजे अंक लग्न का  
 अंकां से जोडजे प्रथम भाव की संधि होय संधि मे दंडांश का अंक जोडजे दुजो भाव होय. अणीरी ती जोडतां जाजे  
 चोथा भाव पर अत्र न चोथा भाव को अंक मिले जदिस त्यजाणजे नही मिले तो फेर जोडजे ते षडांश फेर कीजे जदि  
 मिलेः पीछे चोथा भाव मे एकराशि मिलाकर पाछली संधि में मिलाकर चोथा भाव की संधि होय एकराशि फेर मिलाकर  
 तीजा भाव का अंक मिलजे सो पांचमो भाव होय अणीरी ती उपर लाछे ६ इ भाव संधि होय पीछे लग्न मे ६ राशि  
 जोडजे सो तमो भाव होय अणीरी ती उपर ला भाव संधि मे छेछे ६ राशि जोडजे ते लाछे भाव होयः दशम भाव

रात्रिमे ६ रात्रिमिलावजे चोथो भाव होय. लग्नमें ६ रात्रिमिलावजे सातमो भाव होय आद्य संधिग्रहो हीनो गता  
 भावलिरवेहुधः अधिको द्वितीयसंधिः स्यारफलाग्रामी प्रकल्पयेत् १ पहली संधी ग्रह हीन होय तो पीछेले  
 भावजाय संधितथा भावयी ग्रह अधिक होय तो आगले भाव जाय इति चलितः १० इति ल उदाहरणः ॥ भोग्य  
 तोल्येष्टकालात् स्वराभेः हतात् सूयो दया तांशुगुभास्करः स्यात् तनुः अर्क भोग्यस्त  
 मध्यो द्यो भिष्टकालो भवेत् ४ अस्वोदाहरण रात्रि भोग्यकाल थी इष्टकाल ओछो होय तो इष्ट ६० गुणो की  
 जे रात्रि भोग्यनही निकले तो इष्ट घडी की पलां की दीजीने फेर ३० गुणी करणी पाछे सूय स्पष्ट करी रात्रि की पलां की  
 भागलेणो. शेष ६० पलां को भाग फल अंश वि ३ लीजे पाछे स्पष्ट सूय रात्री उपर मे ल एी अंश अंशामें जो डेणा  
 सूय रात्र्यादि लग्न स्पष्ट हुवो ॥ दीनार्द्ध में थी इष्ट घटे तो पूर्व नत इष्ट मे थी दिना र्ध घटे तो पश्चिम नत इति दिन नत इ  
 ष्ट मे थी रात्र्यर्ध जाय तो पूर्व नत रात्र्यर्द्ध मे थी इष्ट जाय तो पश्चिम नत उनत ३० मे थी पाडणी शेष उनत ॥ अथ पल  
 भाः ॥ अवंती थी जतरायो जननगर होय ज्याने ५ गुणा की जे ६ भाग लब्ध एकतरफ मे ल जे शेष ६० गुण भाग ६ फ  
 ल २ पछे २० ६ माहा थी काडी जे दक्षिण पश्चिम तो अण की जे उत्तर पूर्व धन की जे २० ६ भाग ४ २ फल २ लीजे आवे  
 शो अक्षपा जाण जे प्रथम फल ना पादे मांडि जे तीन जाय गा पेला १० गुणी दुजी ठाम ८ तीजी ठाम १०  
 पेला हुवा सो इराव जे दुर्जी जाय गा इगुणा हुवा सो राव जे तीसरी जगा गुणा के भाग न





भाषादीलालंकारधारिणीपनिवृत्तपरायणीकुक्षेपुत्ररत्नमजीजनत् अवकहडाचक्रानुसारेणउत्तराषादान  
 क्षत्रस्याद्वितीयचरणेजन्मतेनजन्मनामचिरंजीवभोजगश्चननामप्रतिष्ठितं राक्षिमकरस्वामीदानिसुसावर्गेमनुष्यग  
 णेगोजायोनीशूद्रवर्णकुंभचक्रजुझायांआद्यानाडीएवमष्टवर्गाः शुद्धाआदौअष्टोत्तरीअमुकदशामध्येजन्मअमु  
 कयोगिनीमध्येजन्म इतिहिलाजिकेफलश्रुतिः श्रीगणेशायनमः अथमृतकचिरंजीवकीजन्मपत्रीदेवयो जन्म  
 लम्बकोअंक अरुटआठमाभुवनकोअंक अरुतात्कालिकलम्बको अंक या३ तीनुहीं आकनएकत्रकरजे ८आ  
 ठगुणाकीजेपछें लग्नेजएीभुवनमेस्थितहोयः जएीभुवनकाअंककोभागदीजे शेषकाअंक विषमरहतो मृत्युजा  
 एजैसमरहतोजीवनकहजै भागोभागउपरतो विरंजीवतजाएजे अथश्रीपुरुषकीजन्मपत्रीजाणवो लम्बरंकोर  
 चेरंकोराहोरंकस्तथैवच संशुक्तस्त्रिहरेन्द्रांगसमेस्त्रीविषमेपुमान् १ अथजन्मपत्रीदिषयाकाश्लोकः एकःशुक्रोज  
 न्मसमयेत्यामसंस्थेचकेंद्रजातोवैजन्मराजोचदिसहजगतेप्राप्यतेवैत्रिकोणे विद्याविज्ञानशुक्तोभवतिनरपतिर्वि  
 श्वविरब्ध्यातकीर्तिर्दानिमानिन्यद्दूरोहयगणायुतोसद्गजैः सेव्यमानः १ तुल्यमेषमीनेवृषेदेत्यपूज्येभवेद्राजमान्याफ  
 लाकोतिकीच त्रीणिपुत्रदाताचिरंजीवीतस्यतदाएकबन्हीयुग्मेकलत्रं २ त्रिभिः स्वस्थैर्षवेन्मन्त्रीत्रिभिरुच्चैर्जना  
 धिपः त्रिभिर्नचिर्भवेद्दासस्त्रिभिरस्तेरितीजडः ३ एकोपिकेंद्रभवनेनपंचमेव भास्वन्मयूरयधिमल्लीकृतदिग्धि  
 भागः निःशेषमयहृत्यद्रुमप्रसूनंदीर्घायुबंधिगतरोगभयंकरोति ४ यदिभवतिचकेंद्रोयामिर्नानाथएवदतिप्रिय

सुभार्थापुत्रिणीरुस्वहृपा धनकनकसमंभ्रमाणिकंहीररत्नंरचयतिहिन्नाभिश्चर्वितांगनराणां १ सम्मानदानगु  
 षपातपरीक्षितोवाकलानिधिः कौशलगीतनृत्ये मंत्रीश्वरोराजसभाविवेकीकेंद्रस्थितेपापविवर्जितेगुरौ ६ एकर  
 वसुराजपुरीधाकेंद्रगोधनवपंचमगोवा लाभगोभषतिचत्रविलम्बेनत्रशोधस्वचरैरवलैकिं ७ धनवान्प्राज्ञःसुरम  
 त्रिवान्दंडनायकःपुरुषः दशमस्थेरवितनयेवृंदपुरग्रामनोतोवा ८ तुलाकोदंडमीनस्थोलभस्थोपिदानिश्चरः  
 तिभूपतेर्जन्यवंदास्यनृपतिर्भवेत् ९ कामेचकन्यैरिपुरं ध्रुसंस्थेकेंद्रेत्रिकोणेव्ययगेचरहः कामीचित्रोचत्त्यांश्च  
 भोगीगजान्धलक्ष्मीर्वहुपुत्रताच १० मृगेसिंहवृषकन्याकर्कस्थेचरहर्भवतिविपुललक्ष्मीराज्यराज्याधिपोवा  
 हयगजनरौकामेदनंपंडिताश्चसभयतिकुलदीपोराहुस्तुंगोनराणां ११ दात्रुस्थानेयदाजीवोलाभस्थानेदाशिर्भि-  
 वेत् गृहमध्यैरजानस्यविरज्यातकुलदीपकः १२ लग्नाधिपोवजीवोवाशुक्रोवायदिकेंद्रगः तस्थपुंसस्यदीर्घा  
 युःसभवेद्गजवल्लभः १३ आदीजीवदानिश्चात्येग्रहामध्यैरनंतरंराजयोगोविजानीयात्कुटुंबवल्लसंयुतः १४ सहज  
 स्थोयदाजीवोमृत्युस्थानेयदासितः निरंतरंग्रहामध्यैराजाभवतिभिम्बितं १५ एकोजीवोयदालम्बेसर्वयोगास्तदाभ-  
 वेत् दीर्घजीविमहाप्राणोजातकोनायकोभवेत् १६ स्वक्षेत्रस्थोयदाजीवोबुधश्रीरीचदाभवेत् तस्यजानस्यदीर्घा-  
 युःसंपदाचपदेपदे १७ सूर्याच्चिनवमेतातश्चंद्रमेताचतुर्थगः भौमस्यतृतीयेभ्राताबुधेचतुर्थमातुलाः १८ गुरौपंच  
 मतपुत्रोभृगुसप्तमतोस्त्रियः शनैरष्टमतोमृत्युयदाकूरोभवेद्यादि १९ द्वाविंशंराविणांचवर्षकथितंचंद्रेचतुर्विंशानि

<sup>३८</sup>अष्टाविंशतिभूमिर्नन्दनमितीति विधेयस्मृतं जीवेषोदशपञ्चविंशतिभृगोः <sup>३९</sup>षट्त्रिंशतिश्रीरीषदेत्कर्मस्यारव  
ल्लकर्ममेव कथितं लग्नाधिपेव तस्मृतं २० लग्नाधेनेषावृक्षश्रीचर्धर्मीनीचग्रहाश्वेति स्थितराजयोगाः षष्ठ्येवेच्छिद्रे  
<sup>३९</sup>गैहीचतुंगेष्टपग्रहे जातमवेदरिद्री २१ भौमेपंचमसप्तमेचनवमे एकादशेचाष्टमेगर्भापातकरोति च प्रसवयो दोषे  
सदापुत्रदा दानताम्रहिरण्यवस्त्रमधिकं रत्नं तथा विदुः सितं रुद्रमुपासितं व्रतकरं पुत्रं फलं लप्स्यते २२ सप्ता  
संगव्याग्रमाणेन नंदयमेतु १२१ संयुता अष्टभिस्तु हरेद्भागं समे पुत्रं विषमे सुता २३ आर्धेव्येन पदयंति न प-  
त्रयंति द्वितीयगे मूर्त्योऽग्रहानपदयंति षष्ठे ज्याभ्याधिकाग्रहाः २४ एकोपि यदि केंद्रस्थो भागवो वा गिरापतिः नव  
मेवासुतस्थाने सर्वा रिष्टं निवारयेत् २५ चतुर्द्वयपिकेंद्रेषु सोम्यापापायदाग्रहाः सोम्ये लक्ष्मीपतिर्विचात्कुरेः पृथ्वी  
पतिर्भवेत् २६ घृगे राशिपारित्यज्य लग्नाभस्थोऽपि बृहस्पतिः करोत्यवश्यं नृपतिर्मेतव परिवातः २७ लग्नस्याधिपतो  
व्यये १२१ निधने तात्कालि मृत्युमदं लग्नं नाथ वलीयदा च शुभगे लग्नाभेथवापंचमे जीवो वासितपंचमे च नयमे पूर्णगु  
रूददयते वालो जीवति निश्चितं मुनिकथं आधुर्वलं दीर्घकं २८ रथिसोम्यभृगुः सोरिचंद्रांगारो बृहस्पतिः राहुर्केतुर्न  
मादानं अभिव्यादिभिकं २९ जन्मलग्नमृत्युस्थाने वर्षलग्ने प्रजापतिः तद्वर्षे हि क्रवं मृत्युर्नात्रिकार्थाविचारणा  
३० लग्नाधिपो वा जीवो वा नृको वा यदि केंद्रगाः तस्य पुंसस्य दीर्घायुः स भवेद्वाजवल्लभः ३१ पापाः पंचमराशौ  
जातं विनश्यति बालः पापासप्तमराशौ द्विभार्थावादे रणोक्तं ३२ लग्ने शो वा सुते शो वा तिष्ठति विषमे यदि तदा

हिजायते पुत्रं समेकन्यामुदाहृता ३३ सन्मुखेदक्षिणेवापि पुत्रजन्मकरो भवेत् वामदक्षिणते दूतेकन्याजन्मच जाय  
 ते ३४ ऊर्ध्वदृष्टिश्च जीवश्च अधोदृष्टिश्च मूलजः धातुश्च सप्तमदृष्टित्वा हृतयेष्टस्य लक्षणं ३५ अस्तंगते भागवि  
 सोमपुत्री निर्घोसितो रात्रिपनिर्यदि स्यात् तदापि योगं मरणं च कष्टं शरीरपीडा मनुजं करोतु ३६ त्रिषडेकादशो राहुः  
 त्रिषडेकादशो दानिः त्रिषडेकादशो भौमः सर्वास्ति निवारणं ३७ दशमस्थो यदा भौमः शत्रुक्षेत्रे स्थितस्तदा म्रियते  
 तस्य बालस्य पिता वीघ्नं न संदायः ३८ एकपापी यदा लभ्रे एकश्चैव रसात्तले जायते हि दिनालाभ्यां स जानकुलदीप  
 कः ३९ रिपुस्थाने च दापापी व्यथस्थाने च चंद्रमाः कुजश्च सप्तमे स्थाने पिता तस्य न जीवति ४० द्वादशोरिपुभार्वच  
 यदा क्रूरान्ययस्थिताः तदा मातुर्भयं विद्याच्चतुर्थे दशमे पितु ४१ उच्चो वायव्यानीचो रसमस्थो यदारविः तदा जानीनि  
 द्न्यानुमातरनात्र संदायः ४२ उदितस्वर्गस्तश्च मित्रगृहस्थितो पिवा मित्रवर्गेण दक्षश्च सग्रहमेतन्मनुसकत्वं  
 विधाति वालं ४३ यदा दानिः सप्तमे वदमसं स्थिते सूर्ध्वेण दक्षश्च आपूतो वा तस्यैव आर्या म्रियते च नूनं सुरवं न चा  
 प्रीति तदा कलत्रात् ४४ लभ्रे हितं विधातुतीये विलभनाथे प्रथमः सुतः स्यात् तुर्यस्थिते स्मिंश्च सुतो द्वितीये पुत्री  
 सुत्रायेति पुरा मकल्यं ४५ भानो रात्रि मयं शशांकमुदके भौमे मृतिस्ताद्युधे रौम्ये कष्टद्वारमहात विषमे रामा च हस्ते गु  
 रुः शुक्रे चांत्यक्षुधा तृपारवि सुते राहो रनचान् भयं सर्वे ते मरणं करोति सततं स्थाने स्थिते चाष्टमे ॥ ४६ ॥ अथ  
 ग्रहाणां फलानि ॥ मूल्यद्वयः पदार्थास्त्रागंते येन जंतूनां तदिदमधुना प्रवक्ष्ये भावाध्यायं विशेषेण ॥ १ ॥ अथ

प्रथमंरविफलं ॥ ॥ सधितरितनुसंस्थेदोशवेव्याधियुक्तोनयनगदसुदुःखीनीचसेवानुरक्तः ॥ नभवतिगृहमे  
 धीदेवयुक्तोभ्रमतिविकलमूर्तिःपुत्रपौत्रैर्विहीनः ॥ १ ॥ धनगतदिननाथेषुप्रदारैर्विहीनः कृदातनुरतिदीनोरक्तनेत्रः  
 कुकेशः ॥ भवनिधनयुक्तोलोहताश्रेण सत्यंनभवतिनवमेधीमानवोदुःखभागी ॥ २ ॥ सहजभुवनसंस्थेपनास्क  
 रोभ्रातृनाशःप्रियजनहितकारीपुत्रप्रदाराभियुक्तः ॥ भवतिचधनयुक्तोर्धैर्ययुक्तः सहिष्णुर्विपुलधनविहारीनाग  
 रीप्रतिनिकारी ॥ ३ ॥ विविधधनविहारीबन्धुसंस्थोदिनेशोभवतिचमृदुवेत्तागीतवाद्यानुरक्तः ॥ समराक्षिरसियु  
 क्तेनास्तिभंगःकदाचित्प्रचुरधनकलत्रपाथिवानांप्रियश्च ॥ ४ ॥ तनयगतदिनेशोदोशवेदुःखभागीनभवति  
 धनभागीयौवनेव्याधियुक्तः ॥ जनयति सुतमेकंचान्यगेहश्चदूरंचपलमतिविलासीभूरकमर्कुचेताः ॥ ५ ॥  
 अरित्रहगतभानोयोगशीलोमतिस्थोभिजजनहितकारीज्ञातिवर्गप्रमोदी ॥ कृदातनुग्रहमेधीचातुमूर्तिर्विलासी  
 भवतिचरिपुजेताकूर्मपूज्योदुर्दांगः ॥ ६ ॥ युवतिभुवनसंस्थेपनास्करेस्त्रीविलासीनभवतिसुरयभागीचं-  
 चलःपापशीलः ॥ उदरसमदारीरोनातिदीर्घानिहस्योकपिलनयनरूपःपिंगकेशःकुमूर्तिः ॥ ७ ॥ निधनगतदि-  
 नेदोचंचलस्यागशीलःकिल्लबुधगणसेवीसर्वशरीरयुक्तः ॥ वितथबहुलभार्षीभाग्यहीनोविद्यालोरातिवि  
 हितकुचैल्लोनीचसेवाप्रवासी ॥ ८ ॥ ग्रहगतदिननाथेसत्यवादीसुकेशीकुलजनहितकारीदेवविभ्रानुरक्तः ॥  
 प्रथमवयसिरीगीयौवनेस्थैर्ययुक्तोबहुतरधनयुक्तोदीर्घजीवीसुमूर्तिः ॥ ९ ॥ ददामभुवनसंस्थेतीव्रप्रा-

नीमनुष्योगुणगणस्करवभागीदानशीलोऽसिमानी ॥ मृदुलघुद्रुक्चिद्युक्तो नृत्यगीतानुरागी स्मनरपतिपूज्यः  
 शीपकालेचरोगी ॥ १० ॥ बहुतरधनभागीचायुसंस्थेदिनेदोनरपतिगृहसर्वीभोगहीनोगुणाक्षः ॥ कृदातनुधन  
 युक्तः कामिनीचित्तहारीभवतिचपलमूर्तिर्जानिचर्गाप्रमोदी ॥ ११ ॥ जडमतिरतिकामीचान्ययोषिद्विलासीविह-  
 गगणविधातीदुष्टचेताः कुमूर्तिः ॥ नरपतिधनयुक्तो द्वादशस्थेदिनेदो कथकजनविरोधी जंधरोगी कृशांगः ॥ १२ ॥  
 ॥ इतिरविभावफलम् ॥ ॥ अथचंद्रफलम् ॥ ॥ तनुगतकुमुदेशेचित्तपूर्णः सुखी स्याद्बहुतरधनभागी  
 र्वाग्र्ययुक्तः संदेही ॥ भवतिचयदिनीचश्रद्धां पापगोवाजडमतिरतिदीनः स्यात्तदाधित्तहीनः ॥ १ ॥ धनगतिह-  
 रिणांकैल्यागशीलोमानिज्ञोनिधिरिवधनपूर्णांचंचलात्मा सुदुष्टः ॥ जज्ञयतिबहुसौख्यं कीर्तिशाली स हिष्णुर्भुव  
 कमलविशालीचंद्रतुल्यस्वत्पः ॥ २ ॥ शशिनिसहजसंस्थेपापगेहेचनित्यं नभवतिबहुभाषी भ्रातृहर्तारिमूर्तिः  
 ॥ भवतिचसुखभोगीसौख्यगेरात्रिनाथे सकलधननिधानं शास्त्रकाव्यप्रमोदी ॥ ३ ॥ बहुतरवरपुपूणीरात्रिनाथे  
 चतुर्थेप्रियजनहितकारीयोपितां प्रीतिकारी ॥ सततमिहसरोगीमांसमत्स्यादिभोगी गजतुरगसमेतः क्रीडतेह  
 म्यपृष्ठे ॥ ४ ॥ तनयगतदाशांकं चित्तपूर्णः सुखी स्याद्बहुतरसुतयुक्तो वदयनारीसमेतः ॥ यदिभवतिशशांकं  
 क्षीणपापारिं हेयुवतिसुखसमूहं पुत्रपौत्रैर्विहीनः ॥ ५ ॥ रिपुगृहगदाशांकं क्षीणतानाक्षाकारं नभवतिबहुभोगी  
 व्याधिदुःखस्यदाता ॥ यदिगृहमथपुंगुः पूर्णदेहः शशांको बहुतरसुखदाता स्यात्तदामानवानां ॥ ६ ॥ विम-

लवपुषिचंद्रेससमस्थेमनुष्योरुचिरसुवतिनाथोकांचनादयः सकदेही ॥ शशिनिक्कुदाशरीरेपापगेपापदृष्टेनभवति  
सुरवभागीरोगिपत्नीपतिः स्यात् ॥ ७ ॥ निधनभवनसंस्थेदशीतरदमौनराणांनिधनमचिरकालेपापगेहेददति  
मिजभृगुरुदेहीसौम्यगेहीचपूर्णेजनयतिबहुदुःखंथासकासादिरीगेः ॥ ८ ॥ नवमभवनसंस्थेदशीतरदमौप्रपूर्णे  
बहुतरसुरवभक्त्याकामिनीप्रीतिकारी ॥ नभवतिधनभागीक्षीणर्गेनीचगोवाविमलपथविरोधीनिर्गुणोमूढचेताः  
॥ ९ ॥ बहुतरधनभोगीकर्मसंस्थेहिमांशोविधिधननिधानंपुत्रदारादिपूर्णः ॥ रिपुकुटिलगृहस्थेकासरोगीकुशा-  
गः पितृयुवतिधनादयः कर्महीनोमनुष्यः ॥ १० ॥ बहुतरधनभागीचायसंस्थेदादांकेप्रचुरसुरवसमेतोदारश्रुत्यादि  
युक्तः ॥ शशिनिक्कुदाशरीरेनीचपापारिगेहेनभवतिसुरवभागीव्याधितोमूढचेताः ॥ ११ ॥ व्ययनिलयनिवेशो-  
रात्रिनाथेकुदांगः सततहिमरारीक्रोधनोनिधिनश्र ॥ निजबुधगुरुगेहेदांतिकस्त्वागद्रीलः कुदातनुसुरवभो-  
गीनीचसंगीसदैव ॥ १२ ॥ इतिचंद्रफलम् ॥ अथभौमफलं ॥ उदरदशनरोगीदोदायेलदमौमेषिभुनमविकृ-  
दांगः पाषाणिकृष्णरूपः ॥ भवतिचपलचित्तोनीचसेवीकुचैलीसकलसुरवसुहीनः सर्वदापापद्रीलः ॥ १ ॥  
धनगतपृथिवीज्जातुवादीप्रवासीभ्रमणधनकृतचित्तोद्यूतकर्तासहिष्णुः ॥ कृषिकरणसमर्थोविक्रमेल्-  
ग्नचित्तः कुदातनुसुरवभागीमानवः सर्वदैव ॥ २ ॥ सहजभुवनसंस्थेभूमिजेष्वातृहर्त्ताकुदातनुसुरवभा-  
गीतुंगभौमोधिळास्त्री ॥ धनस्करवपाहीनोनीचदाभ्रच्छगेहेवसतिसकलपूर्णमिंदिरकुस्मितेच ॥ ३ ॥ जडमति

रतिदीनांबंधुसंस्थेचभीमेनभवति कुलमार्गे वंधुर्दीप्तिनहुः रवी ॥ भ्रमनिसकलदेशोर्नीचसेवानुरक्तः परवदापरा  
रोलुब्धचिन्तः संदेह ॥ ४ ॥ तनयभवनसंस्थोभूमिपुत्रोमनुष्याभवतितनयहीनः पापशीलोतिदुः रवी ॥

अहतुंगेवर्ततेभूमिपुत्रः कृतकमलनिकेतं पुत्रमेकंदक्षति ॥ ५ ॥ रिपुगृहगतभीमे संगरे मृत्युभागी सुतधनपरिपू-  
र्णातुंगेसौख्यभागी ॥ रिपुगणपरिदुष्टे नीचगेक्षोणिपुत्रे भवति विकलमूर्तिः कुत्सितः क्रूरकर्मा ॥ ६ ॥ मुनिगृ-  
हगतभीमे नीचसंस्थेरिगे हेयुवतिमरणदुःखं जायते मानवानां ॥ मकरगृहनिजस्थेनान्धपत्नीश्रयं धत्ते चमलपति  
विद्यालुदुष्टचेताविरूपां ॥ ७ ॥ प्रलयभवनसंस्थे मंगलेक्षणी नीचे व्रजति निधनभावं नीरमहये मनुष्यः ॥ धनक-  
नकचरार्कः सर्वदा चैवमोर्गाकरपदगसुनीलो मृत्कलोकं प्रयाति ॥ ८ ॥ नवमभवनसंस्थे क्षोणिपुत्रेति रोगी नयन-  
करदरारिः पिंगलः सर्वदैव ॥ बहुजनपरिपूर्णाभाग्रहीनः कुचैल्लोकलजनस्त्वेषी दीप्तिविद्यानुरक्तः ॥ ९ ॥  
दशमगतमहीजे दांतिकः कोशहीनो भिजकुलजयकारी कामिनीचिन्तहारी ॥ जठरसमदारीरो षड्भूमिजीवोपकोपी  
द्विजशुरुजनभक्तो नानिचीनहृत्स्यः ॥ १० ॥ सुरजनहितकारी चायसंस्थे च भीमे नृपद्वयगृहमेधी पीडितः को-  
पपूर्णः ॥ भवति च यादितुंगे लोकसो भाग्ययुक्तो धनकिरणयुक्तः पुण्यकामार्थलोभी ॥ ११ ॥ परधनग्रहणे-  
च्छुः सर्वदा चंचलाक्षत्रपलमतिविहारी हासयुक्तः प्रचंडः ॥ भवति च सुखभागी द्वादशस्थे च भीमे परयुव-  
तिविलासी साक्षिकः कर्मपूरः ॥ १२ ॥ इति मंगलफलम् ॥ अथ बुधफलम् ॥ तनुगतशशि



पुत्रेकांतिमांश्चातिहृष्टो विमलमतिविशालः पंडितस्त्यागशीलः ॥ मितमृदुदुचिभागी सत्यवादी विशालीबहुत  
 ररुरयभागी सर्वकामप्रचारी ॥ १ ॥ भवति च पितृभक्तः सुस्थितः पापभीरुमृदुतनु रवररोमादीर्घकेशो तिगोरः  
 धनगतशशि सूनौ सत्यवादी सुहार्बहुतरयसुभागी सर्वकालप्रचारी ॥ २ ॥ साहस्री निजजनैः परियुक्तश्चिन्तय  
 क्षुरहितो हतसौरभ्यः ॥ मानवः कुशतहितकर्ता शितभानुतनये नुजसंस्थे ॥ ३ ॥ बहुतरधनपूर्णा भ्रातृहर्ता च  
 पापे बहुतरबहुपत्नीपूर्णगोहेस्यतुंगे ॥ तरलमतिरलज्जः क्षीणजंघः कृशांगः शिम्बुवंध्या सिन्धुरोगी बंधुसंस्थे कुमा  
 री ॥ ४ ॥ तनयमंदिरगे शशिनंदनः सुतकलत्रयुतः सुरवभाजनम् ॥ विकचपंकजचारुमुखः सुखी सुरगुरुद्वि  
 जभक्तियुतः शक्रविः ॥ ५ ॥ अरिनिर्केतनयति शशांकजोरिपुकुलाद्रयदोयदिवगः ॥ यदि च पुण्यगृहे शक्रभवी क्षिते  
 रिपुकुलं विनिहंति श्चुभमदः ॥ ६ ॥ तुरगभावगते हरिणां कजे भवति चंचलमभ्यनिरीक्षितः ॥ विपुलवंशभवः प्र  
 मदापतिः सच भवेच्छुभगे शशिवंशजे ॥ ७ ॥ निधनवेदमभिप्रत्ययुतः शुभो निधनदोऽतिथिमंडन एव च ॥ यदि च पा  
 पयुतोरिपुगे हगे मदनकाम्यजयेन पतत्यधः ॥ ८ ॥ नवमसौम्यगृहे शशिनंदने धनकलत्रयुतेन समन्वितः ॥  
 भवति पापयुतं विपथास्थितः श्रुतिविमंदकरः शशिजोद्यमी ॥ ९ ॥ गुरुजनेनहिते निस्तोजनो बहुधनो दशमे श-  
 शिनंदने ॥ निजशुजार्जितवित्ततुरंगमो बहुधनेन यतो मितभाषणः ॥ १० ॥ श्रुतमतिर्निजव्यंशहितः कृशो बहु-  
 धनः प्रमदाजनवल्लभः ॥ रुचिरनीलवपुर्गणलोचनो भवति चाथगते शशिजनेनरः ॥ ११ ॥ भवति च व्ययगे श-

शिन्दने विकलमूर्तिधरो धनवर्जितः ॥ परकलत्रधने धनचित्तवान् व्यसनदूरतः कृतकः सदा ॥ १२ ॥  
 इति बुधफलम् ॥ ॥ अथ गुरुफलम् ॥ ॥ विविधवस्त्रविपूर्णकलेवरः कनकरत्नधनः प्रियदर्शनः ॥ नृपतिवंश  
 जनस्य च वल्लभो भवति देवगुरो रतनुगेनरः ॥ १ ॥ सुरगुरो रधनमंदिरसंश्रिते प्रभुदितो रुचिरः प्रमदापतिः ॥ भवति  
 मानधनो बहुमौक्तिकै गतवसुर्भविता प्रसवाह्निके ॥ २ ॥ सहजमंदिरगे च बृहस्पती भवति बंधुगता र्थसमन्वितः  
 कृपणतामपि गच्छति कुत्सिते धनयुतो पिसदा धनहानिवान् ॥ ३ ॥ सुहृतदा च सुहृज्जनबंधितः सुरगुरो ररक्तगे  
 हगतेनरः ॥ विपुलदास्त्रमर्तिः सुरयभाजनं भवति सर्वजनप्रियदर्शनः ॥ ४ ॥ करिहये श्वकृशांगतनुर्भवेज्ज  
 यतिशत्रुकुलं रिपुगेरु ॥ रिपुग्रहे यदि वक्रगते गुरोरिपुकुलाद्भयमातनुते विपुः ॥ ५ ॥ युवतिमंदिरगे सुरस्मा  
 जकेन यतिभूतिपति तुल्यसुरवंजनः ॥ अमृतराशि समानवचः सुधीर्भवति चारुवपुः प्रियदर्शनः ॥ ६ ॥ विम  
 लतीर्थं करं च बृहस्पती निधनतानमनः स्थिरतायदा ॥ धनकलत्रविहीनकृदाः सदा भवति योगपथे निरतः पर  
 म् ॥ ७ ॥ सरगुरो रनवमे मनुजोत्तमो भवति भूतिपति तुल्यधनी द्युचिः ॥ कृपणा बुद्धिरतः कृपणः सुरवी बहू-  
 धनप्रमदा जनवल्लभः ॥ ८ ॥ दशममंदिरगे च बृहस्पती तु रगरत्नविभूषितमंदिरः ॥ भवति नीतिगुणैर्बुध  
 संयुतः परवरांगणवर्जितधार्मिकः ॥ ९ ॥ व्रजति भूमिपतेः समतां धनैर्निजकुलस्य विकारकरः सदा ॥  
 सकलधर्मरतीर्थसमन्वितो भवति चायगते सुरयाजके ॥ १० ॥ शिवाकृदनास्त्रभवेद्दिरीगवानुतचदा

नपराङ्मुख एव च ॥ कुलधनं च सदा कुलदांभिको भवति पापगृहे हि बृहस्पती ॥ ११ ॥ इति गुरुफलम् ॥  
॥ अथ शक्रफलम् ॥ ॥ उरसि गते नुगे भृगुनन्दने भवति कार्यरतः परंप्रदितः ॥ विमलशाल्यगृही सदनैर  
तो भवति कौतुकहा विधिचेष्टितः ॥ १ ॥ परधनेन धनी धनगे भृगो भवति यो वित्तवित्तपरे नरः ॥ रजतसी सघनी  
गुणवो दावः कृतातनुस्सुबचो बहुबालकः ॥ २ ॥ सहजमंदिरवर्तिनि भागवे प्रचुरमोहयुतो भगिनी सुतः ॥ भ  
वति लोचनरोगसमन्वितो धनयुतः प्रियवाक् च स दंवरः ॥ ३ ॥ भवति वंधुगतो भृगुजनेन रोबहु कलत्रयुतेन स  
मायुतः ॥ सुरमते सुरवमध्यवरे गृहे वसन् पीनविलास समावृतः ॥ ४ ॥ तनयमंदिरगे भृगुनन्दने भृगुरक्तो दु  
हितावरपूजितः ॥ बहुधनो गुणवान्वरनायको भवति चापि विलासवती प्रियः ॥ ५ ॥ स भवति कुशलोद्भ  
वंप्रदितो रिपुगृहे भृगुजे स्तगते नरः ॥ जयति वैरिबलं किजतुंगजे भृगुस्ते सुरवदे किल वधुगे ॥ ६ ॥ युवतिमं  
दिरगे वसतेन रोबहुस्तेन धनेन समन्वितः ॥ विमलवंशभवः प्रमदापतिर्भवति चारुवपुर्मुदितः सुरवी ॥ ७  
॥ निधनसम्पत्तं भृगुजं जमो विमलधर्मरतो नृपसेवकः ॥ भवति मांसाप्रियः पृथुलोचनो निधनमेति चतुर्थ  
वये पिचा ॥ ८ ॥ विपुलतीर्थपरीक्षितनुः सुरवी सुरवरद्विजवर्णरतः शक्रचिः ॥ निजभुजार्जितभाग्यमहो  
त्सवो भवति धर्मगते भृगुजे नरः ॥ ९ ॥ दममंदिरगे भृगुवंशजे बंधिरबंधुयुतः सत्यभोगवान् ॥ वनगतो  
पिचराज्यफलं लभेत्समरसुन्दरवेषसमन्वितः ॥ १० ॥ निजभाचगते भृगुनन्दने वरगुणा विहितोऽप्यनल

व्रतः ॥ मदनतुल्यवपुः सुरवभाजनं भवति हास्यरतिः प्रियदर्शिनः ॥ ११ ॥ निजमिते व्ययवर्तिनि भागविभव-  
 ति रोगयुतः प्रथमेनरः ॥ तदनुदं भपसायणचेतनः कृदाबलोलिमलिनः सुहितः सदा ॥ १२ ॥ इति शक्रक्रफ-  
 लं ॥ अथ दशनिफलं ॥ ॥ सततमल्पगतिर्मदपीडितस्तपनजेतनुजेखलुचाधमः ॥ भवति हीनकचः कृदावि-  
 ग्रहो निजसुहृद्रिपुसद्गनिमानवः ॥ १ ॥ धननिकेतनवर्तिनि भानुजे भवति वाक्यसहः सधनाब्धितः ॥ चपल-  
 लोचनसंचयने रतो भवति चौरपरो नियतं सदा ॥ २ ॥ सहजमंदि रगेतपनात्मजे भवति सर्वसहोदरनाशकः ॥  
 तदनुकूल्यनृपेण समीनरः स्वसुतपुत्रकलत्रसमन्वितः ॥ ३ ॥ बन्धुस्थितो भानुस्कृतो नराणां करोति बंधो-  
 निर्धनं चरोगी ॥ स्त्रीपुत्रभृत्येन विनाकृतश्च ग्रामांतरं चारुखदः सवक्त्री ॥ ४ ॥ इति श्वरे पंचमशत्रु-  
 हीनो भवती हृदुःखम् ॥ तुंगे निजे मित्रगृहे च पंगौ पुत्रेति भागी भवती तिकश्चित् ॥ ५ ॥ नीचोरिपो नीचकुलद-  
 चषष्ठः शनिर्गच्छति मानवानां ॥ अन्यत्र दशत्रून् विनिहंति तुंगी पूर्णार्थकमान् जनतां ददाति ॥ ६ ॥ विभ्रामभूता-  
 विनिहंति जायां सूयात्मजः सप्तमगश्च रोगात् ॥ धर्ते पुनर्दक्षधरंगहीनं मित्रस्य वंशो धनता स्तुह्यच्च ॥ ७ ॥ इति  
 श्वरे चाष्टमगे मनुष्यो देशान्तरे तिष्ठति दुःखभागी ॥ चौया पराधेन च नीचहस्ते पंचत्वमाप्नोत्ययने अरोगी ॥ ८ ॥  
 धर्मस्य पंगुर्बहुदंभकारी धर्मार्थहीनः पितृवंशकश्च ॥ मदानुरक्तो निधनी च रोगी पापिष्ठभायी परहीनवर्षी ॥ ९ ॥  
 शनैश्चरे कर्मगृहे स्थितेऽपि महाधर्मान्तरत्यजनानुरक्तः ॥ प्राप्तप्रवासे नृपसद्यवासी नशत्रुवर्गद्वयमेति मानी ॥ १० ॥

सूयारमजेचायगतेमनुष्यो धनीधिमृदयो बहुभोग्यभागी ॥ सीतानुरागीमुदितः सुशीलः सञ्जालप्रमवेप्रवतीति  
रोगी ॥ ११ ॥ व्ययेदानीपंचगणाधिनाथोगदान्वितोद्दीनचपुः सुदुःखी ॥ जंघाघ्राणीकूरमतिः कृशगोवधैरतः पक्ष  
गणरव्यनित्यं ॥ १२ ॥ इतिशानिफलं ॥ अथराहुफलं ॥ रोगीसदादेवरिपेतुसुस्थेकुलेचधारीबहुजल्पशीलः ॥  
रक्तेक्षणः पापरतः सुधर्मारतः सदासाहसकर्मक्षः ॥ १ ॥ राहो धनस्थेकृतचौरवृत्तिः सदाधिलिप्तोबहुदुःख  
भागी ॥ मत्स्येनमांसेनसदाधनीचसदावसेन्नीचगृहेमनुष्यः ॥ २ ॥ भ्रातुर्विनाशं प्रददानिराहुस्तृतीयगेहे  
मनुजस्यदेही ॥ सौरव्यं धनंपुत्रकलत्रमित्रं ददाति तुंगीगजवाजिपुत्पान् ॥ ३ ॥ राहोचतुर्थे धनबधुहीनो ग्रामिक  
देवोचरतिमकुष्टः ॥ नीचानुरक्तः पित्रुनश्रयापीपुत्र्यैकभागीकृशयोपिदासां ॥ ४ ॥ राहुः सुतस्थः शशिनानु  
गोहिपुत्रस्य हतकुपितः सदैव ॥ गेहान्तरे सोपि सुतैकमात्रं दत्तं प्रमाणं मलिनकुचैलं ॥ ५ ॥ षष्ठे स्थितः शत्रुवि  
नाशकारी ददाति पुत्रं च धनानि प्रभोगान् ॥ स्वभानुरुक्षैरखिलाननर्थान् हृत्पन्थयाषिद्रमनं करोति ॥ ६ ॥ जायास्थ  
राहुर्धनहानिजाया ददाति नार्यो विविधांश्च प्रभोगान् ॥ यापानुरक्तां कुटिलां कुशीलां ददाति शैवे बहूनि दुर्नश्य ॥  
७ ॥ राहुः सदाचाक्षममंदिरस्थो रोगान्वितं पापं तं प्रगल्भं ॥ चौरं कृशं कापुरुषं धनाख्यगयामनीतं पुरुषं करोति ८  
धर्मस्थिते चंद्ररिपौ मनुष्यश्चंडालकर्मपि व्रतनः कुचैलः ॥ शांतिप्रमोदो निरनश्वदीनः शगेः कुलान्द्रातिमुपेक्षि  
त्यं ॥ ९ ॥ कामानुरः कर्मगते च राहुः परार्थलोभी मुरवरश्वदीनः ॥ म्भानो विरक्तः सुखवर्जितश्च वेहाराशीलश्च य

लोतिदुष्टः ॥ १० ॥ आग्रस्थिते सोमशिपौ मनुष्यो दातो भवेन्मीलवपुः सुमूर्तिः ॥ वाचाल्ययुक्तो परदेवावासी द्वा  
 स्त्रस्य वेत्ता च यत्नो निलज्जः ॥ ११ ॥ रिपुस्थिते सोमशिपौ नराणां धर्मग्रहीनो बहुदुःश्वतसः ॥ कांता विसुक्तश्च वि  
 देवावासी सुरैश्च हीनः कुनरपीकुपेपः ॥ १२ ॥ ॥ आग्रस्थानं यदा सोमस्यः क्रूरस्थानीयचंद्रमाः ॥ कर्मस्थाने  
 पुनः सोम्यस्तदा राज्यं विधीयते ॥ १ ॥ आदीर्जावः पंचमेव दशमे चंद्रमा सवेत् ॥ राजमान्यो महाबुद्धिस्तेजस्वी  
 चाति तेजसः ॥ २ ॥ ॥ इति चतुरादीतिराजयोगप्रकरणं ॥ ॥ अथारिष्टयोगाः ॥ सूर्याश्च नवमे तातश्चंद्र  
 माता चतुर्थगः ॥ भौमस्य तृतीये भ्राता बुधे चतुर्थमा तुलः ॥ १ ॥ गुरोः पंचमतः पुत्रो मृगु ससमतो स्त्रियः ॥ द्वा  
 नेरष्टमतो मृत्युर्थदा क्रूरो भवेन्नसः ॥ २ ॥ अथ द्वादशाप्तवनविचारः ॥ सूर्यो भीमस्तथा राहुः दानि मूर्ती यदा न्वितः ॥  
 ॥ संपातो रक्तपीडा च सोम्यैः सर्वनिरीगतः ॥ १ ॥ भीमक्षेत्रं यदा जीवो जीवक्षेत्रे च भूसुतः ॥ द्वादशो वत्सरं मृतक  
 वीलकस्य न संशयः ॥ २ ॥ धनस्थाने यदा भीमः दाने अरसमन्वितः ॥ सहजे च भवेद्वाहु वर्षमेकं सजीवति ॥  
 ३ ॥ चतुर्थे च यदा राहुः षष्ठं च द्वादशे मे पिशा ॥ सद्यश्चैव भवेन्मृतकः द्वां करो येति दिरक्षति ॥ ४ ॥ अष्टमस्थो निशा  
 नाथः कंद्रे पापेन संयुतः ॥ चतुर्थे च यदा राहु वर्षमेकं सजीवति ॥ ५ ॥ लग्ने व्यये धने क्रूरो यदा मृत्यो च जाय  
 ते ॥ विष्टया मार्गबंधः स्याद्द्वादशाष्टमवत्सरं ॥ ६ ॥ सप्तमे भवने भीमो अष्टमे भगवो यदा ॥ नवमे भवने  
 सूर्य अल्पायुत्तस्य कथ्यते ॥ ७ ॥ धने क्रूरः स्य सप्तमे क्रूरः पातालगो यदा ॥ दशमे भवने क्रूरः कष्टजीव

तिजातकः ॥ ८ ॥ स्मरेव्ययेचसङ्कनेमध्येकुरेयदाग्रहाः ॥ तदाजालस्यबालस्यदारीरेकष्टमादिशेन् ॥ ९ ॥  
लघ्नस्थानेयदाभौमोद्वादशोचक्षुः ॥ इतः शत्रुगृहेयस्यमासमेकं सज्जीवति ॥ १० ॥ क्षीणचंद्रगतेलघ्ने  
क्रूरग्रहनिरीक्षिते ॥ द्वितीयेद्वादशोभौमासमेकं सज्जीवति ॥ ११ ॥ मूर्तिसप्तमयोः क्रूराः पापव्ययद्वितीयाः  
॥ चतुर्थेचयदाराहुः सप्ताहान्प्रियतेसदा ॥ १२ ॥ षष्ठाष्टमेपिचंद्रः सद्योमरणायपापसंहृष्टः ॥ अष्टाभिः  
शुभमदृष्टोवर्षेभिर्अस्तदर्थेन ॥ १३ ॥ द्वादशोवैयदासौरिलग्नसंस्थश्चभूसुतः ॥ चतुर्थेः पौरिकेयश्चअष्टमा-  
सान्सज्जीवति ॥ १४ ॥ शुभलभोयदाजीवो ह्यष्टमेचक्षुः ॥ रंभ्रसंस्थेचपापेचसद्योमृत्युमदोभवन् ॥ १५  
॥ चतुर्थेनवमेसूर्येअष्टमेचवृहस्पतौ ॥ द्वादशेचदावाकेचसद्योमृत्युकरोभवेत् ॥ १६ ॥ द्वादशेसूर्यसितेकं  
द्रुसंयुक्तंअंशमार्किणा ॥ हंतिवर्षद्वयेनयजातकंशिष्टभाविताः ॥ १७ ॥ गुरुर्मदग्रहेवर्कामंदगेबुधभास्करे ॥  
ईप्सितं कुरुतेमृत्युमंदेचकादशेभवेत् ॥ १८ ॥ सूर्यमंदग्रहेशुक्रो गुरुणाचबिलोकितः ॥ नवमिर्मरित्यत्येनं वर्षे  
जातंनसंशयः ॥ १९ ॥ सूर्येणसहितश्चंद्रोबुधग्रहगतः सदा ॥ नवीक्षितश्चसौम्येननचवर्षेणमृत्युदः ॥ २० ॥  
बुधः सूर्येन्दुसंयुक्तोवीक्षितोपिशुभैर्ग्रहेः ॥ वर्षेरेकादशेस्तेनमारयत्येवनिश्चितं ॥ २१ ॥ लग्नादष्टमगोराहुः  
शानिः सूर्योबिलोकितः ॥ निरीक्षितः इतः भौमैः कुर्यादष्टदादशभिः क्षयम् ॥ २२ ॥ धनेराहुर्बुधः इतः सौरिः  
सूर्योचदास्थितः ॥ तत्रजातोभवेन्मृत्युमृतेपितरिजायते ॥ २३ ॥ व्ययेराहुः सौरिसौम्योजीबोलघ्नमेचपंचमे ॥

अत्रयोगेचयोजातोजातमात्रः सनदयति ॥ २४ ॥ जीवार्कराहुभौमाः स्युश्चत्वारः क्रूरवेदमगाः ॥ सप्तमेचगृ  
 हेद्युक्रोदेहकष्टकराः सदा ॥ २५ ॥ गृह्यस्थानेयदाभौमोराहुः सौरिसमन्वितः ॥ नृपपीडाभवेत्तस्य स्यात्सनेनेव  
 तिष्ठति ॥ २६ ॥ चतुर्थेराहुसौरार्काः षष्ठेचंद्रोबुधः कुजः ॥ भार्गवश्चात्रयोजातः सग्रहस्यक्षयंकरः ॥ २७ ॥  
 एकः पापौष्टमस्थोपिशत्रुक्षेत्रेयदाभवत् ॥ पापेनवीक्षितो वर्षान्मारत्येवबालकं ॥ २८ ॥ भौमभास्करमदाश्च  
 शत्रुक्षेत्रेष्टमेयदा ॥ यमेनरक्षितो एववर्षमात्रं सजीवति ॥ २९ ॥ वक्रीशानिर्भौमगेहेकंद्रेषष्ठेऽष्टमेपिवा ॥  
 कुर्जनवल्लिनाहृष्टो हंतिवर्षद्वये शिशुः ॥ ३० ॥ शनिराहुकुर्जेयुक्तः सप्तमेनवमेदाशी ॥ सप्तमेदेवसहंतिमारनेचा  
 सप्तमेदिश्रुः ॥ ३१ ॥ लग्नमध्यस्ययदाभानुः पंचमस्थोनिशाकरः ॥ अष्टमस्थायादापापास्तदाजातो नजीवति ॥  
 ३२ ॥ लग्नपः पापसंयुक्तो लग्नैवापापमध्यगे ॥ लग्नात्सप्तमगः पापस्तदाचात्मवधोभवत् ॥ ३३ ॥ क्रूरक्षेत्रे  
 यदाजीवो लग्नेशोऽस्तंगतो भवेत् ॥ अकर्मोच्चितदाजातः सप्तवर्षाणिजीवति ॥ ३४ ॥ अष्टमेचयदासौरिर्जन्म  
 स्थानेचचंद्रमाः ॥ मंदश्चोदरोगीचिगात्रहीनश्चजायते ॥ ३५ ॥ शानिक्षेत्रेयदाभानुर्भानुक्षेत्रेयदाशानिः ॥  
 द्वादशोवत्सरैश्चल्लक्षस्तस्यजातस्यजायते ॥ ३६ ॥ बुधभौमोयदाल्लभे षष्ठस्थानेयवास्थितो ॥ तत्स्करश्चौर  
 कर्मस्थान्दृष्टत्तपादौचनदयतः ॥ ३७ ॥ षष्ठेष्टमेवामूर्तोचिदाशुक्षेत्रेयदाबुधः ॥ चतुर्वर्षेर्भवेन्मृत्युर्बालिक  
 स्यनसंशयः ॥ ३८ ॥ अष्टमस्थोयदाराहुः केंद्रस्थानेचचंद्रमाः ॥ सद्यएवभवेन्मृत्युर्बालिकस्यनसंशयः ३९



चतुर्थस्य यदाराहुः षष्ठाष्टमगृहे दादी ॥ विंशत्यादिवर्गैर्मृत्पुर्बालकस्य न संशयः ॥ ४० ॥ सप्तमं नवमे राहुः  
शत्रुक्षेत्रे यदा भवेत् ॥ षोडशो वरसरे मृत्पुर्बालकस्य न संशयः ॥ ४१ ॥ द्वादशास्थो यदा चंद्रः पापः स्यादष्टमे  
गृहे ॥ एकमासे भवेन्मृत्पुस्तस्य बालस्य निश्चितं ॥ ४२ ॥ जन्मस्थाने यदाराहुः षष्ठस्थाने च चंद्रमाः ॥ अप  
स्मारस्तदारोगो बालकस्य हि जायते ॥ ४३ ॥ भार्गवेण युतश्चंद्रः षष्ठाष्टमगतो भवेत् ॥ मंदारयुदर रोगि चिह्नानां  
गोपि च बालकः ॥ ४४ ॥ षष्ठाष्टमे यदा चंद्रो बुधयुक्तश्च तिष्ठति ॥ विषदोषेण बालस्य तदामरणमुच्यते ॥ ४५ ॥  
भानुना सहितश्चंद्रः षष्ठाष्टमगतो भवेत् ॥ गजदोषेण मृत्पुर्वासिंहदोषेण वा भवेत् ॥ ४६ ॥ एकोपि यदि मूर्तो स्याज्ज  
न्मकाले यदा भवेत् ॥ स्थानहीनो भवेद्दालो वृत्तिदुष्टा सदपुनः ॥ ४७ ॥ लग्नेष्टमे यदाराहुश्चंद्रो वा यदि दृश्यते ॥ दशा  
हैर्जायते तस्य बालस्य मरणं भ्रुवं ॥ ४८ ॥ लग्नाच्च नवमे सूर्यः सूर्यपुत्रे तथाष्टमे ॥ एकादशे बालके च मांसमेकं न ज  
ति ॥ ४९ ॥ नवमे दशमे चंद्रः सप्तमे च यदा सितः ॥ पापे पातालसंस्थे च वंशच्छेदकरो नरः ॥ ५० ॥ शत्रुक्षेत्रे उष्ट्रमे वष्टे  
द्वितीये द्वादशे रविः ॥ स्त्रीवति षड्वर्षाणि बालको नात्र संशयः ॥ ५१ ॥ शत्रुक्षेत्रे उष्ट्रमे मूर्तो बुधः वष्टे प्रजायते ॥ बालो  
जीवति वर्षाणि चत्वारि नात्र संशयः ॥ ५२ ॥ एकादशे तृतीये च नवमे पंचमे गुरो ॥ शत्रुक्षेत्रे बृहस्पतौ स्थाने भवेत्पंचाद  
ष्टाधुः ॥ ५३ ॥ नवमे पंचमे वापि रिपुक्षेत्रे बृहस्पतिः ॥ तदा षट्त्रिंशद्वर्षाणि जीयते नात्र संशयः ॥ ५४ ॥ मित्रक्षेत्रे  
कादशमे दशमे वा यदा गुरुः ॥ शत्रुक्षेत्रे यदा शुक्रो द्वितीये द्वादशे भवेत् ॥ एकविंशति वर्षाणि जीयते बालको द्वयं ॥

॥ ५५ ॥ शत्रुक्षेत्रेष्टमेषष्ठेद्वितीयेद्वादशेशानिः ॥ अष्टदिनान्यष्टमासाश्चष्टवर्षाणिजीवति ॥ ५६ ॥ चंद्रक्षेत्रेयदाभौ  
मेजायतेमनुजःसदा ॥ रक्तपित्तनहीनांगोनानाव्याधिसमन्वितः ॥ ५७ ॥ चंद्रक्षेत्रेयदाचांद्रीजायतेयस्यजन्मनि ॥  
सजातःश्वयरीगीर्यात्कुष्ठादिसिरुषद्रुतः ॥ ५८ ॥ राहोचक्रेंद्रगेभूरुक्ःपापानां हृष्टिसंयुते ॥ संवत्सरेतुदशमेषोड  
शोविद्योयतः ॥ ५९ ॥ चंद्रसप्तमषुवर्गेज्ञानिष्पीमराहुसंयुतोभवति ॥ यदासप्तमदिवसेमृत्युःसप्तमासेनसंदेहः ॥  
६० ॥ भौमक्षेत्रेयदाजीवोषष्ठेष्टमेचचंद्रमाः ॥ षष्ठेष्टमेषवेन्मृत्यूरक्षकोयदिशंकरः ॥ ६१ ॥ जन्मसप्तममेसौरिरष्ट  
यदिचंद्रमाः ॥ ब्रम्हपुत्रोयदाजातःसोपिपुत्रोनजीवति ॥ ६२ ॥ षष्ठाष्टमेयदाचांद्रीरविर्भवितिसप्तमः ॥ पितृमातृध  
नंहंतिमात्समंकनजीवति ॥ ६३ ॥ द्वादशोजीवशुक्रोचजन्मनेराहुरेयच ॥ सप्तमेचयदासौरिर्वर्षमेकंनजीवति ॥ ६४  
॥ भौमेदियाकरेछिद्रेजातःशत्रुगृहेयदि ॥ सनरोभ्रियतेचश्यंयमोमासेनरक्षकः ॥ ६५ ॥ यदालम्बग्रहःकूरोषष्ठा  
ष्टमेपिचंद्रमाः ॥ तदासद्योभवेन्मृतकजातिकस्यनसंशयः ॥ ६६ ॥ चतुर्थेपियदाराहुःकेंद्रेषवत्तिचंद्रमाः ॥ विश  
द्वैर्षवेन्मृत्युजातिकस्यनसंशयः ॥ ६७ ॥ सप्तमस्योषदाराहुर्जन्मकालेयदातदा ॥ दशवर्षेर्षवेन्मृत्युरमृतंयदि  
पीयते ॥ ६८ ॥ लग्नेष्टमेयदाराहुश्चंद्रोवायदिपश्यति ॥ जातकस्यतदामृत्युर्धेविशंकरेणरक्षितः ॥ ६९ ॥ दशमेपिय-  
दाभौमउच्चशत्रुगृहेस्थितः ॥ जातकस्यभवेन्मृत्युर्मानुष्यैवमसंशयः ॥ ७० ॥ लग्नास्थितोयदास्मानुःपंचम-  
स्थोनिशापतिः ॥ लग्नेऽष्टमेस्थिताःपापास्तदाजातो नजीवति ॥ ७१ ॥ लग्नात्सप्तमशीतांशुःपापाष्टमेषुल

भृगः ॥ लभस्थितो यदा भानुर्मासेनाश्रियते दिशः ॥ ७२ ॥ धने गुरुः सैहिके यो भीमः शक्रश्च सप्तमे ॥ अष्टमे  
 रविचंद्रौ च प्लेच्छः स्याद्यौ वने स्थितः ॥ ७३ ॥ लग्नस्थाने यदा भीमो अष्टमे च दिवाकरः ॥ ७४ ॥ व्यये  
 भवेन्नरः ॥ ७५ ॥ धर्मस्थाने यदा पापालात्पापश्चतुर्थः ॥ कर्मस्थानगतो राहुस्तदा म्लेच्छो भवेद्भुवं ॥ ७६ ॥ व्यये  
 भवनगे चंद्रवामचक्षुर्विनश्यति ॥ यदा सूर्यो द्वितीये स्थस्यस्तदा अंधं समादिशेत् ॥ ७७ ॥ सिंहलग्ने यदा जन्मशानिर्मु  
 र्नीयदा भवेत् ॥ चक्षुर्हीनो भवेद्बालः शक्रो जन्माधको भवेत् ॥ ७८ ॥ होरायां द्वादशराशौ स्थितो यदि दिवाकरः ॥ क  
 रौति दक्षिणे काणवामने च चंद्रमाः ॥ ७९ ॥ स्वस्थाने लग्नतः क्रूरः क्रूरः पातालगतः पुनः ॥ दशमे भुवने क्रूरे कष्टं जी  
 वति जातकः ॥ ८० ॥ अस्मिन्योगे न यो जातो मातुर्दुःस्वकरो भवेत् ॥ यदि जीवेदसौ जातो मातृपक्षस्य यंकरः ॥ ८१ ॥  
 क्रूरक्षेत्रे भवेत्सूर्यः कन्यायां क्रूरसंस्थितः ॥ क्रूरक्षेत्रे भवेद्ग्राहः कष्टं जीवति जातकः ॥ ८२ ॥ शुक्रश्च वाक्पती बुद्धेर्नीचे  
 राहुस्तमन्विते ॥ चंद्रमाश्च न पश्येत्सोपि बालो न जीवति ॥ ८३ ॥ पक्षाष्टमे यदा चंद्रद्वारादशोरविमंगली ॥ सोपि जातो न  
 जीवेत्तरक्षते यदि शंकरः ॥ ८४ ॥ पक्षाष्टमे यदा केतुः केंद्री भवति चंद्रमाः ॥ सद्यो बालकमृत्युः स्यात्तरक्षिता यदि शं  
 करः ॥ ८५ ॥ चंद्रो बुधस्तथा सूर्यः शनिश्चानेयदा भवेत् ॥ मध्यस्थाने यदा भीमो हीनदृष्टिस्तदा भवेत् ॥ ८६ ॥ अर्कः  
 सौरिस्तादा भीमः स्वभानुः केतुसंयुतः ॥ नीचसंयुक्तदृष्टिः स्यात्स जातो मृतधातकः ॥ ८७ ॥ रविराहु सौरिभौमी  
 जीबोलमे च पंचमे ॥ योगे स्मिं स्वपि यो जातो जातमात्रो विनश्यति ॥ ८८ ॥ क्रूरक्षेत्रे गतो जीवोरविराहु धरास्त

तः ॥ सप्तमेभुवनेऽक्रोदेहीकष्टप्रयातिच ॥ ८८ ॥ क्रूरलम्भेभवेज्जातस्तत्प्यामीक्रूरचेतसः ॥ आमधातोभ-  
वेत्तस्यशरीरेकष्टमादिशेत् ॥ ८९ ॥ सप्तमेभवनेभौमःपंचमेचदिवाकरः ॥ अरण्येचभवेज्जन्मवृक्षालयेनसंशयः  
॥ ९० ॥ एकःपापोयदालनेलम्भेद्रोवानपश्यति ॥ सूर्यःपश्यतिनोलम्भंमन्यजातस्तदाभवेत् ॥ ९१ ॥ तिथिप्रांते  
दिनांतेचलन्मन्यांतेतथैवच ॥ चरांशोपिचयोजातअन्यजातःशिशुर्भवेत् ॥ ९२ ॥ नपश्यतिशत्रोर्लभंमध्यस्थःस्त्री  
म्यशुकयोः ॥ तानेपरोक्षेजन्मस्याद्भौमेस्तेवातनौचमे ॥ ९३ ॥ जीवक्षेत्रगतेचंद्रशुक्रवेतराज्ञिगे ॥ द्वेष्काणेचत  
दंशोवापैरैजातःसङ्घट्यते ॥ ९४ ॥ नलभमिन्दुर्नगुरुर्निरीक्षितेनवाशावांकोरविणास्यमानम् ॥ सौरेणवार्केणयुत  
अवावाञ्जिःपरेणजातःप्रवदंतिस्वरथः ॥ ९५ ॥ ॥ लभंपश्यतिर्नोगिराचचभृगुरिणजातःशिशुःक्षीण्य-  
र्कःसमवक्षतेनाशथोयोगेशिवावन्धजे ॥ चंद्रःपापयुतोदिनेशसहितःस्यादेवमप्यन्यजःप्रोक्तमाहुःसुनिपुंगवैः  
स्फुटमिदंयोगत्रयंजायते ॥ १ ॥ यदियापिभवेच्चंद्रोजन्माप्तमहितीयगः ॥ द्वादशीकादशस्थोवापश्चाज्जातस्तदा  
विश्रुतः ॥ २ ॥ क्षपाकरःपश्यतिनैवलभंविदेशसंस्थेजनकेप्रसूतः ॥ कुजार्किसंसर्गगतेविलम्बेकवीज्यर्केद्रांश  
विहीनकेवा ॥ ३ ॥ रविवाशिषुतोसिंहलभेक्षुजार्कनिरीक्षितेनचनरहितःसौम्यैःसहधलोचनः ॥ व्ययगृहगतच-  
ंद्रोगामहीनस्सथपरंरविर्नक्षत्रभागदीप्तायोगाभवंतिशुभमेक्षिताः ॥ ४ ॥ ॥ इत्यरिष्टयोगप्रकरणम् ॥ ॥  
॥ अथधनभागः ॥ ॥ प्रापाःसर्वेधनस्थानेधनहानिकरामनाः ॥ अन्यैःसौम्यैःशुभंसर्वमृद्धिबुद्धिधना

दिकम् ॥ १ ॥ क्रूराच्चतुर्थकेन्द्रेषु तथा क्रूरो धर्मेऽपि च ॥ दारिद्र्ययोगं विजानीयात्स्वपक्षस्य भयंकरः ॥ २ ॥ अ  
 एमस्योचदाभीमस्त्रीकोणेनीचगोरविः ॥ सश्रीधमेवजातः स्याज्जीवीचदुःखितः ॥ ३ ॥ कन्यायांचयदाराहुः इत  
 कीभीमः शनिस्तथा ॥ तत्रजातस्यजायेतकुबेरादधिकंधनं ॥ ४ ॥ अर्ककेंद्रेयदाचंद्रो मित्रांशो गुरुणोक्षितः ॥  
 विजवान्जानसंपन्नो जायते चतदानरः ॥ ५ ॥ स्वक्षेत्रस्थो यदाजीवो बुधः सौरिस्तथैव च ॥ तदाजातः सदीर्घायुः  
 संपतिश्च पदेपदे ॥ ६ ॥ लग्नं लग्नेशसंयुक्तं च स्य जन्म निजायते ॥ नमुंचति गृहं तस्य कुलस्त्रिय इव श्रियः ॥ ७ ॥  
 चंद्रेण भंगलो युक्तो जन्म काले यदा भवेत् ॥ तस्य जातस्य गेहं तुलक्ष्मीनैव विमुंचति ॥ ८ ॥ मासमध्ये तु यत्संख्या  
 दिवं सेजयिते पुमान् ॥ तत्संख्यं चर्पन् भुक्तौ तुलक्ष्मीर्षयिनिश्चितं ॥ ९ ॥ इति धनभावविचारः ॥ अथ सहज  
 भावः ॥ पापेऽस्त्वीयगैः सर्वे बांधवैः सहितो भवेत् ॥ सौम्येऽप्यत्रानुसंग्युक्तः कीर्तियुक्तो धनप्रियः ॥ १ ॥ लग्ना  
 तृतीयभुयने शिखिना सह चंद्रमाः ॥ लक्ष्मीवान् जायते बालो भ्रातृहीनो न संशयः ॥ २ ॥ आदौ जातान् रविर्हति  
 पश्चाद्भीमदानैश्चरौ ॥ राहुणा च उभौ हनिकेतुः सर्वनिवारकः ॥ ३ ॥ स्वक्षेत्रस्थो यदा राहुर्धनस्थाने वृहस्प  
 तिः ॥ बुधेन च समायुक्तस्तस्य बंधुव्ययं भवेत् ॥ ४ ॥ लग्ने चंद्रो धर्मेऽनुक्रो व्यये च बुधभास्करौ ॥ राहुश्चैतत्पंचमे  
 बालः स भवेद्वंधुबंधकृत् ॥ ५ ॥ धनस्थाने यदा क्रूरो भौमः सौरि समन्वितः ॥ सहजे च भवेद्राहुर्भ्राता तस्य न  
 जीवति ॥ ६ ॥ षष्ठे च भुवने भौमः स तमे राहुसंभवः ॥ अष्टमे च यदा सौरिर्भ्राता तस्य न जीवति ॥ ७ ॥ विलुप्त

स्थोयदाजीवीधनेसौरिर्यदाभवेत् ॥ राहुश्चसहजेस्थानेभ्रातातस्यनजीविति ॥ ८ ॥ सप्तमेषुवनेभौमश्याष्टमे  
पिसितोयदि ॥ नवमेचभवेत्सूर्यः स्वप्राचुश्चसमूर्जितः ॥ ९ ॥ तस्यभ्राताभवेदन्यःपितान्चायंसमुद्धरेत् ॥ त

स्यचैकोभवेत्पुत्रः सोपिविभंविनश्यति ॥ १० ॥ उदयतिमृदुभांशोसप्तमस्येपिमंदेयदिभवतिनिषेकःसूतिमहन्न-  
येण ॥ शशिनितुविधिरेषाद्वादशाब्देप्रकुर्यान्नगदितमतिचिरंयंस्तृत्तिकालेपियुक्त्या ॥ ११ ॥ पुंग्रहोच्चस्थितोय  
स्यपत्रिकायानरस्यच ॥ तस्यषष्ठोभवेद्भ्राताचान्यथा भ्रागिनीभवेत् ॥ १२ ॥ इतिसहजभावः ॥ अथसुखभाव  
फलं ॥ तुर्यस्थानेस्थिताःपापाबालत्वेमातृकष्टदाः ॥ सौरव्यंसौम्याःप्रकुर्वतिराजसन्मानदायकाः ॥ १ ॥ लग्नाच्चा  
तुर्धनःपापोयदिस्याहूलवत्तरः ॥ तदामातृवधंकुर्यात्कंद्रेवानपरोयदि ॥ २ ॥ द्वितीयेद्वादशेस्थानेयदापापोव्य  
पोहति ॥ तदामातुर्भयंविद्याच्चतुर्थेदशमेपितुः ॥ ३ ॥ पापमध्यगतेलग्नेचंद्रेवापापसंयुते ॥ सोमेनिधनगजेपापे  
मातृहासप्तवासरे ॥ ४ ॥ चतुर्थेहन्यतेमातादशमेचतथापिता ॥ सप्तमेषुवनेक्रूरास्तस्यभार्याविपद्यते ॥ ५ ॥  
शान्दंगारकमध्यस्थोसूर्यःकुर्यात्पितुर्वधं ॥ मध्येवारजनीनाथोमातृमृत्युर्नसंशयः ॥ ६ ॥ चंद्रादष्टमगेपापे  
चंद्रेपापसमन्विते ॥ पापैर्बलिष्ठेस्सहृष्टःसद्योभवतिपापहा ॥ ७ ॥ लग्नस्थानेयदाजीवीधनस्थानेदानैश्चरः ॥  
राहुश्चसहजेस्थानेमातातस्यनजीविति ॥ ८ ॥ सिंहभौमस्तुलासौरिःकन्यायांवासितोभवेत् ॥ मिथुने  
चषडाराहुर्जननीतस्यनश्यति ॥ ९ ॥ चंद्रःपापग्रहेयुक्तश्चंद्रोवापापमध्यगः ॥ चंद्रात्सप्तमगःपापस्तदामा

त्वधाभवेत् ॥ १० ॥ एकादशोयदाक्रूरः पंचमेकं शक्तिं लो ॥ प्रथमं कन्धका जाता माता तस्या स्तु कष्टा  
 ॥ ११ ॥ धनेराहुर्बुधः शक्रः सौरिस्त्रयो यदाग्रहाः ॥ तदामातुर्भवेन्मृत्युमृतायं परिजायते ॥ १२ ॥ नीचस्थानगते  
 चन्द्रे तिष्ठेद्भागवात्मजः ॥ पापासक्तो महाक्रोधी माता तस्य न जीयति ॥ १३ ॥ द्वादशे रिपुभावे च यदा पापत्र-  
 हो भवेत् ॥ तदामातुर्भवं विद्याच्चतुर्थे दशमे पितुः ॥ १४ ॥ त्रिः सप्तमो दिवानाथो जन्मस्य स्यमर्हसुतः ॥ तस्य  
 मातान् जीयेत् वर्षमेकं पलद्वयम् ॥ १५ ॥ लघ्वे च द्वादशे स्थाने यदपापग्रहो भवेत् ॥ तस्य माता भवेद्द्व्यधा पिता  
 तस्य न जीयति ॥ १६ ॥ द्यूनाष्टमगते पापे क्रूरग्रहनिरीक्षिते ॥ जनन्या सहस्रसुतुः स्याद्बालकस्य न संशयः ॥ १७  
 ॥ इति सुरवभावफलम् ॥ अथ सुतभावः ॥ ॥ पंचमस्थाः शक्रभाः सर्वे पुत्रसंतानकारकाः ॥ क्रूराः सतत  
 मृत्युश्च कुपुत्रं च धरा सुतः ॥ १ ॥ बालस्य जन्म काले तु पंचमो धरणी सुतः ॥ अपुत्रश्च भवेद्बालो नारिचैव विशेष-  
 षतः ॥ २ ॥ अपुत्री कुरुते भानुः पुत्रमेको निशाकरः ॥ सत्री कं पुत्रहीनं च पंचमो धरणी सुतः ॥ ३ ॥ उच्चो वा  
 यदिवानी चोपंचमः शिखिना स्थितः ॥ हाहाकारचक्रुरुते पुत्रशोकेन पीडितः ॥ ४ ॥ क्रतुरे तो अहष्टो वा यदि चे-  
 द्दिशत्रिः पंचचस्रसैव पुत्री दीप्तसिने शनिः ॥ ५ ॥ एकत्रिपंचपुत्राणि सूर्ये धीस्थे कुजे गुरो ॥  
 नापाद्द्वे भार्ये बादरायणे नोक्तम् ॥ ६ ॥ पापाः पंचमराशौ जातं जातं शिशुं विनाशयति ॥ सप्तमराशौ  
 एकः रथी वाच्यश्चन्द्रे चैव सुता द्वयम् ॥ शीमे पुत्राश्च यो वाच्यौ बुधे

मं.दे पुत्रीच्यतुष्टयम् ॥ ८॥ गुरौगर्भसुताः पंचषट्पुत्र्यो भृगुनंदने ॥ शनैचगर्भपातः स्याद्राहोगर्भो भवेन्नहि ॥  
 १८ १॥ सुतस्थाने द्विपापी वा त्रिपापाश्चात्र संस्थिताः ॥  
 धितः शुक्रोरेतो भौमः प्रकीर्तितः ॥ अर्द्धपदयत्ने भौमो तद्वर्गभर्त्संस्थितः ॥ ११॥ १८  
 गतिः ॥ करसंपुटमादाय बंध्या भवति निश्चिन्तं ॥ १२॥ पुरा शीलं भवतिः सुताधि ॥ क्षिप्ते वापि ॥ संततिबाधां  
 कुरुते कंद्रे पापान्धिते चंद्रे ॥ १३॥ लभ्यासुत्रकलत्रभेदं भवतिः प्राप्ते यवालो किते चंद्राद्वा यदि संपदस्तु हिन  
 यो ज्ञेयो यथा संभवः ॥ पापेनादये गुरौ रविस्फुटे मीनस्थिते दारहा पुत्रस्थानगतश्च पुत्रमरणं पुत्रोचने चच्छु-  
 ति ॥ १४॥ लग्नद्वितीये यदि वा तृतीये धिलभनाथे प्रथमः स्फुटः स्यात् ॥ तुर्यस्थिते स्मिंश्च सुतो द्वितीयः पुत्री-  
 स्फुटो वातिपुरः प्रकल्प्यम् ॥ १५॥ धनस्थाने यदा क्रूरः क्रूरग्रहसमन्वितः ॥ न पश्यति निजक्षेत्रमल्पपुत्रस्त  
 दा भवेत् ॥ १६॥ सहजे सहजाधीशो लग्ने याथार्थ्ये भवेत् ॥ जायते न तदा बालो यदि जातो न जीवति ॥ १७॥  
 यात्रत्संख्या इति काव्यं नवांशकस्थाने लिखितमस्ति पूर्वं ॥ द्वाषडधुरिपं पंचमभावे प्रसवसौख्यफलं च दृश्य  
 ने ॥ मृतभजः खलु पंचमगे गुरौ तदिह दृष्टिफलं भूममभुते ॥ १८॥ लाभे सुते वा भुक्तेन्दुः सुते भौमो यथा क्र-  
 मान् ॥ दत्तकेन्दूपदयतः पुत्रं वर्षे स्मिन्संततिस्तदा ॥ १९॥ यत्र चैकावदो राहुः पंचमे च शिखी स्थितः ॥  
 सुतानं न ददयेत यदीन्द्रोऽपि च संव्यते ॥ २०॥ ॥ अथरिपुभावाः ॥ षष्ठे क्रूरानं रं कुक्षुः शत्रुपक्षविवर्जितं



सौम्याः यष्टामहारोगान्पष्टाभ्यं द्रव्यमृत्पुदः ॥ १ ॥ इतिरिपुभावः ॥ अथजायाभावाविचारः ॥ भार्यायां सप्तमे  
 यापाः सौम्याः सर्वजनप्रियाम् ॥ गुरुदुःकोदाचीतुल्यां रूपलावण्यशालिनीं ॥ १ ॥ षष्ठेचभुवनेभीमः सप्तमेसे-  
 हिकसुतः ॥ अष्टमेचयदासौरिभर्मायितिस्यनजीवति ॥ २ ॥ जायाभावेदोरीरशशीचराहुर्जायापतिः पश्यतिस्त्री-  
 रव्यथाल्यं ॥ तस्यगृहेसंभवतीहनारीदयामाचगौरीचहुपुत्रिणीच ॥ ३ ॥ लग्नेग्रयेचपातालेजामित्रेचाष्टमेकुजः ॥ क-  
 न्याभतुर्विनावायभर्तुः कन्यायिनइयति ॥ ४ ॥ लग्नापापदुर्हेगौरीरुर्बलः शत्रुपीडितः ॥ भावेदुर्वाच्यतायुक्ताभवेत्परव-  
 धूरतः ॥ ५ ॥ लग्नाद्वयेवारिपुपंदिरेवादियाकरेन्दुभूभवतस्तदानीं ॥ स्यान्मानवस्यात्मजएकएवभार्यापित्रैकेयिवदंतिस्म-  
 तः ॥ ६ ॥ गंडांतकालेचकलग्नभावेभृगोः सुतेलग्नगतेर्कजातः ॥ यंध्यापतिः स्यान्मनुजस्तदानींशुभेक्षितंनोभवन्न-  
 सुतानां ॥ ७ ॥ व्यथालयेवामदनालयेवारवलेषुबुधालयेगेहिमांशौ ॥ कलग्नहीनोमनुजस्तनूजेर्विचर्जितः स्यादितिचेदि-  
 तव्यं ॥ ८ ॥ संभूतिकालेचकलग्नभावेधमस्यभूमिंनयस्यवर्गे ॥ ताभ्यां प्रहृष्टेव्यभिचारिणीस्याद्भार्यास्वयंवैव्यभि-  
 चारकर्ता ॥ ९ ॥ शुक्रं दुपुत्रीचकलग्नसंस्थौकलग्नहीनंकुरुतेनरं ॥ शुभेक्षितंवा वयसोविरामेकामांचरामांलग्नने-  
 मनुष्यः ॥ १० ॥ चंद्रादिलभाच्चरवलः कलग्नहेन्दुकलग्नचलधंगतास्तौ ॥ चंद्रार्कपुत्रीचकलग्नसंस्थौपुनर्भवत्स्त्रीपरिल-  
 धिदीप्ताः ॥ ११ ॥ महीरुतेसप्तमभावयानेकांताविद्युक्तः पुरुषस्तदास्यात् ॥ मंदेनहृष्टे म्रियतेचिरान्तरासूयेणहृष्टेव-  
 हुदुःखपीडितः ॥ १२ ॥ षष्ठेचभुवनेभीमः सप्तमेराहुसंभवः ॥ अष्टमेनवयदासौरिस्तस्यप्रार्थयिनिर्जीवति ॥ १३ ॥

॥ इति जायाभावफलं ॥ अथायुष्माविविचारः ॥ पूर्वमायुःपरीक्षेत पश्चात्क्षणाभाविदोत् ॥ आयुर्हानिनर  
क्षणेः किं प्रयोजनं ॥ १ ॥ रेवता सर्वमहादुष्टा अष्टमस्थानमाश्रिताः ॥ शशाङ्कस्तु विदोषेण जन्मकाले च मृत्युदः ॥

॥ २ ॥ कृष्णपक्षे दिवा जातः शुक्लपक्षे यदनिशि ॥ तदा षष्ठाष्टमं चन्द्रो भ्रातृवरपरिपालकः ॥ ३ ॥ पञ्चमस्थो निद्रा  
नाथस्त्रीकोणे च बृहस्पतिः ॥ दशमे च महोत्सूनुः शतवर्षसजीवति ॥ ४ ॥ शनैश्चरस्तुला कुंभमकरे च दिवा भवे  
त् ॥ लग्ने पष्ठे तृतीये वा तदारिष्टं न जायते ॥ ५ ॥ राहुर्ध्रुवे भिषिर्दृष्टे केतुर्दृष्टे च तुष्टये ॥ वृषे च गुरुर्दृष्टे काफ्यादी  
घकालं सजीवति ॥ ६ ॥ केन्द्रे शक्रमौन्ये देकोपि बलीविम्बा प्रकाशकः ॥ सर्वे दोषाः क्षयं यांति दीर्घायुश्च भवेन्न-  
रः ॥ ७ ॥ एकोपि केन्द्रे बुधजीव शक्राः क्रूराः सहस्राणि विरुद्धयुक्ताः ॥ तथापि सर्वाण्यविद्यां

गाः कैसारिदर्शनेन ॥ ८ ॥ पातालैवाचरे लग्ने सुते धर्मे तथा गे ॥ देवगुरुस्तथा शक्रकोनागचे दुरितं बहु ॥ ९ ॥  
एकोपि केन्द्रे यदि च्च संस्थः सर्वत्र हाभावगुणेन तुल्यम् ॥ सर्वे प्यरिष्टं च विनाशयति तमो यथा भ्रास्करदर्शनेन  
॥ १० ॥ शुक्रो दशान्नहस्त्राणि बुधो दशशताभिच ॥ लक्ष्मिर्केतुदोषाणां गुरुलगेनैव पोहति ॥ ११ ॥ केन्द्रं त्रि-  
कोणगो जीवो शक्रो वा चन्द्रनंदनः ॥ तस्य पुरुषस्य दीर्घायुः स भवेद्राजवल्लभः ॥ १२ ॥ इति बृहज्जातके म-  
कीर्णं त्रायुःफलम् ॥ ॥ अथ राश्यायुः ॥ ॥ अश्विनी भरणी कृत्तिका पादमेष राशिः सोमक्षेत्रे जन्मनाय  
पात्राफलं ॥ प्रथमे राज्यं तथ न वत ३ विद्यायंत ३ देवगुरु भक्त ४ पंचमे चौर ५ काळमाषहीन ६ सप्तमे यो-

गीन्द्र ७ निर्धन ८ शुभलक्षण ९ मास १ कष्टअल्पमृत्युः वर्ष १ वर्ष १३ जलघातवर्ष १८ घातवर्ष ६४ अंगरोगव-  
 र्ष ५० चोरलोहडा उपघातयदा शुभग्रहो निर्दिष्टिते तदा जीवति वर्ष ७५ मास २ घटी १५ पक्षे १५ मृत्युः कार्तिकमासे  
 तिथी चोद्यवारमंगलभरणनिक्षत्रे देहं त्यजति ॥ १ ॥ इति मेघराशिफलम् ॥ कुनिकाणां त्रयः पादारोहिणी मृग  
 शिरोर्ध्वपराशिः शक्रक्षेत्रे जन्मत इ नवपाथा गूजूलफल ॥ प्रथमे यदा वंत् १ सतवंत् २ रणवंत् ३ शुभलक्षण  
 ४ विद्यावंत् ५ सौभाग्यवंत् ६ कुलमंडण ७ धनधान्यसमर्थ ८ परदारचोर ९ वर्ष ३ पष्ठ ६ ८ ३३ ४ ६  
 ५२ ६३ अभिलोहसांडसर्पकष्टवैवदोपधाता एते अल्पमृत्यवः यदा व्यतिक्रामति तदा वर्ष ८५ मास ६ दि-  
 न ७ सातमाघमासे शक्रपक्षे तिथी ९ शुक्रदिने रोहिणी निक्षत्रे ७ धरात्रौ देहं त्यजति ॥ २ ॥ इति वृषराशिफ-  
 लम् ॥ मृगशिरोर्ध्व आश्विपुनर्वसु पादत्रय मिथुनराशिः ॥ बुधक्षेत्रे जन्मतीनवपाथा फलम् ॥ प्रथमे भाग्यवं-  
 त १ निर्धन २ कुत्सितप्राणी ३ धनेश्वर ४ भाग्यवंत् ५ धनधान्यभोगी ६ चोर ७ महात्मसिद्ध ८ देवगुरुमाननी-  
 क ९ मास ६ वर्ष ६ अंगरोगवर्ष १० चक्षुःपीडा ११ वर्ष १८ घातवर्ष २४ ५३ ६३ अल्पमृत्युः यदा शुभग्रह निर्दि-  
 क्षितो भवति तदा जीवति वर्ष ८५ पौषमासे कृष्णपक्षे अश्लेषादिने बुधवारो आश्विनिक्षत्रे प्रथममहरे देहं त्यजति  
 ॥ ३ ॥ इति मिथुनराशिफलम् ॥ पुनर्वसुपादिकं बुध आश्लेषांतं कर्कराशिः चंद्रक्षेत्रे ॥ प्रथमे धनवंत् १  
 महीपतिः २ ल्यांगमुनीश्वर ३ विद्यावंत् ४ धर्मवंत् ५ चोर ६ निर्धन ७ देवापति ८ कुलमंडण ९ अल्पमृत्युः

दिन ११ कष्टमास ९ वर्ष १ रोगवर्ष ७ जलघातवर्ष ९ अंगरोगवर्ष १२ जलघातवर्ष १६ अंगरोगवर्ष २० लोह  
घातवर्ष २७ ३५ अल्पदोषवर्ष ६५ देवदोषवर्ष ५५ ६१ अल्पमृत्युराजकष्टअस्माद्यरोगअसर्पजलघात  
सांडवाधघातशुभग्रहनिरीक्षितस्तदावर्ष ७० मास ५ दिन ३ फाल्गुनमासे दशकलपक्षे ६ ग्रहरेगो धूलिकवेला  
यांदेहंत्यजति ॥ ४ ॥ इतिकर्कराशिफलम् ॥ मधाचपूर्वाफाल्गुनी उत्तराफाल्गुनी पादसिंहराशिः ॥ सूर्यक्षे  
त्रे प्रथमेराजमान्य १ धनेश्वर २ तीर्थवासी ३ पुत्रवंत ४ स्वपक्षहीन ५ मातापितातारक ६ राजमान्य ७ धन  
धान्यसमर्थ ८ निर्धन ९ चोरमास ८ तथावर्ष १ कष्टवर्ष १० १५ अंगरोगवर्ष २५ वर्ष ४५ देवदोषरत्ननिपात  
वर्ष ५१ वर्ष ६१ घातअल्पमृत्युयदाव्यतिक्रमति तदाजीवतिवर्ष ६५ श्रावणमासे दशकलपक्षे १० दिने पूर्वाफा  
ल्गुनी नक्षत्रे रविवारे प्रथमग्रहरेदेहंत्यजति ॥ इतिसिंहराशिफलं ॥ ५ ॥ उत्तराणां त्रयः पादाहस्तचित्रा  
धैकन्याराशिः ॥ बुधक्षेत्रे जन्म प्रथमे निर्धन १ पुत्रहीन २ शत्रुमरण ३ धनवान ४ भोगी ५ पुत्रवंत ६ राज  
मान्य ७ सर्वसमर्थ ७ पराक्रमी ८ मातापितागुरुभक्त ९ मा १३ वर्ष ३ अंगरोगवर्ष १ वर्ष १३ चक्षुपीडा जल  
घातवर्ष २६ अंगरोगदेवपीडावर्ष ३३ लोहघातवर्ष ६३ अंगरोग एतानि एतानि अल्पमृत्युयदादशतपत्रहनि  
रीक्षितोभवति तदाजीवतिवर्ष ८६ भाद्रपदमासे दशकलपक्षे ९६ दिने बुधवारं हस्तनक्षत्रे गो धूलिकवेला-  
यांदेहंत्यजति ॥ इतिकन्याफलम् ॥ ६ ॥ चित्रार्द्धस्यातिविशारवापावत्रयं तुलाराशिः ॥ शुक्रक्षेत्रे जन्म

९ फलम् ॥ प्रथमेधनभोगी १ धनैश्वर २ निर्धन ३ भाषाहीन ४ जातकर्मा ५ परदाराचोर ६ मातापितातार-  
 क ७ राजमान्य ८ भाग्यवंत ९ मास ४ कष्टमास १६ अंगरोगवर्ष ४ कष्टवर्ष १६ जलघातवर्ष ३१ अंगरो-  
 ग ४१ अंगवृद्धिवर्ष ५१ देवदोषवर्ष ६१ अल्पमृत्युवर्ष ६१ अल्पमृत्युवर्ष ६१ अल्पमृत्युवर्ष ६१ अल्पमृत्युवर्ष ६१  
 मासेभ्युक्त्वपक्षे तिथि १३ शुक्रवारैरातभिषानक्षत्रे मध्यान्हेलायां देहं त्यजति ॥ ७ ॥ इति तुलाफलम् ॥ विशा-  
 रवायादमेकं अनुराधाज्येष्ठांतं द्युच्चिकराशिः ॥ भौमक्षेत्रे प्रथमे धनेभ्यः १ यदायंतं २ आगमयंतं ३ महान्तिक ४ भा-  
 षाहीन ५ कुलमंडण ५ धनधान्यसमर्थ ६ विद्यावंत ७ राजमान्य ८ यदायंतं ९ मास २ कष्टवर्ष ३ कष्टवर्ष ७ अंग-  
 रोगवर्ष ८ जलघातवर्ष १३ वृद्धघातवर्ष ३२ ३५ अंगरोगलोहघातवर्ष ४५ अंगरोगवर्ष ६३ अल्पमृत्युवर्ष ६३  
 भानिरीक्षितस्तदाजीवतिवर्ष ७५ मास २ दिन ७ ज्येष्ठमासे कृष्णपक्षे तिथौ ११ मंगलवासरे अनुराधानक्षत्रे म-  
 थमप्रहरे देहं त्यजति ॥ ८ ॥ इति द्युच्चिकफलम् ॥ मूलचपूर्वायादा उत्तराषाढायां देधनराशिः ॥ गुरुक्षेत्रे प्रथमे  
 री १ मास ५ वर्ष ३ कष्टवर्ष ९ अंगरोगवर्ष ११ चतुष्पिडावर्ष १६ जलघातवर्ष ३६ अंगरोगवर्ष ४७ ५७ ६७  
 तवर्षे स्पर्पजलघात अल्पमृत्युः यदा दत्त भग्नहनिरीक्षितस्तदाजीवतिवर्ष ८५ आषाढमासे दत्त कृष्णपक्षे ति-  
 थि १ गुरुवारैस्तनक्षत्रे गोधूलिकवेलायां देहं त्यजति ॥ ९ ॥ इति चतुर्वादिफलम् ॥ उत्तराणां त्रयः पादा

श्रवणाधनिष्ठार्द्धमकरराशिः ॥ शनिक्षेत्रे प्रथमे अंगहीन १ गुरुपक्ष २ परदारारत ३ शुभलक्षण ४ देवा-  
 स्सी ५ पुत्रवंत ६ उत्तम ७ महापति ८ दोऊपक्षतारक ९ धनेश्वर १ मास ३ कष्टमास १ देवदोषपीडावर्ष ३ अंगरी  
 गवर्ष ५ ७ देवदोषवर्ष १० अग्निरोगपीडावर्ष ३२ लोहघातवर्ष ३३ कष्टवर्ष ४३ तथा ५१ अल्पमृत्युयदा शुभग्रह  
 निरीक्षितो भवति तदा जीवति वर्ष ६१ कार्तिकमासे देवदोष अन्नं अल्पमृत्युर्थस्य व्यतिक्रमति तदा जीवति वर्ष  
 ८१ शुक्लपक्ष तिथि ५ इतः क्रवारे श्रवण नक्षत्रे देहं त्यजति ॥ इति मकरफलम् ॥ १० ॥ धनिष्ठार्द्धात् ततः तारका पूर्वा  
 भाद्रपदा त्रयः कुंभराशिः ॥ प्रथमे मध्यम १ श्रीमंत २ कष्ट भाषाहीन ३ पुत्रवंत ४ राजमान्य ५ वायकावहीन  
 ६ योगीन्द्र ७ अंगहीन ८ शतलक्षणा ९ दिन ३ कष्ट तथा दिन ७ अल्पमृत्यु १८ वर्ष ३२ शुभग्रह निरीक्षितो भ  
 वति तदा जीवति वर्ष ६१ माघमासे शतलक्ष तिथि ३ गुरुवासरे उत्तराभाद्रपदानक्षत्रे मृत्यु भवति ॥ ११ ॥ इति  
 कुंभफलं ॥ पूर्वाभाद्रपदा मेकं उत्तराभाद्रपदरे वत्यंतं मीनराशिः ॥ जीवक्षेत्रे प्रथमे धनवंत १ कालहीन २ लं-  
 पट ३ धनवंत ४ चौर ५ कपटी ६ निर्धन ७ भाग्यवंत ८ नयमेव आपक्लेश ९ वर्ष १८ ३३ शुभग्रह निरीक्षितस्तदा  
 जीवति वर्ष ६१ माघमास शुक्लपक्ष तिथि १२ उत्तराभाद्रपदानक्षत्रे गुरुवारे प्रातः काले देहं त्यजति ॥ १२ ॥  
 ॥ इति मीनफलम् ॥ ॥ दिक् १० काल ६ नरव २० बाणी ५ भ ८ इक् २ नरवाः २० समयो ६ दिवाः ०० ॥ मन-  
 वो १८ राप् ३ वेदा ४ श्व मेघाद्यष्टोत्तरं दत्तम् ॥ १ ॥



[illegible]



अथ विंशोत्तरिदशान्वकं

|          |      |    |         |    |    |   |
|----------|------|----|---------|----|----|---|
| सूर्यदवा | वर्ष | ६  | तन्मध्य | अ  | तर | ॥ |
| १        | न्ये | मं | १       |    |    | ५ |
| ०        | ०    | ०  | ०       | ०  | ०  | ० |
| ३        | ६    | १० | ९       | ११ | १० | ४ |
| १८       | ०    | ६  | ३४      | १८ | १२ | ६ |
| ०        | ०    | ०  | ०       | ०  | ०  | ० |

राहुदशा वा १८ तन्मध्यंतरदशा

| रा | गु | हा | कु | र  | र | य  | मं |
|----|----|----|----|----|---|----|----|
| ८  | ४  | १० | ६  | ०  | ० | १० | ०  |
| १२ | २४ | ६  | १८ | १८ | ० | २६ | ०  |
| ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ० | ०  | ०  |

धवनाव १७ तन् ६

[illegible]

| चंद्रदशा वर्ष १० तन्मध्यंतरदशा |    |    |    |    |    |     |    |
|--------------------------------|----|----|----|----|----|-----|----|
| वे                             | मे | रा | गु | जा | वृ | कुं | मु |
| ०                              | ०  | १  | १  | १  | १  | २   | ३  |
| १०                             | ७  | ५  | ४  | ७  | ५  | ७   | ८  |
| ०                              | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०   | ०  |
| ०                              | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०   | ०  |

गुरुद्वितीय १६ तन्मध्यन्तरद०

[illegible]

केतुदशावर्ष ७ तन्मध्यन्तरदशा

[illegible]

| भौम - विषय ७ तन्मध्यतरदशा |    |    |   |    |
|---------------------------|----|----|---|----|
| मे                        | र  | र  | र | र  |
| ०                         | १  | ०  | १ | ०  |
| ४                         | ०  | ११ | १ | ११ |
| ३७                        | १८ | ५  | १ | ३७ |
| ०                         | ०  | ०  | ० | ०  |

शनिदशाया १९ तन्मह  
नरवशा

[illegible]

शुक्रदशवार्ष ३० तन्मध्यन्तरदश

[illegible]

अथ अष्टोत्तरीदशाचक्रं

अथदशाचक्रं

| सु | च  | म | बु | श  | ग  | रा | कु |
|----|----|---|----|----|----|----|----|
| ६  | १५ | ८ | १० | १० | ११ | १२ | २१ |
| ०  | ०  | ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |
| ०  | ०  | ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |
| ०  | ०  | ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |

भीमदशाचक्रं ८ तन्मध्यन्तरद.

| म  | बु | श  | रा | गु | रा | बु | च  | म  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ०  | १  | ०  | १  | ०  | १  | ०  | १  | ०  |
| ७  | ३  | ८  | ४  | १० | ६  | ५  | १  | १  |
| ३  | ३  | २६ | २६ | २० | २० | १० | १० | १० |
| २० | २० | ४० | ४० | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |

गुरुदशाचक्रं १९ तन्मध्यन्तरद.

| गु | रा | बु | श  | रा | गु | म  | बु | श  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| ३  | ३  | ३  | १  | २  | १  | ३  | १  | १  |
| ५  | १० | ८  | ०  | ७  | ५  | ११ | ९  | ९  |
| ३  | १० | १० | २० | २० | २६ | २६ | ३  | ३  |
| २० | ०  | ०  | ०  | ०  | ४० | ४० | २० | २० |

सूर्यदशाचक्रं ६ तन्मध्यन्तरदशा.

| र | च  | म  | बु | श  | ग  | रा | कु |
|---|----|----|----|----|----|----|----|
| ० | ०  | ०  | ०  | ०  | १  | ०  | १  |
| ६ | १० | ५  | ११ | ६  | ०  | ८  | २  |
| ० | ०  | १० | १० | २० | २० | ०  | ०  |
| ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |

बुधदशाचक्रं १० तन्मध्यन्तरद.

| बु | श  | ग  | रा | गु | र  | च  | म  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|
| १  | १  | २  | १  | ३  | ०  | ३  | १  |
| ८  | ६  | ११ | १० | ३  | ११ | ५  | ३  |
| ३  | २६ | २६ | २० | २० | १० | १० | ३  |
| २० | ४० | ४० | ०  | ०  | ०  | ०  | २० |

शुक्रदशाचक्रं १२ तन्मध्यन्तरद.

| रा | गु | र | च | म  | बु | श  | गु |
|----|----|---|---|----|----|----|----|
| १  | २  | ० | १ | ०  | १  | १  | २  |
| ५  | ५  | ८ | ८ | १० | १० | १  | १  |
| ०  | ०  | १ | ० | २० | २० | १० | १० |
| ०  | ०  | ० | ० | ०  | ०  | ०  | ०  |

| ८ | १५ | ४८ | १८. |
|---|----|----|-----|
| ३ | ३  | ३  | ३   |
| १ | ५  | ७  | ८   |
| ० | १० | २० | ०   |
| ० | ०  | ०  | ०   |

१० तन्मध्यन्तरद.

| ३ | १० | २० | ३० | ४० | ५० |
|---|----|----|----|----|----|
| ३ | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  |
| १ | ५  | ७  | ८  | ९  | १० |
| ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० |
| ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |

शुक्रदशाचक्रं ११ तन्मध्यन्तरद.

| सु | र | च  | म  | बु | श  | ग  | रा |
|----|---|----|----|----|----|----|----|
| ५  | १ | २  | १  | ३  | १  | ५  | ३  |
| १  | २ | ११ | ६  | ३  | ११ | ८  | ५  |
| ०  | ० | ०  | २० | २० | १० | १० | ०  |
| ०  | ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |

# अथ योगिनीदशाचक्रम्.

## अथ दशाचक्रं

| मं | पिं | धा | भ्रा | भू | उ | सि | सं |
|----|-----|----|------|----|---|----|----|
| १  | २   | ३  | ४    | ५  | ६ | ७  | ८  |
| ०  | ०   | ०  | ०    | ०  | ० | ०  | ०  |
| ०  | ०   | ०  | ०    | ०  | ० | ०  | ०  |
| ०  | ०   | ०  | ०    | ०  | ० | ०  | ०  |

## धान्यादशावर्ष ३ तन्मध्येनारद.

| धा | भ्रा | भू | उ | सि | सं | मं | पिं |
|----|------|----|---|----|----|----|-----|
| ०  | ०    | ०  | ० | ०  | ०  | ०  | ०   |
| ३  | ४    | ५  | ६ | ७  | ८  | ९  | ३   |
| ०  | ०    | ०  | ० | ०  | ०  | ०  | ०   |
| ०  | ०    | ०  | ० | ०  | ०  | ०  | ०   |

## उत्कादशावर्ष ६ तन्मध्येनारद.

| उ | सि | सं | मं | पिं | धा | भ्रा | भू |
|---|----|----|----|-----|----|------|----|
| १ | २  | ३  | ४  | ५   | ६  | ७    | ८  |
| ० | ०  | ०  | ०  | ०   | ०  | ०    | ०  |
| ० | ०  | ०  | ०  | ०   | ०  | ०    | ०  |
| ० | ०  | ०  | ०  | ०   | ०  | ०    | ०  |

## भंगलदशावर्ष १ तन्मध्येनारद.

| मं | पिं | धा | भ्रा | भू | उ | सि | सं |
|----|-----|----|------|----|---|----|----|
| ०  | ०   | ०  | ०    | ०  | ० | ०  | ०  |
| ०  | ०   | १  | १    | १  | २ | २  | ३  |
| १० | २०  | ०  | १०   | २० | ० | १० | २० |
| ०  | ०   | ०  | ०    | ०  | ० | ०  | ०  |

## भ्राभरीदशावर्ष ४ तन्मध्येनारद.

| भ्रा | भू | उ | सि | सं | मं | पिं | धा |
|------|----|---|----|----|----|-----|----|
| ०    | ०  | ० | ०  | ०  | ०  | ०   | ०  |
| ५    | ६  | ८ | ९  | १० | १  | २   | ४  |
| १०   | २० | ० | १० | २० | १० | २०  | ०  |
| ०    | ०  | ० | ०  | ०  | ०  | ०   | ०  |

## सिद्धावशावर्ष ७ तन्मध्येनारदशा

| सिं | सं | मं | पिं | धा | भ्रा | भू | उ |
|-----|----|----|-----|----|------|----|---|
| १   | १  | १  | ०   | ०  | ०    | ०  | १ |
| ५   | ६  | २  | ४   | ७  | ९    | ११ | २ |
| १०  | २० | १० | २०  | ०  | १०   | २० | ० |
| ०   | ०  | ०  | ०   | ०  | ०    | ०  | ० |

## पिगलदशावर्ष १ तन्मध्येनारद.

| पिं | धा | भ्रा | भू | उ  | सि | सं | मं |
|-----|----|------|----|----|----|----|----|
| ०   | ०  | ०    | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |
| १   | २  | ३    | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  |
| १०  | २० | ३०   | ४० | ५० | ६० | ७० | ८० |
| ०   | ०  | ०    | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |

## भद्रिकादशावर्ष ५ तन्मध्येनारद.

| भू | उ  | सि | सं | मं | पिं | धा | भ्रा |
|----|----|----|----|----|-----|----|------|
| ०  | ०  | ०  | १  | ०  | ०   | ०  | ०    |
| ८  | १० | ११ | १  | १  | ३   | ५  | ६    |
| १० | ०  | २० | १० | २० | १०  | ०  | ३०   |
| ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०   | ०  | ०    |

## संक्रादशावर्ष ८ तन्मध्येनारद.

| सं | मं | पिं | धा | भ्रा | भू | उ | सि |
|----|----|-----|----|------|----|---|----|
| १  | ०  | ०   | ०  | ०    | १  | १ | १  |
| २  | ३  | ५   | ८  | १०   | १  | ४ | ६  |
| १० | २० | १०  | ०  | २०   | १० | ० | ३० |
| ०  | ०  | ०   | ०  | ०    | ०  | ० | ०  |

शार्कन्तुशुक्रास्त्रिदशान्निकोणं तुयाष्टमं धूनमथात्ररुद्वया ॥ पश्य  
नितुयाष्टमस्तवेष्टम् अत्रिं त्रिकोणं च गुरुक्रमेण ॥ १ ॥ त्रिकोणं  
चतुरस्त्रं च सप्तमं त्रिदशानिः ॥ अस्तं त्रिं त्रिकोणं च चतुरस्त्रं  
कमालकुजः ॥ २ ॥ भुतमदननयात्पूणहृष्टिः सुरारिबुगलदशमरा  
श्रीदृष्टिपादद्वयं च ॥ सहजरिपुगृहेषु दृष्टिपादप्रयोज्यानभवति नम  
दृष्टिः शीपसावे कदापि ॥ ३ ॥

जन्मचक्रदृष्टिचक्रं

| गुसू चंद्र वक्र | गु | श  | मं | रा | ग्रहाः            |
|-----------------|----|----|----|----|-------------------|
| ३               | ४  | ५  | ७  | ३  | एकपा ५            |
| १०              | ८  | ९  |    | ६  |                   |
| ५               | ७  | ४  | ३  | २  | द्विपाद १०        |
| १               |    | ८  | १० | १० |                   |
| ४               | ३  | ७  | ५  | ५  | त्रिपाद १५        |
| ८               | १० |    | ८  | ७  |                   |
| ७               | ५  | ३  | ४  | ९  | संपूर्णदृष्टिः २० |
|                 | ९  | १० | ६  | १२ |                   |

अथ ताल्कालिकमैत्रीचक्रम्

| सू     | चं | मं | बु | गु | वक्र | श  | रा | ग्रह  |
|--------|----|----|----|----|------|----|----|-------|
| ०      | ०  | ०  | ०  | ०  | ०    | ०  | ०  | अतिमि |
| मंगु   | सू | बु | सू | गु | सू   | बु | गु | मित्र |
| च      | सू | बु | सू | गु | सू   | बु | गु | सम    |
| बु     | मं | बु | मं | गु | मं   | बु | गु | सम    |
| शुक्रा | रा | शु | चं | बु | सू   | चं | सू | शत्रु |
| ०      | ०  | ०  | ०  | ०  | ०    | ०  | ०  | अति   |
|        |    |    |    |    |      |    |    | शत्रु |

विनापिमैत्रीत्यलु स्वेचराणां नसायते मध्यमउत्तमं ॥ दशा  
दिकानां विदशादिकानां तस्माच्च भावात्तलुमैत्रिचक्रम् ॥ १ ॥  
सूर्यनाश्चादलेर नचग्रहा २ ३ ४ १० ११ १२ अंतर स्यान्  
होवैतो जी कोठासु उपरा माडजे सूर्यधी १ ५ ६ ७ ८ ९  
अंतर स्थान होयतो कोठासु नीचो माडजे.

# अथविंशोत्तरीदशाचक्रम

अनुक्रमोयेअधः

| र   | च   | म  | रा.  | गु.  | शर  | बु   | के  | शु.  |
|-----|-----|----|------|------|-----|------|-----|------|
| ६   | १०  | ७  | १८   | १६   | १९  | १७   | ७   | २०   |
| क   | री  | म  | आ    | बुन  | पु  | आ    | म   | पूफा |
| वफा | ह   | चि | स्वा | वि   | अ   | ज्ये | मू  | पूरा |
| उपा | अ.  | ध. | शत   | पू.आ | उ.आ | रे   | ५धि | आर.  |
| ७२  | १२१ | ८४ | २१६  | १९२  | २२८ | २०५  | ८४  | २४०  |

दशा  
वर्ष  
न.  
क्ष  
अ  
मा

तत्रप्रथमंविंशोत्तरीमहादशाफलं ॥ अथांतर्दशाफलं ॥ अनुक्रमेणदशावाहनविचारोलिख्यते ॥ स्वकीयजन्मनक्षत्रादुपार्येज्जन्मभावधि ॥ नचभिस्तुहरेद्भागंशेषंतुशशिवाहनः ॥ १ ॥ गर्दभोद्योतकोहस्तीमहिषोजंबुसिंहकौ ॥ काकोहंसीमयूरश्चर्चैतेनखाहनाः ॥ २ ॥ अथफलं ॥ दशामवेशेनखाहनश्चउत्पन्नभोगीजडतासमेतः ॥ लज्जाविहीनोधनधान्यहीनिः स्वान्मानयोयश्चविवर्जितश्च ॥ ३ ॥ चपलवंचलताबहुभक्षकः प्रकटबुद्धिसद्योषचमूपतिः ॥ दृढतवंचलताबहुभक्षकः ॥ नानाकार्यकृतेहिमुरव्यजननोदेवा इतिअश्वफलम् ॥ ४ ॥ सर्वः सौरव्यकरः सुभूषणधरः स्याच्चंचलोदुष्टतापाको यंयदिवाहनोराज्ञपतेर्नानाकलाकौशलः ॥ ५ ॥ इतिगजफलं ॥ महिषयोर्वलबुद्धिविहीनताजघमलंभबलाग्निभयातुरं ॥ शकटयोः प्रवलेवलसंयुतोमहिषयोग्यदिवाहनताभवेत् ॥ ६ ॥ इतिमहिषफलं ॥ जंबुकेबहुतैरवंचंचलाव्याधिदुःस्वपरिपीडिताधान्यनाशमतिसंक्षयंभवेत् ॥ ६ ॥

नुर्बहुकार्यकरः परस्तुरगयोयदिवाहनसंस्थितः ॥ ४ ॥ इतिअश्वफलम् ॥ नानाकार्यकृतेहिमुरव्यजननोदेवा धिपोवाहनः संततोवहताभुसगतिः सेनापतिः शोभनः ॥ सर्वः सौरव्यकरः सुभूषणधरः स्याच्चंचलोदुष्टतापाको यंयदिवाहनोराज्ञपतेर्नानाकलाकौशलः ॥ ५ ॥ इतिगजफलं ॥ महिषयोर्वलबुद्धिविहीनताजघमलंभबलाग्निभयातुरं ॥ शकटयोः प्रवलेवलसंयुतोमहिषयोग्यदिवाहनताभवेत् ॥ ६ ॥ इतिमहिषफलं ॥ जंबुकेबहुतैरवंचंचलाव्याधिदुःस्वपरिपीडिताधान्यनाशमतिसंक्षयंभवेत् ॥ ६ ॥

जंभुकोत्पन्नभोगीचलाभभक्षस्तथैवच ॥ श्वेतांगः श्वेतवस्त्रं च हानिः स्यात्क्रयविक्रयाः ॥ ८ ॥ इति जंभुकफलम् ॥  
 दशाप्रवेशोदियाहनश्चसिंहोबलिष्ठोविविधैः प्रकारैः ॥ उत्पन्नभोगीरिपुनादाकारी स्याद्वाहनेकेसरिणेविशेषः ॥  
 ॥ ९ ॥ इति सिंहफलम् ॥ ॥ कार्केवाहनसंस्थिते त्रिदिशा स्याच्च चलो निर्भयो वत्सरो मलिनः कुवेषधरितो नी-  
 चैर्जनैः पूजितः ॥ स्थाने राजभयं तथा रिपुभयं मानापमानं नरा दुष्टार्तिः कलहं कुचेष्टितनरः स्त्रीवेषकारी भवेत् ॥  
 ॥ १० ॥ इति काकफलम् ॥ जनकलाभिधिकेलि समन्वितो द्विजपतर्बहुजानसुरवान्वितः ॥ सदशने मतिनां प्रवलाय-  
 ता सुकृतिता च तुरानवाहनः ॥ ११ ॥ इति हंसः ॥ ॥ मयूरवाहनतो बहुफलं स्वरं धृतिकला कुशलो मरु-  
 के लिकृत् ॥ मधुरवाक्ययुतो मधुराग्रियः सदशमे नररथन समन्वितः ॥ १२ ॥ इति मयूरवाहनफलम् ॥  
 ॥ इति दशावाहनविचारः संपूर्णः ॥ ॥ अथ अश्वोत्तरी महादशाफलं लिख्यते ॥ ॥ तत्र  
 प्रथमसूयमहादशाफलं ॥ रवेदिशायामतितीक्ष्णभोजं प्राप्नोति मानोपचयं महान्तं ॥ धनानि चामीकरसंप्रदांतं स-  
 जायते बंधुसुरयशभञ्च ॥ १ ॥ अथ चंद्रदशाफलं ॥ ॥ नित्यं विभूषामणि वस्त्रलाभं मिष्टान्नपानं प्रमदानुरागं  
 ॥ चांद्रीदशासाधुफलं नराणां लभेत्पूजानृपतैः सदैव ॥ १ ॥ ॥ अथ भौमदशाफलं ॥ ॥ शस्त्रा-  
 भिघातवधबंधनरेद्रपीडाचिंताग्रहो विकलक्रकृच्च गृहाग्रमेषु ॥ चोराग्निभीति धनघाशयशः प्रणाशं कुर्वा-  
 द्विघातमथ मन्त्रदशाकुजस्य ॥ १ ॥ ॥ अथ बुधदशाफलं लिख्यते ॥ प्राप्नोति सोम्यस्य दशाविवेके

शक्रभेदरुभानिप्रियाभिन्नसंगम् ॥ स्फुवर्णहेमांबरपूर्णलाभंविद्यार्थलाभंमनसः प्रमोदं ॥ १ ॥ अथशानि  
 महादशाफलं ॥ प्रामोतिसोऽरस्यदशाविपाकेदुर्गादिसीमागिरिरक्षराच ॥ बुधान्यजीर्णाविरभूमिलाभं संशु  
 ज्यतेभैमीहिषादिभिश्च ॥ १ ॥ अथगुरुदशालिरव्यते ॥ गुरोर्दशायांलभतेतिसोऽरव्यगुणोदयंबुध्यवकीधनाग्रम्  
 ॥ स्त्रीवित्तलाभंद्युतिकंतिभोगान्महात्मचेष्टाफलमुत्तमायाम् ॥ १ ॥ अथराहुफलंलिरव्यते ॥ धर्म-  
 व्यथाकामरतिर्विनाशः स्त्रीपुत्रमित्रादिविदेशायानम् ॥ मतिभ्रमकालिमकुष्टरोगभयंभवेद्राहुदशांगमेन  
 सत् ॥ १ ॥ अथशुक्रदशाफलं ॥ शौत्रपांगीतिरतिप्रमोदविभवोद्रव्यान्नपानांबुरः स्त्रीरत्नम-  
 तिमन्महोपकरणैरथाश्चनानाविधाः ॥ स्वाध्यायौषधमंत्रशिल्पकरणैरथास्यासिद्धिर्मेवैरसौरव्यंचक्षुर्विकार-  
 भोजनरुचिरव्यातिः प्रतापोन्नतिः ॥ १ ॥ अथयोगिनीदशाफलंलिरव्यते ॥ ॥  
 चंद्रसूर्यबुधश्रैवभौमगुरुशनिश्चराः ॥ भृगुश्चैवयथाराहुर्दशास्वामिप्रकीर्तिताः ॥ १ ॥ इतिदशास्वामिनः ॥ ॥  
 अथवशाफलम् ॥ मंगलास्वामीचंद्रस्तस्यफलम् ॥ वैरीणांचविनाशोवाहनादिवररत्नलाभंस्त्रीत्रीयलाभंशु  
 तत्राभादिरसौरव्यकृतमंगलामंगलोदयम् ॥ १ ॥ पिंगलास्वामिसूर्यस्तस्यफलं ॥ दुःखशोककुलरोगवर्द्धनीव्य  
 त्रदाहफलहवैरिसंपदा ॥ अर्प्यनाशानिजबंधुवैकृतं पिंगलासकलकार्यहानिदा ॥ २ ॥ धान्यास्वामिबुध-  
 १ धनधान्यबृद्धिधरानाथमान्यं सदायुर्दभ्रभौमोजयंलक्ष्मिललाभं ॥ विचित्रांगनानाविलाशास्त्रकारंशदायश्वा

पिधान्यानृणांरं प्रददे ॥ ३ ॥ भद्रिकास्वामिभौमस्तस्य फलम् ॥ विदेशभ्रमं द्रव्यहानिश्च वैरं कलत्रांग-  
पीडातनोर्व्याधिदृष्टिः ॥ सिपूणांभ्रं सौरव्यहानित्वमुच्चैर्दशाभ्रमरीप्राणानां करोति ॥ ४ ॥ भद्रिकास्वामिगु-  
रुस्तस्य फलं ॥ धनानां विवृद्धिगुणानां प्रकाशं समीचीनवस्त्रांगनारज्यमानं ॥ अलंकारदिव्यांगनाभोग्यसौ-  
ख्यं नृणां भद्रिकाभद्रकार्यं करोति ॥ ५ ॥ उल्कास्वामीशनिस्तस्य फलम् ॥ भ्रमं व्याधिकष्टं ज्वराणां प्रकोपं ध-  
नंधान्यनाशश्च दारावियोगः ॥ स्वर्गोन्नतिरिदं सुखं धुरुता वशा उल्कदानार्थं करारसदेव ॥ ६ ॥ सिद्धाः स्वामी  
नृकस्तस्य फलं ॥ यशोभिमानो स्वजनानां सौरव्यधनारित्वाभंगुणकीर्तिदृष्टिः ॥ रामादित्वाभंसकला-  
र्थसिद्धिः विधासकसिद्धिप्रकरोति सिद्धा ॥ ७ ॥ संकटास्वामिराहुस्तस्य फलं ॥ जनानां विवादं ज्वराणां प्र-  
कोपं फलत्रादिकष्टं पशूनां विनाशं ॥ ग्रहस्यत्यवासं प्रवासादिविनाशं संप्रदासं कटारज्यकष्टं करोति ॥ इत्यष्ट  
योगिनीदशाफलम् ॥ ८ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ जन्मकालवर्षफलताजीकमुल्लसार्णी उदाहर-  
णानि ॥ गताष्टवृंदा मुनिरवाभ्रचंद्रौ निर्भानभर्व्यो मंगजैश्च भक्तः ॥ त्रिधा फलं चारं धृतीपलानि स्वजन्मवा-  
रेष्टयुतानि तानि ॥ १ ॥ इति वर्षप्रवेशः गताष्टवर्षमध्ये तु जन्मलभं तु मिश्रितम् ॥ द्वादशतुहरेर्द्रांगशेषां सुधाप्र-  
कीर्तिता ॥ २ ॥ इति सुधास्थापनं ॥ अस्ते नीचबलेहीने व्ययेषष्टाष्टमपि वा ॥ छिद्रे शोथो दिल्भे शोषे वर्षे शोने व-  
येन् ॥ ३ ॥ ॥ इति वर्षशस्यापनं ॥ जन्मज्ञासहिता गताष्टाद्विउन्नतान दहता विदोषात् ॥ ४ ॥



इतिमुग्धादशा ॥ पादैकदृष्टिदशमवृत्तिर्योद्विपाददृष्टिनिवपंचमेच त्रिपाददृष्टिचतुराष्टमेचसंपूर्णदृष्टिः सप्तसप्त  
 मेच ॥ ५ ॥ इतिग्रहदृष्टिः नवभिन्नदृष्टिः नवभिन्नदृष्टिः नवभिन्नदृष्टिः नवभिन्नदृष्टिः नवभिन्नदृष्टिः ॥ ६ ॥  
 इतिरुत्तामध्यग्रहस्थापनं ॥ वेधस्थएकरेखायां राहुचंद्रनरन्यच्च ॥ तदाकष्टविजानीयात्तत्रवर्षेषुनिश्चितं ॥ ७  
 ॥ राहुजीवस्थवेधे तु मृत्करेवनसंदायः ॥ शक्रभवेधे भवेच्छाभोसौरव्यं भवति निश्चितं ॥ ८ ॥ श्रीमासलगा-  
 वाकोश्लोकः ॥ कोष्ठेष्टसूर्यविचरं विभजेत्स्वगस्यालब्धं दिनादिरयगणाब्दपतेधनर्णम् ॥ हीनाधिके  
 गणरथीमुनिभक्तशेषमासप्रवेदानमिदं कथितो मुनीन्द्रैः ॥ १ ॥ अर्थः ॥ स्पष्टसूर्यकाकोठाकासूर्यके अंत-  
 रकीजेः कोठारो सूर्यवदतो होय तो अश कहजे इधरो वदतो होय तो पीछे अंतरने ६० गुणोकर  
 जे नीचला अंक मेलजे केर ६० गुणो करजे पीछे कोठारी गतीने ६० गुणी करजे अंतरकभागदीजे फल २  
 लेर अब्दकी गडी पुलमअश धन करजे अब्दको वारगणामें गालिजे गणके १० को भाग दीजे शेष रहज्यान  
 वारघडी पलजाएजे ॥ जो सूर्यका गतांश जान्य होय जी सूर्यका गतांश मासलागः ॥ मासलगायाकी व्याख्या ॥  
 सूर्यस्पष्टमेवको पचीस अंस पचावनकला गुणतीस विकला ती पलो मास दूजो मास करणो जदीमे एक  
 मेल्या जदी वृषभहुवो वृषभको सूर्यचंद्राकी का कोष्ठमदेषणो. वृषः पचीस अंसके उपरगण ५५ को छै स्प-  
 ष्टसूर्य ० २५ ५५ २९ गणतला २५ ५ २० अणीमस्यष्टसूर्य अधिक छै सो अब्दपमें फल आवसो जोडि-

जे पचीस स्रुतो पचीसगया पचावनमासूं पांचगया पचासगया गुणतीसमांसूं वीसगया ५ अवहीनकी दान-  
 पीछे ५० १ रया ज्यानपचासन ६० गुणा ३०० ॥ नवतलमेल्या ३०९ अतराहुवागए ५५जीतेलागती ५७  
 ५ गतीगुणी ६० हुवा ३ ४ २० अतराअब ३०९ क भाग देणो ३४ २५ सो भागो लब्धीपूर्णपुनः ६० गु-  
 ए १८०५४० हुवा भाग ३४ २५ को देणो भाग २ आया ५२ दोष २६ ४० पुनः ६० गुण जात १४५४००  
 भाग ३४२५ को देणो भाग २ आया ४२ अब ५२ ४२ दोष फल अबदपम जोडजे गुण ५५ जुक्त जु-  
 ड्या ४८ ४५ एक उचो चड्यो गुण ५ २ ३ ४२ अब ५६ ३४२ को हुवा भागए ७ लब्धपूर्ण ० ४८  
 ४५ ॥ रविदत्त शनिमुक्तो गुरुश्चंद्रो बुधकुजः शनिभौमगुरुश्चंद्रो मेवात्रिराशिपादिपा ॥ १ ॥ गुरुश्चंद्रो बु-  
 धो भौमरविदत्तको शनिः सितः ॥ शनिभौमगुरुश्चंद्रो मेवात्रिराशिपादिपा ॥ २ ॥ ॥ अथ वर्षकी दृष्टिः ॥  
 पादत्रिरुद्रदलचतुर्थपादत्रयनंदशरेणो भोगापश्यति पूर्णं समसतमेच फलं च एषामधुना भिधीयते ॥ १ ॥ शा-  
 कोषाणयसु नृपाप्तिरहितो नंददुष्प्रसजितं शेषादीन् च मधुशिवे तदवतु ज्येष्ठां वरे चाष्टमे ॥ आषाढे नृपतिर्नक्ष-  
 श्वनारके विश्वेन भरया विदुवा हो चाश्चिन संज्ञको मुनिवरेः प्राक्ता धिमास्यदा ॥ १ ॥ मेषेन वाशामेषाद्याष्टवचम  
 करारिका मित्रने तुलाद्यास्त फलं देक देक दारिकाः ॥ १ ॥ मेषादीन् च धनुः सिंहो गोकन्ये मकरादिको  
 द्यौः शुक्लमी च कर्कटी मीनवृश्चिकी ॥ २ ॥ तुला

अथ गतवर्षका कोठामध्ये जन्म वार इष्ट घटी मिलाना वर्षप्रवेश होय.

[illegible]



ब्रह्मपक्षे मासप्रवेक्ष पञ्चम लिख्यते.

| श.भं. | ०        | १        | २        | ३        | ४        | ५        | ६        | ७        | ८        | ९        | १०       | ११       | १२       | १३       | १४       | १५       | १६       | १७       | १८       | १९       | २०       | २१       | २२       | २३       | २४       | २५       | २६       | २७       | २८       | २९       |
|-------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| ६.    | २६<br>५६ | २७<br>५७ | २८<br>५८ | २९<br>५९ | ३०<br>६० | ३१<br>६१ | ३२<br>६२ | ३३<br>६३ | ३४<br>६४ | ३५<br>६५ | ३६<br>६६ | ३७<br>६७ | ३८<br>६८ | ३९<br>६९ | ४०<br>७० | ४१<br>७१ | ४२<br>७२ | ४३<br>७३ | ४४<br>७४ | ४५<br>७५ | ४६<br>७६ | ४७<br>७७ | ४८<br>७८ | ४९<br>७९ | ५०<br>८० | ५१<br>८१ | ५२<br>८२ | ५३<br>८३ | ५४<br>८४ | ५५<br>८५ |
| ७.    | १<br>५१  | २<br>५२  | ३<br>५३  | ४<br>५४  | ५<br>५५  | ६<br>५६  | ७<br>५७  | ८<br>५८  | ९<br>५९  | १०<br>६० | ११<br>६१ | १२<br>६२ | १३<br>६३ | १४<br>६४ | १५<br>६५ | १६<br>६६ | १७<br>६७ | १८<br>६८ | १९<br>६९ | २०<br>७० | २१<br>७१ | २२<br>७२ | २३<br>७३ | २४<br>७४ | २५<br>७५ | २६<br>७६ | २७<br>७७ | २८<br>७८ | २९<br>७९ |          |
| ८.    | १<br>२१  | २<br>२२  | ३<br>२३  | ४<br>२४  | ५<br>२५  | ६<br>२६  | ७<br>२७  | ८<br>२८  | ९<br>२९  | १०<br>३० | ११<br>३१ | १२<br>३२ | १३<br>३३ | १४<br>३४ | १५<br>३५ | १६<br>३६ | १७<br>३७ | १८<br>३८ | १९<br>३९ | २०<br>४० | २१<br>४१ | २२<br>४२ | २३<br>४३ | २४<br>४४ | २५<br>४५ | २६<br>४६ | २७<br>४७ | २८<br>४८ | २९<br>४९ |          |
| ९.    | १<br>११  | २<br>१२  | ३<br>१३  | ४<br>१४  | ५<br>१५  | ६<br>१६  | ७<br>१७  | ८<br>१८  | ९<br>१९  | १०<br>२० | ११<br>२१ | १२<br>२२ | १३<br>२३ | १४<br>२४ | १५<br>२५ | १६<br>२६ | १७<br>२७ | १८<br>२८ | १९<br>२९ | २०<br>३० | २१<br>३१ | २२<br>३२ | २३<br>३३ | २४<br>३४ | २५<br>३५ | २६<br>३६ | २७<br>३७ | २८<br>३८ | २९<br>३९ |          |
| १०.   | १<br>२१  | २<br>२२  | ३<br>२३  | ४<br>२४  | ५<br>२५  | ६<br>२६  | ७<br>२७  | ८<br>२८  | ९<br>२९  | १०<br>३० | ११<br>३१ | १२<br>३२ | १३<br>३३ | १४<br>३४ | १५<br>३५ | १६<br>३६ | १७<br>३७ | १८<br>३८ | १९<br>३९ | २०<br>४० | २१<br>४१ | २२<br>४२ | २३<br>४३ | २४<br>४४ | २५<br>४५ | २६<br>४६ | २७<br>४७ | २८<br>४८ | २९<br>४९ |          |
| ११.   | १<br>३१  | २<br>३२  | ३<br>३३  | ४<br>३४  | ५<br>३५  | ६<br>३६  | ७<br>३७  | ८<br>३८  | ९<br>३९  | १०<br>४० | ११<br>४१ | १२<br>४२ | १३<br>४३ | १४<br>४४ | १५<br>४५ | १६<br>४६ | १७<br>४७ | १८<br>४८ | १९<br>४९ | २०<br>५० | २१<br>५१ | २२<br>५२ | २३<br>५३ | २४<br>५४ | २५<br>५५ | २६<br>५६ | २७<br>५७ | २८<br>५८ | २९<br>५९ |          |

सूर्यना आदलेर सालीग्रहसूचीचको हीन कीजे पीछागुणा  
३० युक्त गुणा ६० भाग १ लीजे फल २ राशी अंश मांडजे.  
अथउच्चनीचकी विधीस्पष्टसूर्यमाघी नाचको हीन कीजे तथा  
नीचको अधिक होवे तो काडर १२ पाडजे कलादिकरजे. अग्नि-  
क हुये तो १२ सोधजे फल २.

### उच्चनीचग्रहचक्रम्

| सू. | चं | मं | बु | गु | शु | रा | यहा.       |
|-----|----|----|----|----|----|----|------------|
| ०   | १  | १  | ११ | ३  | ११ | ६  | २          |
| १०  | ३  | २८ | १५ | ३  | २७ | २० | ०          |
| ६   | ७  | ३  | ५  | १  | ५  | ०  | ८          |
| १०  | ३  | २८ | १५ | ५  | २७ | २० | ०          |
| सू. | चं | मं | बु | गु | शु | रा | ग्रहहर्ष   |
| २   | ३  | ६  | १  | ११ | ५  | १२ | हर्ष स्थान |

स्वग्रही तो काची कुंडलीधी देखजे. और तो स्पष्टग्रहका अं-  
सासू देखजे. मैत्रिचक्रमें शत्रुमित्र विस्था देखिजे.

### अथमैत्रिचक्रं

| मित्र | ३ | ५ | १ | ११ | सू.गु.मं | नरः     |
|-------|---|---|---|----|----------|---------|
| सम    | २ | ६ | ८ | १२ | शु.चं.   | स्त्री. |
| शत्रु | १ | ४ | ७ | १० | बु.शु.   | नपुंसक. |

साराको एक करजे वर्षमांतो भाग ४ जन्मपत्रीका विस्थाभा  
भाग १० दशको भाग देणो फल विस्थापनेष्टबल १० ताइ मध्यम  
बल १५ ताई उत्तमबल २० ताई पूर्णबल श्रेष्ठ.

### मूलापाचक्रम्.

| मे | रु | मि | क  | लि | क  | तु | रु | प्र | म  | कु | मी |
|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|
| १० | म  | बु | गु | शु | शु | रु | म  | बु  | गु | शु | म  |
| २० | सू | च  | मं | गु | शु | शु | रु | बु  | मं | गु | शु |
| ३० | नु | शु | र  | म  | बु | शु | रु | र   | चं | मं | बु |

हृदायं च अन्नादि-

| राशि | १    | २    | ३    | ४    | ५    | ६    | ७    | ८    | ९    | १०   | ११   | १२    |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|-------|
| शं.  | गु.६ | गु.८ | गु.६ | मं.७ | गु.६ | गु.७ | गु.६ | गु.७ | गु.७ | गु.७ | गु.७ | गु.१२ |
| शं.  | गु.६ | गु.६ | गु.६ | गु.६ | गु.७ | गु.७ | गु.८ | गु.६ | गु.५ | गु.७ | गु.६ | गु.४  |
| शं.  | गु.८ | गु.८ | गु.५ | गु.६ | गु.७ | गु.६ | गु.७ | गु.८ | गु.६ | गु.८ | गु.७ | गु.३  |
| शं.  | गु.५ | मं.३ | गु.६ | गु.४ | मं.६ | गु.२ | मं.२ | गु.५ | गु.४ | गु.४ | गु.५ | गु.१२ |
| शं.  | मं.५ | गु.५ | मं.७ | गु.७ | गु.६ | मं.७ | गु.७ | गु.५ | मं.५ | गु.५ | मं.५ | गु.३  |

| स्व | मि | सम | वाङ्म |
|-----|----|----|-------|
| ३०  | ३२ | १० | वाङ्म |
| ३०  | ३० | १० | ३     |
| ३०  | ११ | ११ | ११    |
| १५  | ११ | १० | ३५    |
| १०  | १० | १० | ३०    |
| ५   | ३५ | ३० | १५    |

॥ १ ॥

मुंथा स्पष्टगत राशि मेलजे अन्यालयक अर्था कला विकला  
जीडजे तीमुंथा स्पष्टगत वर्षमध्ये १ १५ ३१ आगलो वर्ष होष.

अथ नवांवाचकमंशादिः

[illegible]

दिवापतिरात्रिपतिसदापतिचक्रम्

| १   | २   | ३   | ४   | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | त्रि.रा. |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----------|
| रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | दिन      |
| गु. | गु. | गु. | गु. | गु. | गु. | गु. | गु. | गु. | गु. | गु. | गु. | रात्रि   |
| रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | रा. | सदा      |

मे षमे आदिलेर ज्यो लग्न वर्षको होय जर्णको स्वामी सोइ रात्रि पति जाएजे. वर्ष दिनमे वैततो चक्रमे देपकरज्यो होय सो दीपजे रात्रमे वैतो होय तो रात्रको दीपजे.

वर्षमध्येविद्यादृष्टिचक्रं

| रा. | गु. | मं. | र.गु.चं.शु. | विद्या |
|-----|-----|-----|-------------|--------|
| ३   | ११  | ११  | ११          | ५      |
| ५   | १०  | १०  | १०          | १०     |
| ५   | १०  | १०  | १०          | १५     |
| ५   | १०  | १०  | १०          | २०     |

संचनमाहंथी १५, ३० हीन कीजे शेष रह जणा के १९ भाग लीजे शेष अंक रहसो चक्रमे देवजे जणी मासरो अंक आव सोही मास वध्यो जाएजे १

दिनमानरात्रिमानघटितक्रान्तिप्रमाण.

| मे. | रु. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | रु. | ध. | म. | कुं. | मी |
|-----|-----|-----|----|------|-----|-----|-----|----|----|------|----|
| ३१  | ३३  | ३४  | ३५ | ३६   | ३७  | ३८  | ३९  | ४० | ४१ | ४२   | ४३ |
| २९  | २७  | २६  | २५ | २४   | २३  | २२  | २१  | २० | १९ | १८   | १७ |

अधिकमासचक्रम.

| चै. | कै. | ज्ये. | आ. | भा. | आ. |
|-----|-----|-------|----|-----|----|
| ३   | ११  | ८     | १५ | १३  | २  |
| ४   | १०  | ०     | १७ | १५  | २  |
| ४   | १२  | १     | १८ | १७  | १  |



अथ वर्षप्रवेशासमये हीनांशा पात्यांशादशा नयनविधिः सूर्यादिशानिपर्यत सातग्रह आठमो लग्न स्पष्टकीजे तिणमे  
 दीन अंग्रा होय ज्योड पेला मांडजे रात्री सूकाम नहीं सारा हीनांशा माड्या पीछे पेले हीनांशा जोई पेला पात्यांशा जाएजे  
 पीछे पेला हीनांशाने दुजा हीनांशा मांसु पाडजे दूजाने तीजामांसू पाडजे अणी प्रकार सारा पाडजे पीछे सारा पात्यांशको ऐ  
 क्य कीजे हीनांशका अंतरका कोठरी बराबर अंक मिल जाय तो सत्यजाएजे पछे पात्यांशरी ऐक्य ६० गुणो कीजे तेला जो  
 डजे राभाजक होय पछे ३६५ १५ ३१ मांडजे तीनसे पांसटने साठ ६० गुणा कीजे १५ जोडजे फेर ६० गुणा कीजे ३१ जोडजे तेजे  
 भाजांक कीहीजे अणी भाजांके के भाजकको भाग लीजे फल ३ लीजे ते ध्रुवाहुवानाम गुणक पीछे गोसूत्रिका मोठी मांडी  
 पीछे गुणक तो हेते मांडजे पांत्यांशा उपरी मांड गुणजे दीय जायगा भाग ६० उपरी ३० को मास दिन घटी पला आचे अणी रीत  
 सारा गुणजे पीछे ऐक्य कीजे दिन ३६५ मिल तो सत्य जाणजे पीछे मास दिन घटी पलमें सूर्य स्पष्ट जोडजे अंतरो कीठी स  
 ट सूर्य मिलतो सत्य पीछे शाक संवत मे जोडजे इति दशा फलं ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशानमस्तुत्य श्री  
 गुरुं गिरिजापतिं ॥ देवज्ञानो हिताय यिक्रियते तर्क संग्रहः ॥ १ ॥ समाप्रश्नो न कर्तव्यं कुटिलानां तत्रानिधि ॥  
 विश्वस्थो त्वरितं न वदेत्कदा ॥ २ ॥ फलपुष्पयुतो यो हि देवस्य परिपृच्छति ॥ तस्यैवं कथयेत्प्रश्नः सत्यो भवति नान्यथा ॥  
 ३ ॥ आदौ विंतापरिज्ञानं कृत्वा प्रश्नं विचारयेत् ॥ व्योमहृष्टिर्न वैज्जीवो मूलं भ्रूम्यावलीकने ॥ ४ ॥ समावलीकने धातु  
 चिंतया लक्षणं स्मृतं ॥ शिरस्पदर्शनी विचिंता पादस्पदर्शो तु मूलकः ॥ ५ ॥ नासिस्पदर्शनी विचिंता विज्ञेयः सर्वदा बुधैः ॥ स्प-

शीद्वकललाटंचनीयचिंताश्रुधातुचिंताचमध्यमा ॥ गुह्योरुदविभागेचप्रथममूलचिं-  
 तनम् ॥ ७ ॥ जानुजंघापदेजीवधातुमूलनिरूपणम् ॥ पूर्वस्याधातुचिंतास्याज्जीवंदक्षिणतस्तथा ॥ ८ ॥ उत्तरस्या-  
 पश्चिमेवामूलचिंतावदेदुधः ॥ प्रश्नाक्षरं द्विगुणितं एकेनचसमान्वितं ॥ बहिभिस्तहरेद्रांगं त्रैपंचिंताधिनिदिशोत् ॥ ९ ॥  
 विपमांकेनीयचिंतासमेधातुप्रकीर्तितं ॥ भून्येमूलविजानीयाचितयेष्टक्षणे स्मृतं ॥ १० ॥ ॥ अथ कार्यावधिप्रश्नः ॥  
 ॥ तिथिर्वारदयोगस्तत्रिभिर्भूपडिभ्युतस्तथा ॥ अर्केस्तविभजेन्द्रांगं दोषांकेफलमादिशोत् ॥ ११ ॥ एकेनपदं द्वि-  
 नित्येनमासं श्रुत्त्रिभिः स्यादयनंचतुर्भिः ॥ दिवापंचरात्रा ६ वपि ७ याम ८ संख्यैर्घटी ९ १० पलाद्या १७ निर्वेदिता-  
 नि ॥ १२ ॥ पूर्वोक्तेवालकमुखासुष्पनामतुग्राहयेत् ॥ मध्यान्तेध्रुवनिमुरयाफलनामतुग्राहयेत् ॥ १२० ॥ १३ ॥  
 अपराण्तेहृदमुखाहृदनामतुग्राहयेत् ॥ नद्यावादेक्षनामवारत्रौ सवमुरवान्दरेत् ॥ १४ ॥ ॥ प्राणिपत्यरविभू-  
 र्ध्वाविराहतिमिरात्मजन पृथुयशसात्मभेकृतार्थगहनापराधीमुद्दिश्यसद्यदासा ॥ १ ॥ च्युतिर्विलम्बाद्विबुकाच्चवृ-  
 त्तिर्मध्याह्न्यात्प्रवासोत्तमयान्निवृत्तिः ॥ वाच्यग्रहेः प्रभाविलम्बकालाद्गृहंप्रविष्टो हिबुके प्रयाप्सी ॥ २ ॥ योयोभायः स्या-  
 मिदृष्टोऽनुतोवासी भ्येर्वास्यातस्यतस्यासिद्धिः ॥ पापैरेवंतस्यभावस्य हाभिर्निदृष्टव्यापृच्छतां जन्मतोवा ॥ ३ ॥  
 सौम्येविलम्बेयदिव्यास्यवर्गशीर्षोदयेसिद्धिर्मुपैतिकार्यम् ॥ अतोविपर्यस्तमसिद्धिहेतुः कृच्छ्रेणसंसिद्धिकरं विमि-  
 श्रम् ॥ ४ ॥ होरास्थितः पूर्णतनुः शशांकाजीवेनदृष्टोयदियासितेन ॥ क्षिप्रं प्रनष्टस्य करोति लब्धिं लाभोपयातो  
 बलवान् शतमश्व ॥ ५ ॥ स्वांशेविलम्बेयदिवान्त्रिकोणे स्वांशोऽस्थितः पठयति धातुचिंताम् ॥ परांशकस्थश्चकरोति  
 जीवं मूलपरांशोपगतः परांशम् ॥ ६ ॥ महादेवीकामूलभ्लोक उदाहरणसारणीभाषा इतद् वनाया है ॥

अथ अयमधिमुख्यो राहुपञ्चसारणी लिख्यते.

| अवधि    | १ | २  | ३  | ४  | ५  | ६ | ७ | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ |
|---------|---|----|----|----|----|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| राशि    | ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ० | ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |
| अंश     | ० | ०  | १  | ३  | ०  | ० | ० | ५  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ |
| फलाधिक. | ० | ४५ | २९ | १३ | ५८ | ३ | ४ | ११ | ५५ | ६० | २५ | ९  | ४४ | ३८ | २३ | ७  | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |

**अथ राहुनाकांतर सारणीपत्र राहुनाकांक क्रमाः ११ १० ९ ८ ७ ६ ५ ४ ३ २ १**

| अवधि    | १ | २  | ३  | ४  | ५  | ६ | ७ | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ |
|---------|---|----|----|----|----|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| राशि    | ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ० | ० | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |
| अंश     | ० | ०  | १  | ३  | ०  | ० | ० | ५  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ |
| फलाधिक. | ० | ४५ | २९ | १३ | ५८ | ३ | ४ | ११ | ५५ | ६० | २५ | ९  | ४४ | ३८ | २३ | ७  | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ५० | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|

[illegible]





अथ लघुपत्रोत्पत्तिनां २२ चरखंडा ६० ४० २० अक्षरप्रभा ६०

| राशि    | ०  | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|---------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| मेष     | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| वृषभ    | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| मिथुन   | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| कर्क    | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| सिंह    | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| कन्या   | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| तुला    | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| वृश्चिक | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| धनु     | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| मकर     | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| कुम्भ   | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |
| मीन     | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० | २० |



श. १६

५५

2/3/2

好

10

[illegible]







| ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  | ८८  | ८९  | ९०  | ९१  | ९२  | ९३  | ९४  | ९५  | ९६  | ९७  | ९८  | ९९  |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   |
| १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  |
| ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  |
| ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  |
| ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  |
| १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ |
| ३   | ४   | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  |
| ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  |



| ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  | ८८  | ८९  | ९०  | ९१  | ९२  | ९३  | ९४  | ९५  | ९६  | ९७  | ९८  | ९९  |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| २   | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  | ३८  |
| १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  |
| ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  |
| ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  |
| ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  |
| १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ |
| ३   | ४   | ५   | ६   | ७   | ८   | ९   | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  |
| ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  |
| २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  | ३८  | ३९  | ४०  | ४१  | ४२  | ४३  | ४४  | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  |
| ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  |











अथबंदार्कचिंद्रकेन्द्रगणसारणी.

|     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 20  | 21  | 22  | 23  | 24  | 25  | 26  | 27  | 28  | 29  | 30  | 31  | 32  | 33  | 34  | 35  | 36  | 37  | 38  | 39  | 40  | 41  | 42  | 43  | 44  | 45  | 46  | 47  | 48  | 49  | 50  | 51  | 52  | 53  | 54  | 55  | 56  | 57  | 58  | 59  | 60  | 61  | 62  | 63  | 64  | 65  | 66  | 67  | 68  | 69  | 70  | 71  | 72  | 73  | 74  | 75  | 76  | 77  | 78  | 79  | 80  | 81  | 82  | 83  | 84  | 85  | 86  | 87  | 88  | 89  | 90  | 91  | 92  | 93  | 94  | 95  | 96  | 97  | 98  | 99  | 100 |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |
| 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 |

# अथचंद्राकीचंद्रकेन्द्रगणसारणी.

| ग       | ०                    | १                    | २                    | ३                    | ४                    | ५                    | ६                    | ७                    | ८                    | ९                    | १०                   | ११                   | १२                   | १३                   | १४                   | १५                   | १६                   | १७                   | १८                   | १९                   | २०                   | २१                   | २२                   | २३                   | २४                   | २५                   |
|---------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|----------------------|
| चंद्र   | ११<br>२८<br>५४<br>१७ | ०<br>१३<br>४<br>२५   | ०<br>२६<br>१४<br>२२  | १<br>९<br>२४<br>३०   | २<br>१८<br>५४<br>४२  | ३<br>१८<br>४४<br>५९  | ४<br>१८<br>५४<br>४२  | ५<br>१८<br>५४<br>५९  | ६<br>१८<br>५४<br>५९  | ७<br>१८<br>५४<br>५९  | ८<br>१८<br>५४<br>५९  | ९<br>१८<br>५४<br>५९  | १०<br>१८<br>५४<br>५९ | ११<br>१८<br>५४<br>५९ | १२<br>१८<br>५४<br>५९ | १३<br>१८<br>५४<br>५९ | १४<br>१८<br>५४<br>५९ | १५<br>१८<br>५४<br>५९ | १६<br>१८<br>५४<br>५९ | १७<br>१८<br>५४<br>५९ | १८<br>१८<br>५४<br>५९ | १९<br>१८<br>५४<br>५९ | २०<br>१८<br>५४<br>५९ | २१<br>१८<br>५४<br>५९ | २२<br>१८<br>५४<br>५९ | २३<br>१८<br>५४<br>५९ |
| केन्द्र | ११<br>२९<br>५४<br>४८ | ०<br>१२<br>५७<br>४८  | ०<br>२५<br>०<br>३९   | १<br>९<br>४<br>३९    | २<br>१८<br>५४<br>५९  | ३<br>१८<br>५४<br>५९  | ४<br>१८<br>५४<br>५९  | ५<br>१८<br>५४<br>५९  | ६<br>१८<br>५४<br>५९  | ७<br>१८<br>५४<br>५९  | ८<br>१८<br>५४<br>५९  | ९<br>१८<br>५४<br>५९  | १०<br>१८<br>५४<br>५९ | ११<br>१८<br>५४<br>५९ | १२<br>१८<br>५४<br>५९ | १३<br>१८<br>५४<br>५९ | १४<br>१८<br>५४<br>५९ | १५<br>१८<br>५४<br>५९ | १६<br>१८<br>५४<br>५९ | १७<br>१८<br>५४<br>५९ | १८<br>१८<br>५४<br>५९ | १९<br>१८<br>५४<br>५९ | २०<br>१८<br>५४<br>५९ | २१<br>१८<br>५४<br>५९ | २२<br>१८<br>५४<br>५९ | २३<br>१८<br>५४<br>५९ |
| गण      | २६<br>११<br>१२<br>१८ | २७<br>११<br>१२<br>१८ | २८<br>११<br>१२<br>१८ | २९<br>११<br>१२<br>१८ | ३०<br>११<br>१२<br>१८ | ३१<br>११<br>१२<br>१८ | ३२<br>११<br>१२<br>१८ | ३३<br>११<br>१२<br>१८ | ३४<br>११<br>१२<br>१८ | ३५<br>११<br>१२<br>१८ | ३६<br>११<br>१२<br>१८ | ३७<br>११<br>१२<br>१८ | ३८<br>११<br>१२<br>१८ | ३९<br>११<br>१२<br>१८ | ४०<br>११<br>१२<br>१८ | ४१<br>११<br>१२<br>१८ | ४२<br>११<br>१२<br>१८ | ४३<br>११<br>१२<br>१८ | ४४<br>११<br>१२<br>१८ | ४५<br>११<br>१२<br>१८ | ४६<br>११<br>१२<br>१८ | ४७<br>११<br>१२<br>१८ | ४८<br>११<br>१२<br>१८ | ४९<br>११<br>१२<br>१८ | ५०<br>११<br>१२<br>१८ | ५१<br>११<br>१२<br>१८ |

|     |               |               |     |               |               |
|-----|---------------|---------------|-----|---------------|---------------|
| १०० | १ १४ ५२ ४९    | ५ २४ ४३ २७    | १०० | ५ २७ ३४ ५८    | ५ २७ ३९ २५    |
| १०१ | १ १ ४२ १      | ५ ११ ३९ २०    | १०२ | ५ १४ २४ १     | ५ २१ २७ ४२    |
| १०३ | ५ १८ ३१ २६    | ५ २८ ३५ २६    | १०४ | ५ १ १३ ३१     | ५ ८ २३ ३५     |
| १०५ | ५ ५ २० ३९     | ५ १५ ३१ २९    | १०६ | ५ १८ २ २०     | ५ २५ १९ १५    |
| १०७ | ५ २२ ९ ५१     | ५ २७ २७ १२    | १०८ | ५ ४ ५१ ३२     | ५ १२ १५ ८     |
| १०९ | ५ ८ ५५ ३      | ५ १९ २३ ५     | १०९ | ५ २१ ४० ४४    | ५ २९ ११ १     |
| ११० | ५ २५ ५८ १६    | ५ ५ १८ ५८     | ११० | ५ ८ २५ ४३     | ५ १६ ५ ५१     |
| १११ | ५ १२ ३७ ४१    | ५ २३ ५ ४      | १११ | ५ २५ १८ ५५    | ५ ३ २ २४      |
| ११२ | ५ २९ २६ ४३    | ५ १० १० ५७    | ११२ | ५ १२ ८ ७      | ५ १९ ५८ २७    |
| ११३ | ५ १६ १६ ५     | ५ २७ ५ ५      | ११३ | ५ २८ ५७ १९    | ५ ६ ५४ २०     |
| ११४ | ५ ३ ५ १७      | ५ १४ २ ४३     | ११४ | ५ १५ ४६ १७    | ५ १ २३ ५० ०   |
| ११५ | ५ १९ ५४ ४२    | ५ ० ५८ ४९     | ११५ | ५ २ ५५ २९     | ५ १ १० ५५ ५२  |
| ११६ | ५ ६ ५३ ५८     | ५ १७ ५८ ५२    | ११६ | ५ ११ २५ ४१    | ५ ० २७ ५१ ४५  |
| ११७ | ५ २३ ३३ ३     | ५ ४ ५० ३५     | ११७ | ५ ५ १३ ५३     | ५ ० १४ ३७ ३८  |
| ११८ | ५ १० २२ १६    | ५ ० २१ ४६ २८  | ११८ | ५ २३ २ ५२     | ५ ० १ ३२ १८   |
| ११९ | ५ २७ ११ २८    | ५ ८ ४२ ४०     | ११९ | ५ ९ ५२ ४      | ५ ११ १८ २९ ११ |
| १२० | ५ १४ ० ४१     | ५ ११ २५ ३८ १३ | १२० | ५ ११ २५ ४१ १६ | ५ ११ ५ २५ ४   |
| १२१ | ५ ० ५० ५      | ५ ११ १२ ३६ १९ | १२१ | ५ ११ १३ ३ २८  | ५ १० २२ २० ५७ |
| १२२ | ५ ११ १७ ३९ १७ | ५ १० २९ ३० १२ | १२२ | ५ ११ ० ८ ३८   | ५ १० ९ १६ ३७  |
| १२३ | ५ ११ ४ २८ २८  | ५ १० १६ २६ ५  | १२३ | ५ १० १७ ८ ३७  | ५ १० १२ ३०    |
| १२४ | ५ १० २१ १७ ५० | ५ १० ३ २१ ५८  | १२४ | ५ १० ३ ५८ २८  | ५ १० १३ ८ २३  |
| १२५ | ५ १० ८ ५ ५२   | ५ १० २० १७ ५१ | १२५ | ५ १० २० ४७ २  | ५ १० ० ४ १६   |
| १२६ | ५ १ २४ ५६ ४   | ५ १० १३ ४४    | १२६ | ५ १० ३ २ २    | ५ १० ० ९ ९    |
| १२७ | ५ ११ ५६ २४    | ५ १० १९ ३६    | १२७ | ५ १० २५ १४    | ५ १० ३ ५५ ४८  |
| १२८ | ५ १८ ३४ ४२    | ५ ११ ५ ४३     | १२८ | ५ ११ १४ २५    | ५ १० ५१ ४१    |
| १२९ | ५ १३ २३ ५४    | ५ १० १ ३६     | १२९ | ५ १० ३ ३७     | ५ १० ४७ ३४    |
| ग.  | पं.           | कं.           | ग.  | पं.           | कं.           |

[illegible]







|        |    |    |    |    |    |    |    |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |     |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| केंद्र | ०  | १  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   |
| मंद    | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   | ०   |
| फल     | ०  | ५  | १० | १५ | २० | २५ | ३० | ३५  | ४०  | ४५  | ५०  | ५५  | ६०  | ६५  | ७०  | ७५  | ८०  | ८५  | ९०  | ९५  | १०० | १०५ | ११० | ११५ | १२० | १२५ | १३० | १३५ | १४० | १४५ | १५० |
| गण     | ०  | १६ | ३२ | ४८ | ६४ | ८० | ९६ | ११२ | १२८ | १४४ | १६० | १७६ | १९२ | २०८ | २२४ | २४० | २५६ | २७२ | २८८ | ३०४ | ३२० | ३३६ | ३५२ | ३६८ | ३८४ | ४०० | ४१६ | ४३२ | ४४८ | ४६४ | ४८० |
| अन्न   | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   |
| घन     | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  | १६  |
| गति    | ३३ | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  | २१  |
| केंद्र | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १  | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   | १   |
| मंद    | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   | २   |
| फल     | ३० | ३५ | ३९ | ४४ | ४८ | ५२ | ५७ | ६२  | ६७  | ७२  | ७७  | ८२  | ८७  | ९२  | ९७  | १०२ | १०७ | ११२ | ११७ | १२२ | १२७ | १३२ | १३७ | १४२ | १४७ | १५२ | १५७ | १६२ | १६७ | १७२ | १७७ |
| गण     | ५६ | २० | ५८ | ३६ | २७ | १८ | ३३ | ४७  | ०   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   |
| अन्न   | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   | ५   |
| घन     | ३२ | ३० | २६ | २३ | २१ | २० | १९ | १८  | १७  | १६  | १५  | १४  | १३  | १२  | ११  | १०  | ९   | ८   | ७   | ६   | ५   | ४   | ३   | २   | १   | ०   | ९   | ८   | ७   | ६   | ५   |
| गति    | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  | ३३  |







| कै.मं. | ०  | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| मं.सं. | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  |
| फलं    | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  |
| रूपं   | ३६ | ३५ | ३४ | ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  |
| अं.    | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  |
| ध.     | ३० | ३९ | ३८ | ३७ | ३६ | ३५ | ३४ | ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ |
| गति    | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  |
| कै.मं. | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  |
| मं.सं. | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  |
| फलं    | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  | १  | ०  |
| रूपं   | ३६ | ३५ | ३४ | ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  |
| अंतर   | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |
| धन     | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  |
| गति    | ५३ | ५२ | ५१ | ५० | ४९ | ४८ | ४७ | ४६ | ४५ | ४४ | ४३ | ४२ | ४१ | ४० | ३९ | ३८ | ३७ | ३६ | ३५ | ३४ | ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ |











श्रीमद्यदिः ०

[illegible]

३६५ भोमघटी: ११

|          | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ |
|----------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| गं. अंक  | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ |
| अक्षराना | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ |
| गति      | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ |
| राखता    | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ |
| - प्रति. | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ |



















मीमाद्यदि: ३०

[illegible]

अनुध

श्रीमद्यटी: ३९

| उप. | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |
|-----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| १   | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१  | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |















Handwritten musical notation on a page from a manuscript. The notation is written in a cursive script, likely a form of Arabic or Persian, and is organized into a grid-like structure with multiple staves and columns. The text is written in black ink on aged, slightly discolored paper. The notation includes various symbols, including dots, lines, and stylized characters, which are typical of traditional musical notation in the region. The overall layout suggests a complex musical score or a collection of related musical pieces.

५३५ बीमघटी: ५७

| क्र.सं. | नाम | पद  | वर्ग | प्रमाण | मूल्य |
|---------|-----|-----|------|--------|-------|
| १       | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २       | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३       | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४       | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५       | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६       | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७       | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८       | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९       | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १०      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ११      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १२      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १३      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १४      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १५      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १६      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १७      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १८      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १९      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २०      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २१      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २२      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २३      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २४      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २५      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २६      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २७      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २८      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| २९      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३०      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३१      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३२      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३३      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३४      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३५      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३६      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३७      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३८      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ३९      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४०      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४१      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४२      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४३      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४४      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४५      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४६      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४७      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४८      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ४९      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५०      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५१      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५२      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५३      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५४      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५५      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५६      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५७      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५८      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ५९      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६०      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६१      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६२      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६३      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६४      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६५      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६६      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६७      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६८      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ६९      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७०      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७१      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७२      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७३      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७४      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७५      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७६      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७७      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७८      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ७९      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८०      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८१      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८२      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८३      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८४      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८५      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८६      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८७      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८८      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ८९      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९०      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९१      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९२      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९३      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९४      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९५      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९६      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९७      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९८      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| ९९      | ... | ... | ...  | ...    | ...   |
| १००     | ... | ... | ...  | ...    | ...   |



श्रीमच्छ्रीः ५४

[illegible]

भौमिद्यदीः ५५



पैगमधरी: ५८

| ਸਥਾਨ | ਮਾ.ਮ. | ਮਾ.ਮ. | ਮਾ.ਮ. | ਮਾ.ਮ. | ਮਾ.ਮ. |
|------|-------|-------|-------|-------|-------|
| 1    | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 2    | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 3    | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 4    | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 5    | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 6    | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 7    | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 8    | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 9    | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 10   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 11   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 12   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 13   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 14   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 15   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 16   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 17   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 18   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 19   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 20   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 21   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 22   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 23   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 24   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 25   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 26   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 27   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 28   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 29   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 30   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 31   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 32   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 33   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 34   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 35   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 36   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 37   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 38   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 39   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 40   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 41   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 42   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 43   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 44   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 45   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 46   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 47   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 48   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 49   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 50   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 51   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 52   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 53   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 54   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 55   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 56   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 57   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 58   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 59   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 60   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 61   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 62   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 63   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 64   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 65   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 66   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 67   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 68   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 69   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 70   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 71   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 72   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 73   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 74   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 75   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 76   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 77   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 78   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 79   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 80   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 81   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 82   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 83   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 84   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 85   | 20    | 20    | 20    | 20    | 20    |
| 86   | 20    | 20    | 2     |       |       |

ਸ਼੍ਰੋਮਣੀ ਮਾਧਰੀ: ੫੨

[illegible]

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥







ਬੁੱਧ ਬਟੀ ੬

| 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 |  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|--|
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|--|

[illegible]

## बुधघटी: १०

| १  | २  | ३ | ४ | ५ | ६ | ७  | ८  | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | उप.   |
|----|----|---|---|---|---|----|----|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-------|
| १३ | १६ | १ | ४ | ३ | २ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | रा.   |
| १२ | १५ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | अं.   |
| ११ | १४ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | क.    |
| १० | १३ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | प्रहा |
| ९  | १२ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | म.    |
| ८  | ११ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | गत्य. |
| ७  | १० | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | क.    |

## बुधघटी: ११

| १  | २  | ३ | ४ | ५ | ६ | ७  | ८  | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | उप.   |
|----|----|---|---|---|---|----|----|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-------|
| १३ | १६ | १ | ४ | ३ | २ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | रा.   |
| १२ | १५ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | अं.   |
| ११ | १४ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | क.    |
| १० | १३ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | प्रहा |
| ९  | १२ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | म.    |
| ८  | ११ | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | गत्य. |
| ७  | १० | ३ | ५ | ३ | १ | १५ | १० | ६ | ३  | १६ | १० | ५  | २  | ११ | २० | १५ | १० | ६  | ३  | १० | ५  | २  | १  | ०  | ११ | ०  | क.    |



**बुधघटी: १४**

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]







बुधद्वयी: २२

| क्र | व | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |    |    |    |     |
|-----|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|-----|
| १   | २ | ३ | ४ | ५ | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६  | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

क्र.सं. १५

[illegible]









प्राध्यापकी: ३०

[illegible]

बु. घ. ३१

[illegible]







बुधघटी: ४६

[illegible]

१४६

[illegible]



बुधघटी: ५४

[illegible]

उत्पत्ति

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |     |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|



गुणघटीः ०

[illegible]

शुक्रवारी: १

[illegible]

गुरुघटी: ६

| वर्ग | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९ | ८ | ७ | ६ | ५ | ४ | ३ | २ | १ |
|------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा.  | २  | १  | १  | २  | २  | २  | १  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| शु.  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| म.स. | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| ग.   | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| ग.स. | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| कु.  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |

गुरुघटी: ७

| वर्ग | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९ | ८ | ७ | ६ | ५ | ४ | ३ | २ | १ |
|------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा.  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| शु.  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| म.स. | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| ग.   | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| ग.स. | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| कु.  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २  | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |



[illegible]

| १०॥ |     | २०॥ |     | ३०॥ |     | ४०॥ |     | ५०॥ |     | ६०॥ |     | ७०॥ |     | ८०॥ |     | ९०॥ |     | १०॥ |     | ११॥ |     | १२॥ |     | १३॥ |     | १४॥ |     | १५॥ |     | १६॥ |     | १७॥ |     | १८॥ |     | १९॥ |     | २०॥ |     | २१॥ |     | २२॥ |     | २३॥ |     | २४॥ |     | २५॥ |     | २६॥ |     | २७॥ |     | २८॥ |     | २९॥ |     | ३०॥ |     | ३१॥ |     | ३२॥ |     | ३३॥ |     | ३४॥ |     | ३५॥ |     | ३६॥ |     | ३७॥ |     | ३८॥ |     | ३९॥ |     | ४०॥ |     | ४१॥ |     | ४२॥ |     | ४३॥ |     | ४४॥ |     | ४५॥ |     | ४६॥ |     | ४७॥ |     | ४८॥ |     | ४९॥ |     | ५०॥ |      | ५१॥ |  | ५२॥ |  | ५३॥ |  | ५४॥ |  | ५५॥ |  | ५६॥ |  | ५७॥ |  | ५८॥ |  | ५९॥ |  | ६०॥ |  | ६१॥ |  | ६२॥ |  | ६३॥ |  | ६४॥ |  | ६५॥ |  | ६६॥ |  | ६७॥ |  | ६८॥ |  | ६९॥ |  | ७०॥ |  | ७१॥ |  | ७२॥ |  | ७३॥ |  | ७४॥ |  | ७५॥ |  | ७६॥ |  | ७७॥ |  | ७८॥ |  | ७९॥ |  | ८०॥ |  | ८१॥ |  | ८२॥ |  | ८३॥ |  | ८४॥ |  | ८५॥ |  | ८६॥ |  | ८७॥ |  | ८८॥ |  | ८९॥ |  | ९०॥ |  | ९१॥ |  | ९२॥ |  | ९३॥ |  | ९४॥ |  | ९५॥ |  | ९६॥ |  | ९७॥ |  | ९८॥ |  | ९९॥ |  | १००॥ |  |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|-----|--|------|--|
| १०॥ | २०॥ | ३०॥ | ४०॥ | ५०॥ | ६०॥ | ७०॥ | ८०॥ | ९०॥ | १०॥ | ११॥ | १२॥ | १३॥ | १४॥ | १५॥ | १६॥ | १७॥ | १८॥ | १९॥ | २०॥ | २१॥ | २२॥ | २३॥ | २४॥ | २५॥ | २६॥ | २७॥ | २८॥ | २९॥ | ३०॥ | ३१॥ | ३२॥ | ३३॥ | ३४॥ | ३५॥ | ३६॥ | ३७॥ | ३८॥ | ३९॥ | ४०॥ | ४१॥ | ४२॥ | ४३॥ | ४४॥ | ४५॥ | ४६॥ | ४७॥ | ४८॥ | ४९॥ | ५०॥ | ५१॥ | ५२॥ | ५३॥ | ५४॥ | ५५॥ | ५६॥ | ५७॥ | ५८॥ | ५९॥ | ६०॥ | ६१॥ | ६२॥ | ६३॥ | ६४॥ | ६५॥ | ६६॥ | ६७॥ | ६८॥ | ६९॥ | ७०॥ | ७१॥ | ७२॥ | ७३॥ | ७४॥ | ७५॥ | ७६॥ | ७७॥ | ७८॥ | ७९॥ | ८०॥ | ८१॥ | ८२॥ | ८३॥ | ८४॥ | ८५॥ | ८६॥ | ८७॥ | ८८॥ | ८९॥ | ९०॥ | ९१॥ | ९२॥ | ९३॥ | ९४॥ | ९५॥ | ९६॥ | ९७॥ | ९८॥ | ९९॥ | १००॥ |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |     |  |      |  |









॥ १३ ॥

॥

| उ.व. | ग. | सं. | क. | य. | म. | ग. | ह. |
|------|----|-----|----|----|----|----|----|
| २७   | २७ | २७  | २७ | २७ | २७ | २७ | २७ |
| २६   | २६ | २६  | २६ | २६ | २६ | २६ | २६ |
| २५   | २५ | २५  | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ |
| २४   | २४ | २४  | २४ | २४ | २४ | २४ | २४ |
| २३   | २३ | २३  | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ |
| २२   | २२ | २२  | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ |
| २१   | २१ | २१  | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ |
| २०   | २० | २०  | २० | २० | २० | २० | २० |
| १९   | १९ | १९  | १९ | १९ | १९ | १९ | १९ |
| १८   | १८ | १८  | १८ | १८ | १८ | १८ | १८ |
| १७   | १७ | १७  | १७ | १७ | १७ | १७ | १७ |
| १६   | १६ | १६  | १६ | १६ | १६ | १६ | १६ |
| १५   | १५ | १५  | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ |
| १४   | १४ | १४  | १४ | १४ | १४ | १४ | १४ |
| १३   | १३ | १३  | १३ | १३ | १३ | १३ | १३ |
| १२   | १२ | १२  | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ |
| ११   | ११ | ११  | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ |
| १०   | १० | १०  | १० | १० | १० | १० | १० |
| ९    | ९  | ९   | ९  | ९  | ९  | ९  | ९  |
| ८    | ८  | ८   | ८  | ८  | ८  | ८  | ८  |
| ७    | ७  | ७   | ७  | ७  | ७  | ७  | ७  |
| ६    | ६  | ६   | ६  | ६  | ६  | ६  | ६  |
| ५    | ५  | ५   | ५  | ५  | ५  | ५  | ५  |
| ४    | ४  | ४   | ४  | ४  | ४  | ४  | ४  |
| ३    | ३  | ३   | ३  | ३  | ३  | ३  | ३  |
| २    | २  | २   | २  | २  | २  | २  | २  |
| १    | १  | १   | १  | १  | १  | १  | १  |

गुरुघटी२८

[illegible]

15.

33. 34.

٥٣٥

५३

गु.घ.२९

[illegible]

गुरुघटी: ३२

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३३ ॥

[illegible]



गुरुवदी ४०

| क्र.सं. | रा. | आ. | क. | प्र. | म. | मल्ल. | क. |
|---------|-----|----|----|------|----|-------|----|
| २७      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| २८      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| २९      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३०      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३१      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३२      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३३      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३४      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३५      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३६      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३७      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३८      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ३९      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४०      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४१      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४२      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४३      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४४      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४५      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४६      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४७      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४८      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ४९      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५०      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५१      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५२      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५३      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५४      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५५      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५६      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५७      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५८      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ५९      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६०      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६१      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६२      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६३      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६४      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६५      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६६      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६७      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६८      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ६९      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७०      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७१      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७२      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७३      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७४      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७५      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७६      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७७      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७८      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ७९      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८०      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८१      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८२      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८३      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८४      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८५      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८६      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८७      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८८      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ८९      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |
| ९०      | १   | ३  | ५  | ५    | ५  | ५     | ५  |

॥॥॥

ஆதித்யா

५२

॥३॥

一

[illegible]

## गुरुघटी: ३८

| सं | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | सं  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२  | ४३  | ४४  | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  | ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  |
| ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  |
| ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ |

## गुरुघटी: ३९

| सं | १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १० | ११ | १२ | १३ | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | सं  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२  | ४३  | ४४  | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  | ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  |
| ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  |
| ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ |





**ਪੰਨਾ : ੧੨**

[illegible]

गुरुघटी: ५३.

[illegible]







गुरुघटी: ५४

| १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  | ३८  | ३९  | ४०  | ४१  | ४२  | ४३  | ४४  | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  | ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  | ८८  | ८९  | ९०  | ९१  | ९२  | ९३  | ९४  | ९५  | ९६  | ९७  | ९८  | ९९  | १००  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|
| १० | २० | ३० | ४० | ५० | ६० | ७० | ८० | ९० | १०० | ११० | १२० | १३० | १४० | १५० | १६० | १७० | १८० | १९० | २०० | २१० | २२० | २३० | २४० | २५० | २६० | २७० | २८० | २९० | ३०० | ३१० | ३२० | ३३० | ३४० | ३५० | ३६० | ३७० | ३८० | ३९० | ४०० | ४१० | ४२० | ४३० | ४४० | ४५० | ४६० | ४७० | ४८० | ४९० | ५०० | ५१० | ५२० | ५३० | ५४० | ५५० | ५६० | ५७० | ५८० | ५९० | ६०० | ६१० | ६२० | ६३० | ६४० | ६५० | ६६० | ६७० | ६८० | ६९० | ७०० | ७१० | ७२० | ७३० | ७४० | ७५० | ७६० | ७७० | ७८० | ७९० | ८०० | ८१० | ८२० | ८३० | ८४० | ८५० | ८६० | ८७० | ८८० | ८९० | ९०० | ९१० | ९२० | ९३० | ९४० | ९५० | ९६० | ९७० | ९८० | ९९० | १००० |

१३॥ ७॥ध

गु.घ.५५ ७॥ध

उ.प. ११ ७॥ध. ७॥ध.

| १  | २  | ३  | ४  | ५  | ६  | ७  | ८  | ९  | १०  | ११  | १२  | १३  | १४  | १५  | १६  | १७  | १८  | १९  | २०  | २१  | २२  | २३  | २४  | २५  | २६  | २७  | २८  | २९  | ३०  | ३१  | ३२  | ३३  | ३४  | ३५  | ३६  | ३७  | ३८  | ३९  | ४०  | ४१  | ४२  | ४३  | ४४  | ४५  | ४६  | ४७  | ४८  | ४९  | ५०  | ५१  | ५२  | ५३  | ५४  | ५५  | ५६  | ५७  | ५८  | ५९  | ६०  | ६१  | ६२  | ६३  | ६४  | ६५  | ६६  | ६७  | ६८  | ६९  | ७०  | ७१  | ७२  | ७३  | ७४  | ७५  | ७६  | ७७  | ७८  | ७९  | ८०  | ८१  | ८२  | ८३  | ८४  | ८५  | ८६  | ८७  | ८८  | ८९  | ९०  | ९१  | ९२  | ९३  | ९४  | ९५  | ९६  | ९७  | ९८  | ९९  | १००  |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|
| १० | २० | ३० | ४० | ५० | ६० | ७० | ८० | ९० | १०० | ११० | १२० | १३० | १४० | १५० | १६० | १७० | १८० | १९० | २०० | २१० | २२० | २३० | २४० | २५० | २६० | २७० | २८० | २९० | ३०० | ३१० | ३२० | ३३० | ३४० | ३५० | ३६० | ३७० | ३८० | ३९० | ४०० | ४१० | ४२० | ४३० | ४४० | ४५० | ४६० | ४७० | ४८० | ४९० | ५०० | ५१० | ५२० | ५३० | ५४० | ५५० | ५६० | ५७० | ५८० | ५९० | ६०० | ६१० | ६२० | ६३० | ६४० | ६५० | ६६० | ६७० | ६८० | ६९० | ७०० | ७१० | ७२० | ७३० | ७४० | ७५० | ७६० | ७७० | ७८० | ७९० | ८०० | ८१० | ८२० | ८३० | ८४० | ८५० | ८६० | ८७० | ८८० | ८९० | ९०० | ९१० | ९२० | ९३० | ९४० | ९५० | ९६० | ९७० | ९८० | ९९० | १००० |

१३॥ ७॥ध

उ.प. ११ ७॥ध. ७॥ध.









१६:१५५

[illegible]

५७:१२४

[illegible]



अध्याय: २३

[illegible]

**உருபுநாமி**

| सं. | पं. | श्र. | क.  | अ.श्र. | गति | गल्लितर | कति |
|-----|-----|------|-----|--------|-----|---------|-----|
| १   | २   | ३    | ४   | ५      | ६   | ७       | ८   |
| १०  | ११  | १२   | १३  | १४     | १५  | १६      | १७  |
| १८  | १९  | २०   | २१  | २२     | २३  | २४      | २५  |
| २६  | २७  | २८   | २९  | ३०     | ३१  | ३२      | ३३  |
| ३४  | ३५  | ३६   | ३७  | ३८     | ३९  | ४०      | ४१  |
| ४२  | ४३  | ४४   | ४५  | ४६     | ४७  | ४८      | ४९  |
| ५०  | ५१  | ५२   | ५३  | ५४     | ५५  | ५६      | ५७  |
| ५८  | ५९  | ६०   | ६१  | ६२     | ६३  | ६४      | ६५  |
| ६६  | ६७  | ६८   | ६९  | ७०     | ७१  | ७२      | ७३  |
| ७४  | ७५  | ७६   | ७७  | ७८     | ७९  | ८०      | ८१  |
| ८२  | ८३  | ८४   | ८५  | ८६     | ८७  | ८८      | ८९  |
| ९०  | ९१  | ९२   | ९३  | ९४     | ९५  | ९६      | ९७  |
| ९८  | ९९  | १००  | १०१ | १०२    | १०३ | १०४     | १०५ |
| १०६ | १०७ | १०८  | १०९ | ११०    | १११ | ११२     | ११३ |
| ११४ | ११५ | ११६  | ११७ | ११८    | ११९ | १२०     | १२१ |
| १२२ | १२३ | १२४  | १२५ | १२६    | १२७ | १२८     | १२९ |
| १३० | १३१ | १३२  | १३३ | १३४    | १३५ | १३६     | १३७ |
| १३८ | १३९ | १४०  | १४१ | १४२    | १४३ | १४४     | १४५ |
| १४६ | १४७ | १४८  | १४९ | १५०    | १५१ | १५२     | १५३ |
| १५४ | १५५ | १५६  | १५७ | १५८    | १५९ | १६०     | १६१ |
| १६२ | १६३ | १६४  | १६५ | १६६    | १६७ | १६८     | १६९ |
| १७० | १७१ | १७२  | १७३ | १७४    | १७५ | १७६     | १७७ |
| १७८ | १७९ | १८०  | १८१ | १८२    | १८३ | १८४     | १८५ |
| १८६ | १८७ | १८८  | १८९ | १९०    | १९१ | १९२     | १९३ |
| १९४ | १९५ | १९६  | १९७ | १९८    | १९९ | २००     | २०१ |
| २०२ | २०३ | २०४  | २०५ | २०६    | २०७ | २०८     | २०९ |
| २१० | २११ | २१२  | २१३ | २१४    | २१५ | २१६     | २१७ |
| २१८ | २१९ | २२०  | २२१ | २२२    | २२३ | २२४     | २२५ |
| २२६ | २२७ | २२८  | २२९ | २३०    | २३१ | २३२     | २३३ |
| २३४ | २३५ | २३६  | २३७ | २३८    | २३९ | २४०     | २४१ |
| २४२ | २४३ | २४४  | २४५ | २४६    | २४७ | २४८     | २४९ |
| २५० | २५१ | २५२  | २५३ | २५४    | २५५ | २५६     | २५७ |
| २५८ | २५९ | २६०  | २६१ | २६२    | २६३ | २६४     | २६५ |
| २६६ | २६७ | २६८  | २६९ | २७०    | २७१ | २७२     | २७३ |
| २७४ | २७५ | २७६  | २७७ | २७८    | २७९ | २८०     | २८१ |
| २८२ | २८३ | २८४  | २८५ | २८६    | २८७ | २८८     | २८९ |
| २९० | २९१ | २९२  | २९३ | २९४    | २९५ | २९६     | २९७ |
| २९८ | २९९ | ३००  | ३०१ | ३०२    | ३०३ | ३०४     | ३०५ |
| ३०६ | ३०७ | ३०८  | ३०९ | ३१०    | ३११ | ३१२     | ३१३ |
| ३१४ | ३१५ | ३१६  | ३१७ | ३१८    | ३१९ | ३२०     | ३२१ |
| ३२२ | ३२३ | ३२४  | ३२५ | ३२६    | ३२७ | ३२८     | ३२९ |
| ३३० | ३३१ | ३३२  | ३३३ | ३३४    | ३३५ | ३३६     | ३३७ |
| ३३८ | ३३९ | ३४०  | ३४१ | ३४२    | ३४३ | ३४४     | ३४५ |
| ३४६ | ३४७ | ३४८  | ३४९ | ३५०    | ३५१ | ३५२     | ३५३ |
| ३५४ | ३५५ | ३५६  | ३५७ | ३५८    | ३५९ | ३६०     | ३६१ |
| ३६२ | ३६३ | ३६४  |     |        |     |         |     |

ਮੁਲਾਬਤੀ: ੨੪.

[illegible]

भृगुघटी: २५

[illegible]











१६:१२३४५६

[illegible]

५६.३.५५

[illegible]











भगवद्गीता: ४६

[illegible]

भुगवती: ४७

[illegible]



| भृगुचरः ५० |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| स्थिति     | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ | १६ |
| शु.        | १  | ०  | ०  | ०  | ११ | ११ | १० | १० | १० | १० | १० | १० |
| शु.        | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १८ | १७ |
| महांतर     | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  | ०  |
| गति        | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  |
| गत्यंतर    | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  |
| कति        | १३ | १२ | ११ | १० | ९  | ८  | ७  | ६  | ५  | ४  | ३  | २  |

[illegible]





भृगुधरी: ५८

| उपधि | रा. | श्र. | क. | महांतर | गति | गत्यंतर | कृति |
|------|-----|------|----|--------|-----|---------|------|
| १    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| २    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| ३    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| ४    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| ५    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| ६    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| ७    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| ८    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| ९    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| १०   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| ११   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| १२   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| १३   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| १४   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| १५   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| १६   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| १७   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| १८   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| १९   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| २०   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| २१   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| २२   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| २३   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| २४   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| २५   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| २६   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |
| २७   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०    |

भृगुधरी: ५९.

| उपधि | रा. | श्र. | क. | महांतर | गति | गत्यंतर | कृति. |
|------|-----|------|----|--------|-----|---------|-------|
| १    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| २    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| ३    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| ४    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| ५    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| ६    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| ७    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| ८    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| ९    | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| १०   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| ११   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| १२   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| १३   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| १४   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| १५   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| १६   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| १७   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| १८   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| १९   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| २०   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| २१   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| २२   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| २३   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| २४   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| २५   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| २६   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |
| २७   | ०   | ०    | ०  | ०      | ०   | ०       | ०     |

भृगुधरीसंपूर्णम्

२५ : प्रिअमिने

[illegible]

भृगुधरी: ५५-

[illegible]

मौलाना पंडित साहब











**आनिघटी: १०**

[illegible]

ਮਾ. ੧੩੧ ੭੫.

ਮਾ. ੧੩੧ ੭੫.

ਮਾ. ੧੩੧ ੭੫.

श्रीनिघ० ११

[illegible]



शानिघटी: १४

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]



शानिघटी: २०

|         | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | उपयोग |
|---------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-------|
| क्र.    | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २५    |
| अक्षर   | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २५    |
| गति     | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २५    |
| गसंज्ञा | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २५    |
| कृति    | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २५    |

शानिषदी: ३९

[illegible]









शानिघटी: ३०

[illegible]

शनिवारी: ३९

[illegible]















**शानिघाटी: ४२**

॥ ३०५३ ॥

सं. ७९६

१०१



शानिघटोः ५६

[illegible]

आनिघटी: ४७

[illegible]



**शानिघटी: ५८**

शनिघटी: ५६

ॐ  
ॐ

शानिघ० ५७

ஆய்வு.



# हिंदुस्थानदेशका मोटा मोटा ग्रामका पलभ्या-

|                 |   |    |            |   |    |           |   |    |                 |   |    |               |    |    |
|-----------------|---|----|------------|---|----|-----------|---|----|-----------------|---|----|---------------|----|----|
| उज्जनी          | ५ | ६  | अजमीर      | ५ | ४५ | नेपाल     | ५ | २५ | मुनागढ          | ५ | ३१ | मद्रास        | २  | ४७ |
| मन्त्री         | ५ | ४५ | देवगड      | ६ | ४  | मुम्बई    | ६ | ४७ | लखनऊ            | ५ | ४८ | सौरगपुर       | ४  | ४६ |
| फलकसा           | ४ | ५७ | गंगासागर   | ४ | ५६ | अमदावाद   | ५ | २  | भैमिपारण्यसेन   | ५ | ५५ | ग्वाल्हेर     | ५  | ५४ |
| प्रयाग          | ५ | ४० | मथुरा      | ६ | ०  | पडोदा     | ६ | ५४ | नाशिक           | ४ | २५ | आग्रा         | ६  | ७  |
| कादमीर          | ७ | ५४ | कान्यकुब्ज | ६ | ०  | सरन       | ६ | ३६ | पुना            | ४ | ०  | हैद्रावादसिंध | ५  | ४१ |
| लाहौर           | ७ | २३ | हरिद्वार   | ६ | ३६ | भैयानदी   | ६ | ४६ | सातारा          | ३ | ५१ | पुरुषोत्तमसेन | ५  | ४५ |
| दिल्ली          | ६ | ३४ | बैराट      | ६ | २७ | मगधदेश    | ६ | ६  | दक्षिणहैद्रावाद | ३ | ४३ | सामनाथ        | ५  | ३६ |
| कुरुसेन         | ६ | ४६ | मुलतान     | ६ | ४० | रामनगर    | ५ | ०  | विठ्ठलनाथ       | ४ | ०  | भौरगवाव       | ४  | २० |
| चीताडगढ(उदयपुर) | ५ | ३० | पुष्कर     | ५ | ५२ | कोटाबुंदी | ६ | २  | रत्नागिरी       | ३ | ४१ | विलायतलडुन    | १५ | ६  |
| जायपुर          | ५ | ४८ | कदार       | ७ | ८  | हारका     | ६ | ५  | कोल्हापुर       | ३ | ३० | उज्जनी        | ५  | ६  |

देशमेपाड-उदयपुर देवगढ ग्रामराहेहामध्ये निवासी, दधीचवंशवेदशास्त्रसंपन्न पं० पुष्करलालगंगाधर कृत.

मुंबईमध्ये जगदीश्वरछापरवानेमें छपायकर प्रसिद्ध कियाहै. मितीआवगुशुक्ल ११ रवि.ता० १६ अगष्ट १८९१

यहपुस्तक सन१८६७ आक्ट २५ प्रमाणे रजिस्टर कियाहै. पुस्तक मगानेका होय जिसीने आपका टिकाना-नाम, ग्राम, जी-ला लिखदेना. किं० २) डाक ३) मुमल २३) भेजना. तथा डाकमारफत मगाना तुरत भेजदेगा.



इति श्रीब्रह्मपक्षे महादेवी उवाहार एसाणीसः